मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	37.4	30.4
जमशेदपुर	35.7	27.7
डालटनगंज	37.8	25.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

www.lagatar.in

रांची, शुक्रवार 21 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 15 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 73

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पीएम पेपर लीक रोक नहीं पा रहे या रोकना नहीं चाहते : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे या फिर रोकना नहीं चाहते. उन्होंने यह दावा भी किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है और जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाता तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे. राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष संसद के आगामी सत्र में इस मुद्दे को उठाएगा.

राहुल ने दावा किया कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है. कांग्रेस नेता ने कहा, मामले की जांच की जा रही है. कोई न कोई जिम्मेदार है. उसे पकड़ा जाना चाहिए. प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर उपजे विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए सीबीआई को सौंपा है.

-शेष पेज 7 पर

नयी दिल्ली में गुरुवार को नीट विवाद पर प्रेस कांफ्रेंस करते राहुल गांधी.

लगाया आरोप

- एजुकेशन सिस्टम पर भाजपा का कब्जा, एमपी के व्यापम घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश
- विपक्ष एकजुट होकर संसद में उठाएगा पेपर लीक का मुद्दा

शिक्षा का डिमॉनेटाइजेशन हो गया

एमपी में व्यापम हुआ और व्यापम को नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पूरे देश में फैला रही है. राहुल ने कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. एजुकेशन सिस्टम पर भाजपा का कब्जा है. दोषियों पर कार्रवाई हो. युवाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है.

बिहार के डिप्टी सीएम का बड़ा दावा- तेजस्वी के पीएस ने मास्टरमाइंड के लिए बुक कराया था रूम- पेज 11 पर

याचिकाओं पर केंद्र, एनटीए को नोटिस उच्च न्यायालयों में सुनवाई पर लगी रोक

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी को रद्द करने और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच का अनुरोध करने संबंधी याचिकाओं पर गुरुवार को केंद्र, एनटीए और अन्य से जवाब मांगा है. कोर्ट ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष नीट परीक्षा से संबंधित कुछ लंबित याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की पीठ ने चार अलग-अलग याचिकाओं पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. जैसे ही पीठ ने एनटीए की याचिकाओं पर नोटिस जारी किए. पीठ ने कहा, आठ जुलाई तक जवाब दाखिल करना होगा. पीठ ने कई अन्य याचिकाओं पर भी विचार किया, जिनमें उन 20 छात्रों की याचिका भी शामिल है, जो पांच मई को आयोजित परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं.

हाई लेवल कमेटी करेगी जांच : प्रधान

नयी दिल्ली । नीट परीक्षा पर घमासान के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मंत्री ने कहा कि सरकार जीरो एरर परीक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. सरकार जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी गठित करने जा रही है. कमेटी एनटीए पर सिफारिश देगी. छात्रों का हित हमारी प्राथमिकता है. इसमें कोई समझौता नहीं होगा. किसी गुनहगार को नहीं छोड़ेंगे. मंत्री ने कहा कि सरकार एक हाई लेवल कमेटी का गठन कर रही है, जो एनटीए के स्ट्रक्चर, पारदर्शिता में बेहतरी लाने पर काम करेगी. उन्होंने कहा कि एनटीए के काम करने का तरीका जीरो एरर वाला है.

न परवाह, न शर्म

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

- **महीनों की मेहनत व अकेलापन.**
- **नौ लाख छात्रों के सपने टूटे.**
- **कम से कम 180 करोड़ स्वाहा.**
- **जिम्मेदार ? ना सरकार ना अफसर.**

सोशल मीडिया एक्स पर एक छात्र ने लिखा है: इस परीक्षा की वजह से मैं पिछले सात महीने से घर नहीं गया. पूरी मेहनत करके कल परीक्षा दी. लग रहा था कि इस बार जेआरएफ हो जाएगा... आज ट्रेन पकड कर घर जा रहा हूं... जैसे ही ये खबर आई, देख कर मूड खराब हो गया... घर आने-जाने में 5000 रुपया खर्च हो जाता है, दो दिन तक थकान अलग से... हमारी मेहनत और पैसों का हिसाब कौन देगा..?

क्या इस देश के रहनुमा इस युवक के दर्द को समझते हैं ? किन परिस्थितियों में छात्र परीक्षा की तैयारी करते हैं ? अभिभावक किन परिस्थितियों में अपने बच्चों को पढ़ाते हैं ? कोचिंग कराते हैं ? बैंक से कर्ज लेकर, जमीन व जेवर बंधक रख कर, परिवार का पेट काट कर. किन परिस्थितियों में छात्र परीक्षा देने जाते हैं. किन परिस्थितियों में इस पर होने वाले खर्च का जुगाड़ करते हैं ? फॉर्म भरने की फीस लेकर परीक्षा देने तक में कितना खर्च आता होगा ? उस पर महीनों की मेहनत ? घर से दूर रह कर तैयारी ? उन्हें मिल क्या रहा है ? सपने टूट जाते हैं, घर की जमा-पूंजी का सत्यानाश हो जाता है, जब पता चलता है कि परीक्षा कैंसिल हो गई.

हमारे रहनुमा सरकार चलाने में मस्त हैं-व्यस्त हैं. विपक्ष आरोप लगा रहा है. बेरोजगार छात्र जाएं, तो कहां जाएं ? किनके पास रोएं ? सरकार को चिंता ही नहीं. चिंता करे भी तो क्यों ? जब भाषणों, हिन्दू-मुसलमान करने, फ्री में बिजली, पानी, राशन देने, नकदी देने या देने के वायदे से ही चुनाव जीत कर सरकार बनाया जा सकता है. उन्हें तो सिर्फ चुनाव जीतने और सरकार बनाने से मतलब है. ना कोई जिम्मेदारी, ना जवाबदेही, ना कार्रवाई और ना ही परीक्षा लेने का कोई फूलप्रूफ प्लान. बस लफ्फाजी और सामने आ रहे तथ्यों को बेशर्मी से गलत बताने का काम. यही तो हो रहा है, पिछले आठ-दस दिनों से.

18 जून को एनटीए ने यूजीसी नेट की परीक्षा ली. नौ लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए. 19 जून को यह कह कर परीक्षा रद्द कर दी गई कि गड़बड़ी की सूचना है. गड़बड़ियों की जांच सीबीआई करेगी.

-शेष पेज 7 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,200
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

अंतराष्ट्रीय योग दिवस आज

नयी दिल्ली । भारत समेत पूरी दुनिया में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा. इसके 10वें संस्करण की तैयारी पूरी हो चुकी है. भारत में भी आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान योग दिवस मनाएगा. योग ने सिर्फ शरीर को बल्कि मंन को भी शांति और एकाग्रचित करता है. योग के अभ्यास से शांतिपूर्ण मन से व्यक्ति को समाज कल्याण के लिए एक बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है.

आठ सीट पर ईवीएम सत्यापन के आवेदन

नयी दिल्ली । निर्वाचन आयोग को चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद ईवीएम में लगी माइक्रो-कंट्रोलर चिप में छेड़छाड़ या हेरफेर संबंधी सत्यापन के लिए भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के उम्मीदवारों से आठ आवेदन मिले हैं.

अनचाही कॉल पर लगाम का मसौदा जारी

नयी दिल्ली । उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को प्रचार-प्रसार संबंधी फोन कॉल और एसएमएस जैसे अनचाहे एवं अवांछित कारोबारी संचार पर लगाम लगाने से संबंधित दिशा-निर्देशों के मसौदे पर 21 जुलाई तक टिप्पणियां आमंत्रित कीं. दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और नियामकों सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए इन दिशानिर्देशों में व्यक्तिगत संचार को नहीं रखा गया है. मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये दिशानिर्देश कारोबारी संचार से जुड़े सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर लागू होंगे.

बड़े शहरों में घट गई घरों की खरीद-बिक्री

नयी दिल्ली । हैदराबाद और पुणे में कम मांग रहने से देश के नौ प्रमुख शहरों में मौजूदा तिमाही के दौरान घरों की बिक्री दो प्रतिशत घटकर 1.20 लाख इकाई रह जाने का अनुमान है. रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म प्रॉपइक्विटी ने बृहस्पतिवार को अप्रैल-जून तिमाही के अंत से 10 दिन पहले घरों की बिक्री के संभावित आंकड़े जारी किए हैं.

लू से अब तक 114 लोगों की मौत

नयी दिल्ली । इस वर्ष एक मार्च से लेकर 18 जून के बीच में देश के बड़े हिस्से में जारी भीषण गर्मी ने कम से कम 114 लोगों की जान ले ली और 40,000 से अधिक लोगों को संदिग्ध तापघात से जूझना पड़ा. स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

नीतीश सरकार को तगड़ा झटका, लेकिन अभी भी मौका, पीएम को करनी होगी मदद

बिहार में बढ़ा आरक्षण रद्द

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

बिहार की एनडीए सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था. जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ. महागठबंधन सरकार के भी मुखिया नीतीश कुमार ही थे. महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राज्य में आरक्षण का प्रतिशत 65 तक पहुंचा दिया था. चुनाव में महगठबंधन के मुख्य दल राजद ने इस आरक्षण का क्रेडिट भी लिया.

किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था. लेकिन अब, पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है. कोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका माना जा रहा है. गुरुवार को हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है. हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है. यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा. 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो जाएगी.

भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है : दरअसल, 65 प्रतिशत आरक्षण कानून के खिलाफ गौरव कुमार व अन्य लोगों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी. न कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान. यह जो 2023 का संशोधित अधिनियम बिहार सरकार ने पारित किया है, वह भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है. इसमें सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के समान अधिकार का उल्लंघन करता है, वहीं भेद भाव से संबंधित मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन है. चीफ जस्टिस केवी चंद्रन की खंडपीठ ने इस पर लंबी सुनवाई की. इसके बाद 11 मार्च को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. गुरुवार को कोर्ट ने 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने जाने के राज्य सरकार ने निर्णय को रद्द करने का फैसला सुनाया.

पटना हाईकोर्ट ने राज्य में 65% आरक्षण को असंवैधानिक घोषित किया

21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने गजट प्रकाशित करवाया था

बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था. 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा. 21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया था. इसके बाद से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अतिपिछड़ा को 65 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल रहा था.

नीतीश कुमार के पास अब भी मौका

इस फैसले से सरकार को भले ही झटका लगा है, लेकिन नीतीश के पास अभी भी अपने फैसले को बरकरार रखने का मौका है. हालांकि इसके लिए उसे केंद्र सरकार के समर्थन की दरकार होगी. हाल ही में संपन्न हुए लोस चुनाव के दौरान विपक्षी दलों ने आरक्षण का मुद्दा उठाया था. विपक्ष ने आरोप लगाया था कि केंद्र में अगर नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा दो तिहाई की बहुमत से सरकार बनाने में सफल होती है, तो संविधान संशोधन कर आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा. हालांकि, पीएम मोदी खुद बार-बार इस बात को दोहराते रहे कि कोई भी आरक्षण को कभी भी खत्म नहीं कर सकता है. ऐसे में नीतीश सरकार को अब पटना हाईकोर्ट से जब झटका लगा है, तो उनके पास केंद्र सरकार के पाले में गेंद फेंकने का मौका है. नई सरकार में नीतीश कुमार की भूमिका भी अहम है, क्योंकि उनके 12 सांसद चुनाव जीत कर आए थे. ऐसे में वह आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर केंद्र पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं.

जानिए, किस वर्ग के आरक्षण में कितना इजाफा किया गया था

- एससी को दिए गए 16% आरक्षण को बढ़ाकर 20% किया गया था.
- **एसटी को को दिए गए 1% आरक्षण को बढ़ाकर अब 2% किया गया था.**
- ओबीसी को 12% को बढ़ाकर 18% और अति पिछड़ा को दिए गए 18% आरक्षण को बढ़ाकर 25% किया गया था.

क्या है नौवीं अनुसूची

संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कानूनों को अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती है. अब तक इस अनुसूची के तहत बने कानूनों की संख्या 284 हो गई है. 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत निर्धारित की थी. ऐसे में अगर आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार नौवीं अनुसूची को संसोधित करती है, तभी यह व्यवस्था स्थाई हो पाएगी.

झारखंड ने भी की थी मांग

छत्तीसगढ़ सरकार ने पीएम को पत्र लिखकर नौवीं अनुसूची में नौकरियों व संस्थानों में आरक्षण के 76% कोटे वाले दो संशोधन बिलों को शामिल करने की मांग की थी. पिछले साल नवंबर में झारखंड सरकार ने भी राज्य की नौकरियों में आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 77% कर दिया था और उसे प्रस्ताव को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी थी.

सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

हाईकोर्ट द्वारा बिहार आरक्षण कानून रद्द करने के फैसले पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी. बता दें कि पटना हाईकोर्ट के द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को बढ़ाने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिए जाने के बाद राज्य की सियासत गर्मा गई है. इस मामले पर राजद ने सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे को खटखटाने की बात कही है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं जाएगी, तो राजद सुप्रीम कोर्ट जाएगी.

नरसिंह इस्पात के कारनामे

फॉरेस्ट कंजरवेशन एक्ट का भी उल्लंघन किया !

रवि / दिलीप। रांची/चांडिल

सरायकेला के चौका-कांड्रा रोड स्थित नरसिंह इस्पात ना सिर्फ सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी है, बल्कि उसने फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट के उल्लंघन किया है. वन विभाग ने इस तरह के आरोपों की पड़ताल शुरू कर दी है. बताते चलें कि नरसिंह इस्पात ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से पर्यावरण स्वीकृति ली थी. बाद में कंपनी प्रबंधन ने वन विभाग की जंगल झाड़ी की जमीन पर कब्जा कर कंपनी का विस्तार कर लिया.

कंपनी ने नहीं की नुकसान की भरपाई : वन विभाग और प्रदूषण बोर्ड के मुताबिक, कंपनी ने अब तक पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई नहीं की है. वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान के तहत कंपनी को पौधरोपण, तालाब का निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग के साथ जानवरों के संरक्षण के उपाय करने थे. लेकिन अब तक कंपनी ने ऐसा कुछ भी नहीं किया है. इसके लिए कंपनी को कैंपा फंड में क्षतिपूर्ति की राशि जमा करनी थी. इस राशि का इस्तेमाल डीएफओ के स्तर से जानवरों के संरक्षण कार्य में किया जाता है.

टैक्स चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं हेमंत गोयल

नरसिंह इस्पात लिमिटेड के निदेशक हेमंत सोरेन टैक्स चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं. डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सेंट्रल एक्साइज इंटेलीजेंस (डीजीसीईआई) ने 10 फरवरी 2015 को उन्हें गिरफ्तार किया था. उन पर 10 करोड़ रुपये का टैक्स चोरी करने का आरोप है. जानकारी के मुताबिक सितंबर 2015 में डीजीसीईआई ने टैक्स चोरी की सूचना पर नरसिंह इस्पात के अलावा न्यू बाराद्वारी स्थित पुनीत इस्पात के कार्यालय और कंपनी के कोलकाता स्थित मुख्यालय में छापामारी की थी. जांच में खुलासा हुआ था कि हेमंत गोयल फर्जी दस्तावेज और कंपनियों के माध्यम से कारोबार कर रहे थे. कुल 10 करोड़ रुपये के टैक्स चोरी करने के आरोप में डीजीसीईआई ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

हेमंत गोयल

केजरीवाल को मिली बेल

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली की कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को गुरुवार को जमानत दे दी. विशेष जज न्याय बिंदु ने एक लाख के निजी मुचलके पर आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल को यह राहत दी. कोर्ट ने केजरीवाल के बेल आदेश पर 48 घंटे के लिए रोक लगाने का ईडी का आग्रह भी खारिज कर दिया. जज ने केजरीवाल की बेल प्ली पर दलीलें सुनने के बाद ये आदेश दिया. ट्रायल कोर्ट ने कहा कि शुक्रवार को बेल बॉन्ड को ड्यूटी जज के सामने पेश किया जाएगा. केजरीवाल शुक्रवार को बाहर निकल सकते हैं. माना जा रहा है ईडी केजरीवाल की रिहाई से पहले दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर सकती है, और निचली अदालत के आदेश पर रोक की मांग कर सकती है. मनी लॉन्ड्रिंग केस में केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था.

स्विस बैंकों में 70% घटा भारतीयों का जमा धन

एजेंसी। नयी दिल्ली/ज्यूरिख

स्विस बैंकों में और अन्य वित्तीय संस्थानों में भारतीयों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70% की गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर आ गया है. स्विट्जलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों के कुल धन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई है.

यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था. गिरावट का मुख्य कारण बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से रखे गये धन में तेज गिरावट है. आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा, ग्राहक जमा खातों में जमा राशि और भारत में अन्य बैंक शाखाओं के माध्यम से रखे गए धन में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है. ये स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं और ये स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गये बहुचर्चित कथित काले धन की मात्रा का संकेत नहीं देते हैं.

- चार साल के निचले स्तर 1.04 स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर पहुंचा

अवध में जाति आई है

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

निराला जी की एक प्रसिद्ध रचना है राम की शक्ति पूजा. वह रचना आज भी प्रासंगिक है. इसमें एक बिंब है. राम-रावण युद्धरत होते हैं. लेकिन कोई परिणाम नहीं निकलता. अमर रह गया राम-रावण के बीच अपराजेय समर. यह समर उस समय भी अनिर्णीत था और आज भी है. यह युद्ध उस समय भी मायावी था और आज भी है. उस समय भी वह युद्ध योगवादी और भोगवादी संस्कृति के मध्य था और आज भी है. अंतर सिर्फ इतना है कि उस युद्ध में रावण का तांडव रोकने में जब राम निरुपाय हो जाते हैं तो जामवंत उन्हें संबल प्रदान करते हैं और कहते हैं कि प्रभु ! लंबी लड़ाई में कभी-कभी ऐसा होता है. आप शक्ति की आराधना कीजिए. उनकी बात मानकर राम शक्ति की पूजा करते हैं और रावण को परास्त करते हैं. लेकिन आज के समर में कोई जामवंत सरीखा नहीं दिखता जो मोदी के व्यथित मन को संबल प्रदान कर सके.

अपने इसी स्तंभ में मैंने लोकसभा चुनाव शुरू होते ही लिखा था कि यह समर मायावी होगा. हुआ भी वैसा ही. भाजपा के साथ राम तो थे, लेकिन न शक्ति थी और न भील, वानर, रीछ, भालू थे और न ही जामवंत जैसा सलाहकार था. भाजपा के साथ धर्म तो था, लेकिन जातीय समन्वय नहीं था. उसे भरोसा या अहंकार था कि राम के रहते उसे कौन हरा पायेगा. लेकिन भाजपा यह भूल गयी कि चुनाव में जातियां तब निस्तेज होती हैं, जब राष्ट्रवाद का आवेग और धर्म का संवेग प्रबल होता है. फरवरी में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद परिवेश को चुनाव तक राममय बनाने के लिए उसने कुछ किया ही नहीं. उसने राष्ट्र की सुरक्षा को भी प्रमुख मुद्दा नहीं बनाया. इसलिए चुनाव की सरगर्मी में जातियां टहक गयीं और लावा बनकर बहने लगीं. संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने और नकदी की गारंटी ने उसे प्रलयंकारी बना दिया. उसे भाजपा निचले स्तर पर रोक सकती थी, लेकिन कार्यकर्ता निष्क्रिय थे, संगठन खुशफहमी में था और बड़े नेता मुगालते में थे. उन्हें लग रहा था कि उनका विजय रथ कोई रोक ही नहीं सकता. टिकट तो ऐसे बांटे गये जैसे अंधा रेवड़ियां बांट रहा हो. उत्तरप्रदेश में योगी जी ने 35 सांसदों के टिकट काटने को कहा था. लेकिन अमित शाह शायद एक पत्रकार या उसकी पसंद की किसी एजेंसी से सर्वे कराये बैठे थे. सबको टिकट दे दिया. उनमें से 29 हार गये. ये सांसद अपने क्षेत्र में अलोकप्रिय थे. वे मोदी के सहारे थे और योगी को कुछ समझते ही नहीं थे. जहां टिकट काटे गये, वहां भी पैरवी पुत्रों को लड़ा दिया गया या दूसरी पार्टी से आये नेताओं को उतार दिया गया. इससे कार्यकर्ता उदास हो गये और टिकट की आस संजोये नेता घर बैठ गये.

इसी स्तंभ में टिकट बंटवारे पर मैंने कुछ प्रत्याशियों का जिक्र करते हुए टिप्पणी की थी. उनमें अयोध्या से लल्लू सिंह का भी जिक्र था. अब वह हार गये हैं तो कहा जा रहा है कि राम भी भाजपा से विमुख हो गये हैं. ऐसा कहने-सोचने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि कारसेवकों पर गोलियां चलवाकर और आडवाणी जी को गिरफ्तार करके भी मुलायम व लालू जीते थे. बाबरी ढांचा ध्वंस के बाद भी कल्याण सिंह जैसे नेता की अगुवाई में भाजपा बहुमत नहीं पा सकी थी. भाजपा तब जीतने लगी जब उसने सामाजिक समीकरण दुरुस्त किया और चेहरा तथा पैरवी के बदले संगठन में रचे-खपे नेताओं को आगे बढ़ाना शुरू किया. मोदी-शाह के परम प्रिय पुरुषोत्तम रुपाला ने चुनाव के बीच ही इतिहास से गड़े मुर्दे उखाड़कर राजपूतों को बिदका दिया. उसकी लपट पूरे पश्चिम में पसर गयी.

- शेष पेज 7 पर

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की वेबसाइट से 25 जून से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 30 को, दो खंडों में लिया जाएगा एग्जाम

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 30 जून को होगी. इसका प्रवेश पत्र 25 जून से झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की वेबसाइट से डाउनलोड होगा. इसके साथ ही जैक ने नेतरहाट और इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के साथ राज्य में संचालित मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा की तिथि भी जारी कर दी है.

इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा छह जुलाई को : नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर संताल परगना व कोल्हान प्रमंडल में संचालित

आवासीय विद्यालय व इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हजारीबाग में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा छह जुलाई को होगी. प्रवेश पत्र 27 जून से डाउनलोड होगा. विद्यालय में कक्षा छह के लिए नामांकन लिया जायेगा.

मॉडल स्कूल में प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को

- राज्य में केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर संचालित 89 मॉडल स्कूल में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को होगी, जबकि प्रवेश पत्र 27 जून से डाउनलोड होगा.
- **मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृति के लिए कैसा होगा पैटर्न,वेबसाइट में मिलेगी जानकारी**
- मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 9 से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थी कर सकते हैं
- **छात्रों को अपनी पिछली कक्षा में 60 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है**
- स्कॉलरशिप लेने वाले बच्चे अगर सरकारी स्कूल के आवासीय विद्यालय में पढ़ते हैं तो उन्हें छात्रवृत्ति की 50% ही राशि मिलेगी.
- **परीक्षा दो खंडों में आयोजित की जाएगी. प्रत्येक खंड 90 मिनट का होगा और सारे सवाल एमसीक्यू होंगे.**
- परीक्षा में रिजनिंग, इंग्लिश व प्रोफिशिएंसी से सवाल पूछे जाएंगे.
- **नेतरहाट और इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय की परीक्षा के लिए कैसा होगा पैटर्न**
- परीक्षा कुल 200 अंकों की होगी.
- **गणित, सामाजिक अध्ययन/सामान्य ज्ञान व सामान्य विज्ञान, भाषा व मानसिक योग्यता विषय से सवाल पूछे जाएंगे.**
- परीक्षा दो पाली में संचालित की जाएगी.
- **इन स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए आपको झारखंड का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है.**
- आवेदकों की उम्र 10 वर्ष से कम और 12 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए.
- **आवेदन करने वाला उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी शिक्षण संस्थान पांचवीं की परीक्षा पास होना अनिवार्य होगा.**

झारखंड पुलिस के जवानों के भी बनेंगे स्मार्ट कार्ड

संवाददाता। रांची

भारतीय सेना की कैंटीन की तर्ज पर झारखंड पुलिस भी अपने जवानों के लिए स्मार्ट कार्ड बनाने जा रही है. अब जवान पुलिस कैंटीन में स्मार्ट कार्ड के जरिये भी खरीददारी कर पायेंगे. स्मार्ट कार्ड पर खरीदारी सिर्फ पुलिस वाला या फिर उसका परिवारिक सदस्य ही कर सकता है. नई स्कीम के तहत कार्ड जारी होने के बाद जीएसटी में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी. इसको लेकर आईजी मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को पत्र भेजा है. लिखे पत्र में कहा गया है कि राज्य के सभी पुलिसकर्मियों को केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार की कैंटीन का कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है. यह कार्ड किसी भी कैंटीन में वैध होगा.

कर्मी लिमिट से ज्यादा नहीं ले पाएंगे सामान

कैंटीन से सामान खरीदते समय स्मार्ट कार्ड लेकर आना जरूरी होगा. इसी कार्ड के आधार पर सामान मिलेगा. इसमें सामान खरीदने की सीमाएं व रेट दोनों तय होगी. उनको उतना ही सामान मिलेगा, जितना केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार तय करेगा. अच्छी बात यह है कि कर्मचारियों को कैंटीन कार्ड जारी होने के बाद जीएसटी में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी. अब तक पुलिसकर्मी जो सामान महंगे दाम पर खरीदते थे, वह जीएसटी छूट के बाद काफी हद तक सस्ता हो जायेगा. कई और तरह की छूट भी मिलेंगी. प्रदेश के 40 हजार पुलिसकर्मियों को स्मार्ट कार्ड का फायदा होगा.

ब्रीफ खबरें

माननीयों की वेतन वृद्धि पर मरांडी ने जताई आपत्ति

रांची। माननीयों की वेतन वृद्धि पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आपत्ति जताई है. सोशल मीडिया में लिखा है कि कि सरकार के पास पैसों की कमी सिर्फ गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए रहती है. जहां मुख्यमंत्री जी को महीने के 80,000 रुपये, मंत्री और राज्यमंत्री को 65,000 रुपये व विधायकों को 40,000 रुपये कम पड़ जाते हों, वहीं झारखंड की आम जनता के भविष्य और जीवन यापन के लिए सरकार के पास आना भी नहीं है. झारखंड की जनता जानना चाहती है कि जब बात खुद के इंतजाम की आती है तो इतने पैसे सरकार के किस बटुए में आ जाते हैं. सरकार के आंगन में लगा वो कौन सा पैसों का पेड़ है जो सत्ताधारियों/जन प्रतिनिधियों के लिए ही धन की वर्षा करता है कि सभी के वेतन में 20,000 रुपये का इजाफा कर दिया जाता है

राष्ट्रपति के जन्मदिन पर सीएम ने दी बधाई

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्म दिन पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने उन्हें बधाई दी है. मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं व जोहार. मरांगबुरु से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं. कल्पना सोरेन ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन पर अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं. मरांगबुरू आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे, यही कामना है.

यूएपी एक्ट से जुड़े केस की डाटा इंट्री की समीक्षा

रांची । यूएपी एक्ट (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) से संबंधित कांडों में आई-एमओटी पोर्टल पर डाटा इंट्री को लेकर समीक्षा बैठक हुई. यह बैठक गुरुवार को आईजी अभियान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी. इस बैठक में जिला के एसपी और होमगार्ड एसपी शामिल हुए. गौरतलब है कि पिछले साल डीजीपी अजय कुमार सिंह ने यूएपी एक्ट के तहत अभियोजन स्वीकृति प्रस्ताव तैयार करने के लिए आवश्यक गाइडलाइन जारी की थी. डीजीपी द्वारा जिला के एसपी को निर्देश जारी कर कहा गया था कि एक्ट के तहत भेजे जानेवाले अभियोजन स्वीकृति के लिए प्रस्ताव में एकरूपता लाने के लिए एक चेक लिस्ट तैयार की गयी है. सभी एसपी को निर्देश दिया गया है कि एक्ट के तहत भेजे जा रहे अभियोजन स्वीकृति के प्रस्ताव की जांच कर ली जाए.

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जेबीवीएनएल ने शुरू किया योजना बनाने का काम

15 अगस्त को सीएम चंपाई लांच कर सकते हैं 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम

2225 करोड़ सालाना बढ़ेगा सरकार पर बोझ, यह राशि सरकार जेबीवीएनएल को सब्सिडी के तौर पर देगी

कौशल आनंद। रांची

चंपाई सरकार का मास्टर स्ट्रोक कहे जाने वाला 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम 15 अगस्त को लांच किया जा सकता है. मुख्यमंत्री 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस योजना को शुरू करने की घोषणा कर सकते हैं. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जेबीवीएनएल इसको लेकर प्रस्ताव बनाने में जुट गया है. एक से डेढ़ महीने के अंदर जेबीवीएनएल को इसका प्रस्ताव बनाकर ऊर्जा विभाग को सौंप देना है. इसे सरकार का सबसे बड़ा चुनावी मास्टर स्ट्रोक के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इसके दायरे में राज्य के करीब 40 लाख से अधिक कंज्यूमर आ जाएंगे.

जेबीवीएनएल को होने वाले नुकसान की राशि सरकार सब्सिडी के तौर पर देगी : जेबीवीएनएल से मिली जानकारी के अनुसार 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम को जेबीवीएनएल को जहां सालाना करीब 2225 करोड़ का नुकसान होगा. वहीं सरकार पर इतनी राशि का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. क्योंकि सरकार यह राशि जेबीवीएनएल को सब्सिडी के तौर पर देगी.

200 यूनिट से अधिक की खपत पर अभी इस प्रकार मिल रही है सब्सिडी

- वर्तमान में 101 से 200 यूनिट खपत करने वाले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 2.75 रुपये की सब्सिडी मिल रही है.
- 201 से 400 यूनिट तक इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को 2.05 रुपये प्रति यूनिट की सब्सिडी मिल रही है.
- 400 यूनिट से अधिक के खपत पर कोई सब्सिडी नहीं है.

ओबीसी आयोग अध्यक्ष और विधायक प्रदीप मिले सीएम से

जातिगत गणना के लिए जताया आभार

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद महतो व विधायक प्रदीप यादव ने मुलाकात की. इन्होंने सरकार द्वारा 19 जून को मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के भीतर जाति आधारित जनगणना कराए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री को बधाई दी तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया. यह मुलाकात प्रोजेक्ट भवन में हुई.

40 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार ने 100 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की थी. इसके बाद पुनः चंपाई सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए 125 यूनिट कर दिया. एक बार फिर से इसे बढ़ाते हुए 200 यूनिट किया जा रहा है. वर्तमान में कुल 29.15 लाख कंज्यूमर इसका लाभ उठा रहे हैं. अब इसका दायरा 200 यूनिट तक होने के बाद इसक लाभ करीब राज्य के 40 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा. वर्तमान में करीब 53 लाख कंज्यूमर पूरे राज्य में हैं. यानि कि 90 प्रतिशत कंज्यूमर इसके दायरे में आ जाएंगे. इसलिए इसे चंपाई सोरेन सरकार का मास्टर स्ट्रोक स्कीम भी कहा जा रहा है.

सरकार विभिन्न स्लैब में सब्सिडी दे रही : वर्तमान में 200 यूनिट से अधिक खपत करने वाले कंज्यूमरों को सरकार विभिन्न स्लैब में सब्सिडी दे रही है. अब इस पर विचार चल रहा है कि यह सब्सिडी जारी रखा जाए या नहीं. अगर 200 यूनिट से उपर के खपत पर पूर्व से जारी सब्सिडी को खत्म करने का निर्णय सरकार करती है तो विरोध का सामना करना पड़ सकता है. इसलिए इस बात की संभावना अधिक है कि पूर्व से जारी सब्सिडी चालू रहे. जानकारी के अनुसार सरकार 0-200 यूनिट तक के खपत वाले सब्सिडी स्लैब को हटा सकती है, क्योंकि जब 200 यूनिट तक फ्री हो जाएगा तो फिर अलग से इस स्लैब पर सब्सिडी देने का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा.

पेयजल सचिव व नगर आयुक्त को हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

संवाददाता। रांची

रांची के जलस्रोतों के संरक्षण और रांची के तीन डैमों की साफ-सफाई और अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान बुधवार के आदेश के आलोक में पेयजल विभाग के सचिव और रांची नगर निगम के नगर आयुक्त कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए. अदालत ने उनसे पूछा कि शहर में पीने के पानी में गंदगी पर हाईकोर्ट से पहले विभाग का ध्यान क्यों नहीं जाता? कोर्ट के संज्ञान के बाद ही विभाग क्यों जागा ?इसके साथ ही अदालत ने दोनों अधिकारीयों को फटकार लगाते हुए अगली सुनवाई के दौरान दोबारा कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया. साथ ही कोर्ट ने नगर विकास विभाग के सचिव को भी ने अगली सुनवाई में अदालत के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया.

झारखंड सिविल सोसाइटी ने दाखिल की है जनहित याचिका

कोर्ट ने गुरुवार को नगर आयुक्त और पेयजल विभाग के सचिव से पूछा कि बड़ा तालाब और डैमों की सफाई के लिए लॉन्ग टर्म प्लान क्या है तो दोनों अधिकारियों ने अदालत को बताया कि इसके लिए कई एजेंसियों से विचार विमर्श किया जा रहा है और इसमें नगर विकास विभाग की भी भूमिका है. नगर विकास विभाग जब तक सीवरेज का काम पूरा नहीं करेगा, तब तक जलाशयों को स्वच्छ रखने में दिक्कत होगी. जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई में नगर विकास विभाग के सचिव को भी हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया. इस संबंध में झारखंड सिविल सोसाइटी की ओर से जनहित याचिका दाखिल की है.

11वीं जेपीएससी मुख्य परीक्षा का रास्ता साफ

रांची । 11वीं जेपीएससी की मुख्य परीक्षा (मेंस) का रास्ता साफ हो गया है. दरअसल 11वीं जेपीएससी की परीक्षा के बाद आयोग द्वारा संशोधित मॉडल आंसर जारी किया गया था. संशोधित मॉडल आंसर जारी होने के बाद आयोग ने रिजल्ट भी जारी कर दिया था. जिसपर आपत्ति जताते हुए जया कुमारी, सिद्धार्थ सौरभ, विवेक गुप्ता, ध्रुव कुमार वअन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. जिन अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी वह परीक्षा में असफल रहे थे. प्रार्थियों की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया.

विस नियुक्ति घोटाला: हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

रांची। झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. अब अदालत क्या फैसला सुनाता है, यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा. गुरुवार को राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अपनी बहस पूरी की. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है.

टूरिस्ट कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार टूरिस्ट कॉरिडोर के जरिये आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की कावयद शुरू कर दी है. इसका खाका तैयार किया जा रहा है. राज्य में होली टूरिस्ट कॉरिडोर के निर्माण में राज्य सरकार 1020 करोड़ रुपये खर्च करेगी. होली टूरिस्ट कॉरिडोर निर्माण के पीछे राज्य सरकार का तर्क है कि कॉरिडोर के निर्माण से तीर्थ स्थलों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा. जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना को मंजूरी दे सकती है. इस योजना के जरीए तीर्थ स्थलों की सूरत बदल जाएगी.

झारखंड में ऐसा होगा होली टूरिस्ट कॉरिडोर

- रांची से रजरप्पा, लुगुबुरु-घंटाबाड़ी, मधुबन-गिरिडीह होते हुए बाबा धाम तक जाएगी. रांची से ओरमांझी, गोला, रजरप्पा, लुगुबुरू पहाड़ी, डुमरी, मधुबन मोड़, बुढ़ई होते हुए देवघर तक 201 किमी का होली टूरिस्ट कॉरिडोर का निर्माण होगा.
- **इस कॉरिडोर में रजरप्पा, लुगुबुरू, पारसनाथ और देवघर जैसे धार्मिक स्थल जुड़ सकेंगे, जिसमें सनातन, सरना और जैन तीर्थ स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान बनेगी.**
- इस कॉरिडोर के निर्माण से गिरिडीह से रांची की दूरी 138 किमी हो जाएगी. यह योजना चार धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए बाबाधाम पहुंचने की है.
- **201 किलोमीटर में करीब 31 किमी की सड़क बनी हुई है. बाकी 170 किमी की सड़क पर चंपाई सोरेन की सरकार ने निर्माण के लिए हामी भर दी है.**

सभी निकाय जलजमाव की रोकथाम करने के उपाय हर हाल में करें

नालियों की तलहटी को साफ करायें

खास बातें

- पेयजल व सिवरेज की चालू योजनाओं को गति मिलेगी
- जेई की नियुक्ति से निकायों के कार्यों में आयेगी तेजी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के सभी शहरी निकायों में मॉनसून के मद्देनजर नाले नालियों की सफाई कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाना प्राथमिकता होगी. साथ ही सभी निकायों में जलजमाव की समस्या के रोकथाम के उपाय किये जायेंगे. इसके लिए निकायों के अधिकारियों को प्रभार ग्रहण करने के साथ ही निर्देश भी जारी कर दिया गया है. गुरुवार को नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने प्रभार ग्रहण करने के बाद कहीं. उन्होंने कहा कि पेयजलापूर्ति एवं सिवरेज संबंधी चालू योजनाओं को गति प्रदान कर उसका लाभ आमजनता को दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी. इसकी जल्द ही समीक्षा की जायेगी.राजकमल ने कहा कि नगर विकास से संबंधित दीर्घावधि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सुधारात्मक निर्णय लेकर सकारात्मक पहल की जायेगी.

अरवा राजकमल.

पोखर-तालाब की साफ सफाई कराने का निर्देश

सचिव ने कहा कि विभाग को नये कनीय अभियंताओं के पदास्थापन से विकास कार्यों के लिए बल मिला है. उन्हें प्रशिक्षित कर नगर स्तर पर होने वाले कार्यों की जवाबदेही सौंपी जायेगी. इससे स्थानीय स्तर के कामों में तेजी आयेगी. नगर विकास विभाग के कार्यों में अन्य विभागों के साथ संबंध रहता है. इसके लिए दूसरे विभागों के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं में तेजी लायी जायेगी. रांची पेयजलापूर्ति योजना फेज -एक के तहत राइजिंग पाइप बिछाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की तलाश का काम चल रहा है. निकायों के अधीन जो भी पोखर तालाब हैं उनकी सफाई और सुरक्षा का निर्देश जारी कर दिया गया है. साथ ही अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का भी निर्देश दिया गया है.

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड

आरोपी शेषनाथ सिंह को मिली बेल

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री राजा पीटर के बॉडी गार्ड शेषनाथ सिंह को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है. इससे पहले हाईकोर्ट से पूर्व मंत्री राजा पीटर को भी बेल मिल चुकी है. शेषनाथ सिंह पर पूर्व मंत्री और तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा की हत्या में संलिप्तता का आरोप है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ में शेष नाथ की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. शेषनाथ सिंह की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अजय शाह और अंकित विशाल ने बहस की.

9 जुलाई 2008 को स्कूल के कार्यक्रम के दौरान रमेश सिंह मुंडा की हुई थी हत्या : बता दें कि बुंडू के एसएस हाई स्कूल में 9 जुलाई 2008 को एक समारोह था. इसमें पूर्व मंत्री और तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे. समारोह में छात्रों को सम्मानित करने और पुरस्कार देने के बाद वे कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उसी समय कुंदन पाहन दस्ते के नक्सलियों ने स्कूल में आकर फायरिंग करनी शुरू कर दी. इसमें रमेश सिंह मुंडा, उनके दो सरकारी बॉडीगार्ड शिवनाथ मिंज और खुर्शीद आलम सहित एक छात्र रामधन पातर की मौत हो गयी थी. इसको लेकर बुंडू थाना में मामला दर्ज किया गया था. रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड की बाद में एनआईए ने मामले की जांच की. कुंदन पाहन के सरेंडर करने के बाद उससे पूछताछ के दौरान इसमें राजा पीटर का नाम आया था.

क्लासिफाइड

आंदोलन | दूसरे दिन भी कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर किया विरोध -प्रदर्शन

अब आर-पार के मूड में झारखंड सचिवालय सेवा संघ

खास बातें

- सरकार सकारात्मक पहल नहीं की तो होगा उग्र प्रदर्शन
- 15 दिनों से आंदोलन को लेकर एकजुट हैं कर्मी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सचिवालय सेवा के सभी पदाधिकारियों ने गुरुवार को अपनी मांगों के समर्थन में प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस सचिवालय सहित एफएफपी भवन एमडीआई भवन में पदाधिकारियों ने काला बिल्ला लगाकर सचिवालय में कार्य करते हुए प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन पिछले 15 दिनों से चल रहे आंदोलन का हिस्सा है, जिसमें पदाधिकारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं.

काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन करते सचिवालय सेवा के कर्मचारी.

उग्र प्रदर्शन करने की दी चेतावनी : झारखंड सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद और महासचिव श्री सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा, हम काला बिल्ला के साथ कार्य करते हुए सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि हमारी मंशा कार्य में बाधा पहुंचाने की नहीं है, परंतु कार्मिक विभाग के कुछ पदाधिकारी, जो लगातार संघ के सदस्यों के हितों के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं, के कारण संघ के पदाधिकारियों में रोष व्याप्त है. अगर सरकार इसके बाद भी कोई सकारात्मक पहल नहीं करती है तो संघ बाध्य होकर उग्र प्रदर्शन भी करेगी. हम सरकार से अपील करते हैं कि वे हमारी मांगों पर ध्यान दें और शीघ्र अति शीघ्र उचित कदम उठाएं ताकि सचिवालय सेवा के पदाधिकारी अपने कार्य को पूरी तत्परता और बिना किसी अवरोध के कर सकें.

क्या हैं संघ की प्रमुख मांगें

- संयुक्त सचिव और उप सचिव के अतिरिक्त पदों का सृजन
- सेवा के पदाधिकारियों की प्रोन्नति में कार्मिक विभाग का संकल्प संख्या 3286, दिनांक 4 अप्रैल 2014 को पूर्णतः लागू करना
- झारखंड सचिवालय सेवा के प्रशाखा प्रदाधिकारी, अवर सचिव तथा उच्चतर पदों पर शीघ्र प्रोन्नति
- सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों को नियमित नियुक्ति के माध्यम से शीघ्र भरना

झारखंड में जातीय जनगणना का निर्णय क्रांतिकारी : बंधु तिर्की

रांची। झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने राज्य में जातीय जनगणना करवाने का सरकार का निर्णय सराहनीय कदम बताया. श्री तिर्की ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानेवाली इस जनगणना से प्राप्त होनेवाले निष्कर्ष प्रभावी नीति-निर्धारण में महत्वपूर्ण सहायता होगी. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भेजे गये एक पत्र में श्री तिर्की ने सरकार के इस बहुप्रतीक्षित निर्णय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके पश्चात उपेक्षित जातियों के लोगों का शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव हो सकेगा,

तापमान
33.4° अधिकतम | 21.6° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in
रांची, शुक्रवार 21 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 15 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 73
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

थानेदार पर आदिवासी युवकों को पीटने का आरोप

रांची। खरसीदाग ओपी प्रभारी पर थाना में बुलाकर आदिवासी युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है. इसको लेकर विकास मुंडा और दीपक मुंडा नाम के दो युवक ने सीएमओ में लिखित शिकायत की है. कहा है कि 19 जून को थाना के बड़ा बाबू ने फोन कर थाना पर पूछताछ करने की बात कह कर बुलाया. जब थाना पहुंचे, तो थाना प्रभारी और मुंशी ने डंडा और लात-घूंसे से दोनों की पिटाई की. जबरन लालखटंगा पोखर में हुए कांड का गुनाह अपने ऊपर लेने का दबाव बनाया. इसके बाद धमकी देते हुए शाम में छोड़ दिया.

पीएफ खाता धारकों को मिलेगा 7.1% ब्याज

रांची। राज्य के पीएफ खाता धारकों को राज्य सरकार ने तोहफा दिया है. इसके तहत झारखंड सरकार के वित्त विभाग ने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी वर्षों के लिए स्वीकृत ब्याज दरों को लागू करने का आदेश जारी कर दिया है. इस अनुसार, झारखंड के सामान्य भविष्य निधि अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दिये जाने वाले ब्याज की दर केंद्र सरकार के अनुरूप होगी. वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक ब्याज की दर 7.1% स्वीकृत की गयी है. झारखंड सरकार के पेंशन एवं लेखा निदेशालय ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

गुजरात की महिला ने रांची में की आत्महत्या

रांची। गुजरात की एक महिला ने रांची में आत्महत्या कर ली. यह घटना गुरुवार को पंडरा में घटी. यहां गुजरात की रहने वाली पूजा कुमारी नाम की महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी. महिला ने पिछले साल दिसंबर माह में शादी की थी. इसके बाद से पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित देवी मंडप रोड में रह रही थी. घटना की जानकारी महिला के परिजनों को दे दी गयी है. वहीं, पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच की है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण की जानकारी सामने आ पाएगी.

रांची शहर, कांके समेत नौ सीओ को शो कॉज

रांची। जिले के कई अंचल आधिकारी (सीओ) म्यूटेशन के मामले निष्पादित करने में सुस्त हैं. जिले के उपायुक्त राहुल सिन्हा ने नाराजगी जाहिर करते हुए नौ सीओ को शो कॉज किया है. इन सभी को दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है. जिन अंचल अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें रातू, मांडर, नामकुम, कांके, हेहल, रांची शहर, बड़गाईं, ओरमांझी व अरगोड़ा के सीओ शामिल हैं. इस बाबत पत्र जारी किया गया है. डीसी की ओर से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि समीक्षा क्रम में पाया गया है कि अंचल में काफी सारे म्यूटेशन के मामले लंबित है. यह सुस्ती-लापरवाही को दर्शाता है.

आधे घंटे की बारिश में राजधानी की सड़कें जलमग्न

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में दूसरे दिन भी गुरुवार की शाम आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई. बारिश से लोगों को गर्मी से तो राहत मिली, पर निगम की मॉनसून पूर्व तैयारी की भी पोल खुल गई. हरमू रोड सहित कई जगह सड़कें जलमग्न हो गईं. इस दौरान हरमू बायपास रोड होते हुए सीएम चंपाई सोरेन का काफिला गुजरा. हरमू रोड में भी जलजमाव की स्थिति थी. बहरहाल, इसी जलमग्न सड़क से सीएम के काफिल को गुजरना पड़ा.

मौसम विभाग ने जारी किया था अलर्ट : आधे घंटे की बारिश के बाद हरमू रोड में जलमग्न सड़क पर गाड़ियों के आधे डूबे हुए थे. बता दें कि राजधानी में मौसम में बदलाव से पहले शाम 4:30 बजे मौसम केंद्र ने अलर्ट जारी किया कि रांची शहर में अगले तीन घंटे के दौरान तेज बारिश होगी. वज्रपात की भी प्रबल संभावना जताई गई थी. वहीं, हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की आशंका जताई गई थी.

जलमग्न सड़क पर रेंगते वाहन. फोटो : रमीज

जलजमाव के बीच गुजरता सीएम का काफिला

शहर की बत्ती गुल

विशेष संवाददाता। रांची

तेज हवाओं के साथ वज्रपात और मूसलाधार बारिश ने गुरुवार को शहर की बत्ती गुल कर दी. कई जगहों पर बिजली तारों पर पेड़ और पेड़ की डाल गिरने से रांची शहर के मौजूद 10 फीडरों से दो से तीन घंटे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई. देर शाम झमाझम बारिश होने के कारण मरम्मत कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा और राहत कार्य में विलंब हुआ. इससे लोग परेशानी रहे और बड़े इलाके में घंटों अंधेरा पसरा रहा.

न्यू कैपिटल डिवीजन अंतर्गत सर्किट हाउस फीडर, पहाड़ी फीडर, 33 केवी हटिया-राजभवन लाइन, राजभवन-कांके लाइन लाइटनिंग के कारण ट्रिप कर गई. इन इलाकों में एक से दो घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही. रांची सेंट्रल डिविजन अंतर्गत कडरू में पेड़ गिरने के कारण अशोक नगर फीडर से आपूर्ति ठप हो गई. वहीं, अरगोड़ा में मेघगर्जन के साथ ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ने से अतिरिक्त एक घंटे बिजली बंद रही. अशोक नगर फीडर में देर शाम तक मरम्मत कार्य जारी रहा. डोरंडा में फ्यूज उड़ने से कई ट्रांसफार्मरों से बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसे आधे से एक घंटे के अंतराल में दुरुस्त कर लिया गया. कोकर डिविजन अंतर्गत करम टोली क्षेत्र में लाइन ब्रेक डाउन हो गया था. यहां पेड़ की डाल बिजली तार पर गिर गई थी. वहीं हरिओम टावर के समीप पेड़ गिर जाने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी. नामकुम जोरार बस्ती में ब्रेक डाउन होने से दो से तीन घंटे बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित रही.

जगन्नाथपुर रथ यात्रा में मेला के ठेका के लिए लगेगी बोली

प्रमुख संवाददाता। रांची

जगन्नाथपुर रथ यात्रा में मेला लगाने वाले वेंडर के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. छह जुलाई से 17 जुलाई तक रथ मेला का आयोजन होना है. जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि छह से 17 जुलाई तक के लिए मंदिर के आस-पास 41.27 एकड़ भूमि मेला के लिए उपलब्ध है.

आवेदक निविदा में भाग लेने से पहले या आवेदन भरने से पहले मेला परिसर का समुचित निरीक्षण कर लें. आवेदक को प्रोपराइटरशिप, पार्टनरशिप फर्म, कंपनी, एलएलपी या ट्रस्ट व सोसाइटी के रूप में निबंधित होना चाहिए. साथ ही पिछले तीन वर्षों के आयकर रिटन की फोटो कॉपी भी देना अनिवार्य है.

न्यूनतम बोली 31 लाख रुपये से शुरू होगी : मेला का ठेका लेने के लिए न्यूनतम बोली 31 लाख रुपये से शुरू होगी. सबसे ऊंची बोली लगाने वाले मेला वेंडर को सफल घोषित किया जाएगा. उसे खुद या अपने अंतर्गत विभिन्न दुकानदारों द्वारा मेला में झूला, दुकान, बाजार इत्यादि लगाने की अनुमति अपने स्तर से देने का अधिकार दिया जाएगा. इस पर समिति की निगरानी होगी. ठेका लेने वाले का दायित्व होगा कि मेला परिसर में सीसीटीवी एवं अन्य लाइट की समुचित व्यवस्था करे. साथ ही उनके द्वारा आवंटित दुकान या स्टॉल रथ के मार्ग से तय दूरी के बाद ही लगाया जाए.

ठेका में भाग लेनेवाले को देना होगा 1.55 लाख का बैंक ड्राफ्ट : ठेका में भाग लेनेवाले निविदादाता को आवेदन के साथ एक लाख पचपन हजार रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के नाम से देना होगा. सफल निविदादाता को तीन दिन के अंदर कुल राशि का 50 प्रतिशत ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना होगा. साथ ही साथ शेष 50 फीसदी राशि के लिए बैंक गारंटी भी देनी होगी. मेला समाप्ति, यानी 17 जुलाई तक शेष 50 प्रतिशत राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी, अन्यथा बैंक गारंटी के माध्यम से समिति शेष राशि बैंक से प्राप्त कर लेगी.

31 लाख रुपए से शुरू होगी बोली

फैक्ट फाइल

- निविदा प्रकाशन की तिथि : 20 .06 .2024
- निविदा आमंत्रण पत्र जमा करने की तिथि 21 .06 .2024 से 27 06 .2024 दोपहर 12 बजे तक
- निविदा खोलने की तिथि : 27 .06 .2024 (अपराह्न तीन बजे)

क्या जगन्नाथपुर मेले की रौनक खत्म कर देगा टेंडर ?

पिछले साल 75 लाख में आरएस इंटरप्राइजेज ने लिया था टेंडर

शुभम किशोर। रांची

इस वर्ष सात जुलाई से रांची के धुर्वा में ऐतिहासिक जगन्नाथ मेला लगने वाला है. इसे मेले ने झारखंड के विभिन्न विचारधाराओं को जोड़ने का काम किया है और 332 वर्ष से झारखंड का जीवन चक्र भी इससे जुड़ा रहा है. मंदिर के आस-पास 41.27 एकड़ भूमि में मेले से हर साल करोड़ों का कारोबार होता है. झारखंड समेत आसपास के कई राज्य से कारोबारी यहां आते हैं और मेला में अपनी दुकान लगाते हैं. इन दुकानदारों की वजह से ही मेला की शोभा बढ़ती है. पिछले साल की तरह इस साल भी मेले का टेंडर जारी किया गया है. इस साल मेला का ठेका लेने के लिए न्यूनतम बोली 31 लाख रुपए से शुरू होगी. सबसे ऊंची बोली लगाने वाले मेला वेंडर को सफल घोषित किया जायेगा. जो वेंडर सफल होगा, वो अपने स्तर से विभिन्न दुकानदारों द्वारा मेला में झूला, दुकान, बाजार लगाने की अनुमति देगा और इसके लिए उनसे तय रकम लिया जाएगा.

पिछले साल 75 लाख की लगी थी सबसे ऊंची बोली : पिछले साल भी टेंडर प्रक्रिया से मेला का ठेका दिया गया था. इसमें आरएस इंटरप्राइजेज ने 75 लाख की सबसे ऊंची बोली लगा कर टेंडर हासिल किया था, जिसके बाद आरएस इंटरप्राइजेज द्वारा मेला में दुकान लगानेवाले दुकानदारों से मनमाने तरीके से पैसे की वसूली की गई. इससे दुकानदार नाराज भी दिखे थे. दुकानदारों का कहना था कि पहले चंदा के रूप में कुछ रकम ली जाती थी, लेकिन इस साल मोटी रकम वसूली गई. पूरा दिन-रात मेहनत करने के बाद भी बचत न के बराबर हुआ. दुकानदारों ने कहा था कि अगर इस तरह की स्थिति रही, तो दुकान नहीं लगाएंगे.

व्यवसायिकता खत्म कर देगी मेले की रौनक : मेले की रौनक यहां मिलने वाले पारंपरिक सामान हैं, जो आम तौर पर जल्दी नहीं मिलते हैं. टेंडर होने से वोकल फॉर लोकल पर भी चोट है. इससे मेले में हस्तकरघा, पारंपरिक झारखंड की औषधि और वन उत्पाद, सूप-दौरा, टोकरी और बांस के दुकानों में पिछली बार कमी देखने को मिली थी, क्योंकि उन दुकानदारों से अधिक वसूली की गई थी. पिछले साल कई सामाजिक लोगों ने कहा था कि अगर मेले के इतिहास को बचाना है, तो व्यवसायीकरण बंद करना होगा.

पिछले साल 3000 से अधिक दुकानें लगी थीं

पिछले साल 3000 से अधिक दुकान और लगभग 80 झूले लगाए गए थे. इसके अलावा फुटपाथ और फेरिवाले अगल थे. दुकानदारों से उनके दुकान के साइज के अनुसार 2 हजार से 40 हजार रूपये तक की वसूली हुई थी. मौसीबाड़ी क्षेत्र में 1500 से 2000 रुपये रनिंग फिट, मध्य विद्यालय के पीछे फील्ड में 1000 रुपये रनिंग फीट, झूला में परसेंटेज, ठेला वालों से 3000 से 20000 रुपये और फेरी वालों से 50 से 300 रुपये प्रतिदिन तक कि वसूले गए थे.

पलामू से गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट हुआ अमन साहू

सौरभ सिंह। रांची

- एक दिन पूर्व ही एनआईए ने कई ठिकानों पर दी थी दबिश
- जेल से ही आपराधिक गिरोह चला रहा है अमन साहू

पलामू सेंट्रल जेल में बंद कुख्यात अमन साहू को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गिरिडीह सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया. पिछले कुछ दिनों से अमन साहू गैंग के गुर्गों की गतिविधियां काफी बढ़ गयी हैं, जिसको देखते हुए डीजीपी ने उसे गिरिडीह जेल में शिफ्ट करने का आदेश दिया. अमन साहू की गिरिडीह सेंट्रल जेल में शिफ्टिंग के साथ ही कारा प्रशासन की चुनौती भी बढ़ गयी है. बता दें कि एक दिन पूर्व ही बुधवार को एनआईए ने अमन साहू के बुढ़मू स्थित घर के अलावा अन्य ठिकानों पर छापेमारी की थी. अमन साहू पर झारखंड के विभिन्न थानों में 100 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं.

दूसरी बार गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया : यह दूसरा मौका है जब अमन साहू को गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया है. अमन साहू को जिस-जिस जेल में शिफ्ट किया जाता है, वहां से ही अपराध के कारोबार को संचालित करने लगता है. उसके द्वारा जेल से ही विभिन्न जिलों के व्यवसायियों को धमकी देने और रंगदारी वसूलने के मामले सामने आते रहे हैं. दो महीने पहले अमन साहू ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बंदी पत्र लिख कर दावा किया था कि जेल में उसकी हत्या की साजिश रची जा रही है.

अमन साहू को गिरिडीह सेंट्रल जेल ले जाते जेल के अधिकारी.

जेलर को मारने के लिए दी थी ढाई लाख रु की सुपारी

गैंगस्टर अमन साहू को पूर्व में अप्रैल 2022 में गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था. यहां आने के महज तीन माह के अंदर ही उसने जेलर प्रमोद कुमार को जान से मारने की साजिश रच डाली थी. अमन साहू ने जेल में बंद आशीष कुमार साह और मंजेश को जेल से बाहर निकलने के बाद जेलर की हत्या की सुपारी दी थी. उसने मंजेश को 50 हजार रुपये एडवांस भी दिये थे. इसके बाद 20 जुलाई 2022 को तत्कालीन जेल अधीक्षक अनिमेष कुमार चौधरी के वाहन पर सवार तत्कालीन जेलर प्रमोद के उपर गोलीबारी की गयी थी.

ढाई साल में आठ जेलों में किया गया शिफ्ट

29 अक्टूबर 2021	रांची से पाकुड़ जेल
13 अप्रैल 2022	गिरिडीह सेंट्रल जेल
23 जुलाई 2022	सिमडेगा मंडल कारा
17 सितंबर 2022	पलामू सेंट्रल जेल
24 नवंबर 2022	दुमका सेंट्रल जेल
19 अगस्त 2023	चाईबासा मंडल कारा
11 अक्टूबर 2023	पलामू सेंट्रल जेल
20 जून 2024	गिरिडीह सेंट्रल जेल

किशोरी का अपहरण, भाजपा कार्यालय के कर्मी पर आरोप

संवाददाता। रांची

- चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन के सचिव ने सीआईडी डीजी से की शिकायत
- आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लड़की की बरामदगी का अनुरोध

भाजपा प्रदेश कार्यालय के एक कर्मी पर नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप लगा है. इसको लेकर चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने सीआईडी डीजी से लिखित शिकायत की है. उन्होंने आरोप लगाया गया है कि अरगोड़ा थाना क्षेत्र के एक इलाके की रहनेवाली 13 वर्षीय नाबालिग लड़की बुधवार की सुबह घर में झाड़ू कर कचरा फेंकने बाहर निकली थी.

इसी बीच अरगोड़ा से हरमू की तरफ जा रही एक स्वीफ्ट डिजायर कार आकर रूकी और किशोरी को जबरन कार में बैठा कर कार सवार फरार हो गया. नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप अनिल कुमार सिंह नाम के व्यक्ति पर लगाया गया है. बताया गया है कि उक्त व्यक्ति हरमू स्थित भाजपा प्रदेश में काम करता है. बैजनाथ कुमार ने यह भी बताया है कि वर्तमान में नाबालिग लड़की के आसनसोल में होने का पता चला है. उन्होंने सीआईडी के डीजी से अनुरोध किया है कि आरोपी अनिल कुमार सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए अपहृत लड़की को बरामद किया जाए.

कवायद सीएम चंपाई ने कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

किसानों की एनपीए माफी के लिए बैंकों से बात करें अधिकारी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कृषि विभाग के अफसरों को निर्देश दिया है कि वह किसानों के लोन एमपीए माफी के लिए बैंकों से बात करें. राज्य सरकार द्वारा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत दो लाख रुपये तक का ऋण माफ करने की कवायद तेज कर दी गयी है. सरकार की इस योजना का ज्यादा से ज्यादा किसानों को लाभान्वित होंगे. इससे पहले सरकार ने किसानों का 50 हजार रुपये तक का लोन माफ किया था.

योजनाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाइन का ध्यान रखें : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिये. उन्होंने अफसरों से कहा कि कृषि कार्य में टाइम फ्रेम अहम फैक्टर है. इसलिए, योजनाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाइन का ध्यान रखें. किसानों को समय पर खाद -बीज का वितरण करने के साथ ही अन्य कृषि से जुड़ी सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएं. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन किसानों का कृषि ऋण बकाया है, उनके एनपीए माफी के लिए बैंकों से बातचीत करें. इसके अलावा मृतक लाभुकों का सही तरीके से सत्यापन करने के बाद ऋण माफी की राशि का भुगतान किया जाए.

बैठक में मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव , कृषि सचिव, सहयोग समितियों के निबंधक, कृषि निदेशक, पशुपालन निदेशक, उद्यान निदेशक, गव्य निदेशक, मत्स्य निदेशक, भूमि संरक्षण निदेशक समेत अन्य पदाधिकारी थे.

- किसानों का दो लाख रुपये तक का ऋण माफ किया जाएगा
- समय पर खाद-बीज व कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश

समीक्षा बैठक में अफसरों को निर्देश देते सीएम चंपाई सोरेन.

जल स्तर के आकलन के बाद ही बोरिंग कराएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्र में जल स्तर में काफी भिन्नताएं हैं. ऐसे में किसी भी क्षेत्र में बोरिंग, वहां के भूमिगत जल स्तर को देखते हुए किया जाना चाहिए, ताकि यह असफल नहीं हो. कृषि योजना के तहत किसानों के बीच पंप सेट का भी वितरण किया जाना है.

खाद-बीज की उपलब्धता को डिस्प्ले में दिखाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लैम्प्स-पैक्स के माध्यम से किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराया जाता है. ऐसे में सभी लैम्प्स-पैक्स के नोटिस बोर्ड पर खाद-बीज की उपलब्धता की जानकारी डिस्प्ले होनी चाहिए, ताकि किसानों को सुलभता से इसकी जानकारी मिल सके.

किसानों, कृषक संगठन और समूह से संवाद करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कृषि से जुड़ी योजनाएं तभी सफल होंगी, जब किसानों को उसका पूरा लाभ मिलेगा. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे योजनाओं को लेकर किसानों, कृषक समूहों और कृषक संगठनों से संवाद करें. उनसे उनकी समस्याओं की जानकारी लें. अगर सरकार की किसी योजना में कोई त्रुटि है, तो उसे जानने का प्रयास करें, ताकि समय पर उन त्रुटियों को दूर कर किसानों तक उसका लाभ पहुंचाया जा सके.

पशुधन विकास योजना में समन्वय से काम करें

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना इस तरह से क्रियान्वित हो कि किसानों को सुलभता से पशु धन मिल सके. पशु के साथ शेड और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं. इसके लिए कृषि विभाग अंतर्गत आनेवाले सभी निदेशालय समन्वय बना कर कम करें. मुख्यमंत्री ने जिला स्तर पर बकरी फार्म बनाने का भी निर्देश दिया, जहां ब्रीडिंग की भी व्यवस्था हो.

जातिगत जनगणना का दिखावा करने वाले बतायें कि अबतक क्यों नहीं हो सका ट्रिपल टेस्ट

झामुमो बताए कैसे उसने जेपीएससी, जेएसएससी के जरिए नौकरियां बेंची : डॉ प्रदीप

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश महामंत्री सह सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने झामुमो प्रवक्ता की प्रेसवार्ता पर पलटवार किया है. उन्होंने कहा है कि राज्य के हर हिस्से, प्रत्येक विभाग में आकंठ भ्रष्टाचार करने वाले लोगों से केंद्र सरकार और अन्य एजेंसियों पर उंगली उठाना एक मजाक ही लगता है. यहां सौ चूहे खाकर हज यात्रा पर जाने वाली कहावत ही चरितार्थ होते दिखती है. आज एनटीए , यूजीसी, नीट पर सवाल खड़ा करने वाले झामुमो को बताना चाहिए कि कैसे उनकी सरकार ने पिछले साढ़े चार

खास बातें

- क्यों निकाय चुनाव से वंचित है राज्य की जनता
- भ्रष्टाचार में डूबी सरकार का उंगली उठाना मजाक ही है

वर्षों से राज्य के बेरोजगार युवाओं को ठगा है. झामुमो बताए कि कैसे जेपीएससी ,जेएससीसी की परीक्षाएं बार बार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी. कैसे कई जिलों में सेंटर ही बिक गए. कैसे लगातार सीरीज में रॉल नंबर के परीक्षार्थी परीक्षा में पास हुए.कैसे

गड़बड़ी वाले सेंटर के ओएमआर सीट गायब किए गए. झामुमो बताए कैसे राज्य सरकार के दलालों बिचौलियों के व्हाट्स एप चैट में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र की बोली लगाई गई.

ठगबंधन की है सरकार : वर्मा ने कहा कि यह वही ठगबंधन सरकार है जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों पर लाठियां बरसाई,डराने धमकाने केलिए मुकदमे दर्ज किए. आज ये नीट, यूजीसी पर सवाल खड़े कर रहे हैं. जबकि केंद्र सरकार इसपर पूरी तरह गंभीर है. नीट का मामला न्यायालय में दर्ज है. जो भी निर्देश आएगा केंद्र सरकार उसका पूरी तरह अनुपालन करेगी. ऐसा केंद्रीय मंत्री ने पहले ही कहा है. नीट के संबंध में जो गड़बड़िया उजागर हुई है, उसमें इनके एलायंस पार्टनर आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव के सहयोगी का नाम उजागर हुआ है. अच्छा होता झामुमो इसपर अपनी प्रतिक्रिया देता.

राजद ने जमीन छीन नौकरी देने का ढोंग किया

डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि यही आरजेडी है जिसने गरीबों की जमीन छीनकर नौकरी देने का ढोंग किया है. झारखंड में भी भ्रष्टाचार के पोषक बने हैं. केंद्रीय मंत्री से इस्तीफा मांगने वाले को यह बताना चाहिए कि क्यों तुष्टीकरण के कारण भ्रष्टाचार में जेल गए मंत्री से इस्तीफा नहीं मांग सके. विभाग छीनने का नाटक करना पड़ा. वर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अपनी करारी हार से झामुमो बौखलाहट में है. अभी तक ट्रिपल टेस्ट नहीं करा पाने वाले लोग अब जाति जनगणना की बात कर रहे हैं. निकाय चुनाव ट्रिपल टेस्ट के नहीं होने से बाधित है. ओबीसी आरक्षण निर्धारित नहीं हो पाया,नगर निकायों की स्थिति जनप्रतिनिधि के अभाव में नारकीय बनी हुई है .ये लोग केवल दूसरे के पाले में गेंद डालकर अपनी जिम्मेवारी से भागना चाहते हैं. कहा गया कि जनता सब कुछ समझती है. ठगबंधन और इंडी एलायंस की नीयत और नीति को राज्य की जनता पूरी तरह समझ चुकी है.

ब्रीफ खबरें

कल्पना आज गांडेय में

रांची। गांडेय की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन 21 जून से गांडेय विधानसभा के प्रवास पर रहेंगी. इस दौरान वे अपने क्षेत्र के लोगों से प्रतिदिन मुलाक़ात करेंगी. वे गांडेय विधानसभा के अंतर्गत चल रही सरकारी योजनाओं का जायज़ा लेंगी एवं उसकी समीक्षा करेंगी.

सात पीडीएस दुकानदारों को जारी हुआ शो-कॉज

रांची। जिला आपूर्ति पदाधिकारी की ओर से बेड़ो प्रखंड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया. पदाधिकारी की ओर से सात दुकानदारों को शो-कॉज जारी हुआ है. निरीक्षण के दौरान इन दुकानदारों के यहां गड़बड़ी पायी गयी. इन जन वितरण प्रणाली दुकानदारों द्वारा सूचना पट में स्टॉक नहीं दर्शाने, गोदाम का दरवाजा बंद रखने, वेट के साथ बटखरा रखने, अंगूठा लेने के दो-तीन दिन बाद दाल वितरण करने एवं दुकान बंद रखने के आरोप हैं.

उन्माद पैदा करने की साजिश का विरोध

रांची। माकपा राज्य सचिव मंडल ने बकरीद पर पाकुड़ जिले के गोपीनाथपुर, बोकारो के जारंगडीह और पलामू के पांकी में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने के उद्देश्य से उत्पाती तत्वों द्वारा हिंसा फैलाने की साजिश का कड़ा विरोध किया है. कहा कि प्रशासन के त्वरित हस्तक्षेप करने और समझदार नागरिकों की पहल के चलते हिंसा फैलाने की कोशिश पर पानी फिर गया. माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि एक और प्रशासन द्वारा शांति और सद्भाव का वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही है, वहीं दूसरी ओर भाजपा और उसके समर्थक उत्पाती संगठनों द्वारा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का माहौल तैयार करने में लगे हैं. नेता विपक्ष द्वारा गोपीनाथपुर जाने की घोषणा को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए.

योग दिवस पर भाजपा का 513 मंडलों में कार्यक्रम

रांची। प्रदेश भाजपा द्वारा राज्य के सभी 27 सांगठनिक जिलों एवं 513 मंडलों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे. यह जानकारी योग दिवस कार्यक्रम की प्रदेश संयोजक आरती कुजूर ने दी. बताया कि 21 जून को 10वां योग दिवस कार्यक्रम सुबह 7 बजे 540 स्थानों पर होंगे. बाबूलाल मरांडी रॉक गार्डन कार्यक्रम में शामिल होंगे अमर बाउरी चंदनक्यारी में, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी गिरिडीह सरस्वती शिशु मंदिर में, संगठन महामंत्री नागेंद्र और विधायक नवीन जायसवाल अरगोड़ा मैदान में, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, एवं सांसद दीपक प्रकाश पटेल पार्क हरमू में, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू एसएस हाई स्कूल ओरमांझी में, डॉ प्रदीप वर्मा टाटी सिलवे मैदान में, मनोज सिंह मेदनीनगर में शामिल होंगे.

मुख्यमंत्री 'बहन- बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना' की सौगात, शीघ्र होगी योजना की शुरुआत

25 से 50 वर्ष की सभी महिलाओं को सरकार देगी आर्थिक सहयोग : सीएम

खास बातें

- मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा की

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में शीघ्र "मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना" की शुरुआत करें. इस योजना के तहत 25 वर्ष से उपर और 50 वर्ष से कम उम्र की सभी वर्ग व समुदाय की गरीब जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. शीघ्र ही इसकी सौगात महिलाओं को मिलेगी. यह निर्देश उन्होंने गुरुवार को महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान दिया.

आईटी की मदद से शीघ्र तैयार करें पोर्टल : मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी सरकार झारखंड प्रदेश की महिलाओं के बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार, महिला सशक्तीकरण, परिवार में महिलाओं की निर्णायक भूमिका सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिबद्ध है. मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का लाभ निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सभी वर्ग समुदाय की पात्र महिलाओं को मिलना प्रारंभ हो, इस निमित्त विभाग अपनी पूरी तैयारी युद्धस्तर पर करना

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते सीएम चंपाई सोरेन.

सुनिश्चित करे. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस महत्वपूर्ण योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना भी अति आवश्यक है. इसलिए विभाग व्यापक प्रचार-प्रसार करने की कार्ययोजना जल्द बनाएं.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस योजना से संबंधित सभी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो यह सुनिश्चित करें. आईटी विभाग का पूरा सहयोग लें. उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इस योजना का एक बेहतर पोर्टल तैयार करें. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि इस योजना के सफल संचालन के लिए जरूरी है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एक बेहतर तालमेल और समन्वय के साथ योजना के संचालन को मूर्त रूप दें.

सभी पेंशनधारियों को ससमय पेंशन राशि का भुगतान सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री सोरेन ने सर्वजन पेंशन योजना के तहत सभी तरह की पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वजन पेंशन योजना से आच्छादित पेंशनधारियों को पेंशन राशि का भुगतान निर्धारित समय पर करें. मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले एक सप्ताह के भीतर लंबित बकाया पेंशन राशि का भुगतान लाभुकों के खाते में हस्तांतरित करें. बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महिला विभाग के सचिव मनोज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, विशेष कार्य पदाधिकारी जैप आईटी राजकुमार गुप्ता उपस्थित थे.

चंपाई के मास्टर स्ट्रोक से फिजा में कास्ट सर्वे की गूंज

रांची । सीएम चंपाई सोरेन के मास्टर स्ट्रोक के बाद कास्ट सर्वे सियासी फिंजा में उछलेगा. कार्मिक विभाग की देख-रेख में कास्ट सर्वे होगा. इंडिया गठबंधन इस विधेयक पर भाजपा को घेरता रहा है कि भाजपा नौंवी अनुसूची में डालकर इसे कानूनन संरक्षित नहीं करना चाहती है. अब जब राज्य में विधानसभा के चुनाव

होने हैं, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी फरवरी महीने में एक्स पोस्ट किया था कि जिसकी जितनी संख्या, उतनी ही उसे हिस्सेदारी मिलेगी, झारखंड इसके लिए तैयार है. राज्य सरकार ने साल 2021 में ओबीसी आरक्षण से जुड़ा विधेयक भी पास करवाया था, जिसमें ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने का फैसला लिया गया था.

झामुमो, कांग्रेस और राजद हैं पक्षधर : सत्ता में शामिल झामुमो, कांग्रेस और राजद जातीय जनगणना के समर्थन में हैं. गाहे-बेगाहे एनडीए में शामिल आजसू भी कास्ट सर्वे की मांग करती रही है. लेकिन विपक्षी दल भाजपा इस मसले पर ज्यादा कुछ नहीं बोल रही. पूर्व सीएम हेमंत ने कहा था कि जिस समूह की जितनी आबादी है, उसे उसी के अनुसार अधिकार मिलना चाहिए. जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर दो साल पहले ही राज्य में सभी दलों की सहमति बनी थी. इसके बाद सर्वदलीय शिष्टमंडल के सदस्यों ने सितंबर 2021 में दिल्ली जाकर इससे संबंधित मांग पत्र गृह मंत्री को सौंपा था.

पड़ोसी राज्य ओडिशा और बिहार में हो चुका है जातीय सर्वेक्षण

झारखंड के पड़ोसी राज्य बिहार और ओडिशा में राज्य सरकार जातीय सर्वेक्षण करा चुकी है. झारखंड सरकार ने कैबिनेट में जातीय सर्वेक्षण कराने का फैसला लिया है. कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने फरवरी महीने में जतीय जनगणना की मांग करते हुए आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की मांग की थी. इस मांग के बाद ही कार्मिक विभाग से जातीय सर्वेक्षण कराने का फैसला लिया था.

देश के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे मोदी सरकार : यूथ कांग्रेस

नीट पेपर लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस ने राजभवन के सामने धरना दिया.

रांची। युवा कांग्रेस ने गुरुवार को नीट पेपर लीक के खिलाफ राजभवन पर धरना दिया. इसकी अध्यक्षता करते हुए युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत ने कहा कि गूंगी, बहरी सरकार ने परीक्षार्थियों के साथ धोखा किया. इनके भविष्य के साथ केंद्र सरकार खिलवाड़ कर रही है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए. मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में युवाओं को सिर्फ छला ही है. दो करोड़ नौकरी का वादा फेल, किसानों का वादा फेल, महिला सुरक्षा का वादा फेल. आगे इसी तरह की गलत नीति से मोदी की सरकार कभी भी गिर सकती है.

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें : कुमार गौरव

कुमार गौरव ने कहा, जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और नीट के लाभार्थी का बयान सामने आया है. ऐसे में धर्मेन्द्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए. इस मौके पर रांची महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सन्नी सिन्हा, निशा भगत, सत्यम सिंह, सौरभ अग्रवाल, देव शर्मा, फहद खान, शादाब खान, रमन सिंह बंटी सहित कई उपस्थित थे.

छात्रवृत्ति हर हाल में समय पर वितरित करें : बिरुआ

रांची। मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा है कि छात्रवृत्ति भुगतान किसी भी कीमत पर लंबित नहीं रहे. इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए. साथ ही जिलास्तर पर समन्वय बना कर छात्रों को छात्रवृत्ति दें. आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा को ये निर्देश दिया. मंत्री के आदेश के बाद आदिवासी कल्याण आयुक्त ने सभी डीसी को निर्देश दिये. कहा कि वे जिला के सभी संकुल स्तर पर कैंप लगाकर मिशन मोड में सभी छात्र- छात्राओं का आधार कार्ड बनाने, आधार को बैंक खाता से जोड़ने, केवाईसी कराने, ऑनलाइन जाति व आय प्रमाण पत्र बनाने का काम करायें. उपयुक्तों को दिये गए टास्क की जानकारी आदिवासी कल्याण आयुक्त ने मंत्री बिरुआ को दी. मंत्री के आदेश पर प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति तय समय सीमा के अंतर्गत वितरित करने के लिए सभी उपायुक्तों को आदिवासी कल्याण आयुक्त ने पत्र लिखा है. साथ ही, शैक्षणिक सत्र एवं पूर्व की लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान 15 तक करने का लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया है.

एक युद्ध नशे के विरुद्ध, जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

रांची के आर्यभट्ट सभागार में जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन.

रांची। मादक पदार्थों पर रोक को लेकर गुरुवार को आर्यभट्ट सभागार में कार्यशाला आयोजित हुई. जिसमें नशे पर रोक के लिए जानकारी और सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया. एसएसपी चंदन सिन्हा ने कहा, नशा मुक्त समाज के लिए आम जनता का सहयोग जरूरी है. एक युद्ध नशे के विरुद्ध है. इसके लिए पुलिस ने एक हेल्पलाइन नंबर 9153886238 जारी किया है. जिस पर व्हाट्सऐप से रांची में नशे के कारोबार, बिक्री और इसमें संलिप्त की जानकारी दी जा सकती है. कोई इसे न बेच पाएं, इसके लिए पुलिस को सतर्क रहने की आवश्कता है.

बच्चों से मेलजोल बढ़ाएं

एसएसपी ने कहा कि नशा के खिलाफ जनजागरण की आवश्यकता है. सभी अभिभावक बच्चों के क्रियाकलापों पर नजर रखें, उनसे बातचीत करें. बच्चों की आंखों, चलने और बोलने के तरीके से पहचानें, कहीं वह नशा तो नहीं कर रहा. उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सिगरेट क्या है, तंबाकू की डंडी, जिसके एक सिरे में धुआं है और दूसरे सिरे पर एक मूर्ख. उन्होंने अभियान से जुडे.सभी पुलिस पदाधिकारियों से नशे को कारोबार को जड़ से समाप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश दिये.

लोकार्पण झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स से संबंधित शोधपरक रिपोर्ट का विमोचन किया गया

एनर्जी ट्रांजिशन की सफलता में झारखंड के क्रिटिकल मिनरल्स की भूमिका निर्णायक : एपी सिंह

संवाददाता। रांची

टास्क फोर्स-सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन और सीड के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को होटल रेडिशन ब्लू में कांफ्रेंस का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में एनर्जी ट्रांजिशन में राज्य के क्रिटिकल मिनरल्स की भूमिका पर विशेष रिपोर्ट का विमोचन किया गया. रिपोर्ट में देश में डीकार्बोनाइजेशन और क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन को गति देने में झारखंड के क्रिटिकल मिनरल्स पर प्रकाश डाला गया. इसका विमोचन वित्त आयोग के अध्यक्ष और उद्योग, खान एवं भू-तत्व सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने किया. टास्क फोर्स एवं सीड द्वारा तैयार यह रिपोर्ट किसी राज्य में क्रिटिकल

खास बातें

- क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में झारखंड सबसे महत्वपूर्ण राज्य
- अन्य राज्यों के मुकाबले यहां सबसे ज्यादा 12 महत्वपूर्ण खनिजों का भंडार

मिनरल्स की संभावना पर केंद्रित बेहद महत्वपूर्ण शोध-अध्ययन में से एक है. क्रिटिकल मिनरल्स को अक्सर दुर्लभ पृथ्वी तत्व और सामरिक महत्व के खनिजों के रूप में भी वर्गीकृत किया जाता है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा प्रणालियों व उन्नत चिकित्सा उपकरणों

होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित कांफ्रेंस में रिपोर्ट का विमोचन किया गया.

सहित तकनीक अनुप्रयोगों के उत्पादन में एक अपरिहार्य भूमिका निभाते हैं.

यह रिपोर्ट व्यापक शोध और इंटरनेशनल केस स्टडीज की विस्तृत समीक्षा के जरिए झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स की वर्तमान स्थिति एवं भावी परिदृश्य का विश्लेषण करती है. रिपोर्ट की सराहना करते हुए वित्त आयोग के अध्यक्ष एपी सिंह ने कहा कि यह रिपोर्ट बेहद सामयिक है. दुनिया भर में क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन के लिए क्रिटिकल मिनरल्स की भूमिका पर नए अन्वेषण, खनन-उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि इसकी सफलता कुशल संसाधन प्रबंधन पर निर्भर है. खान निदेशक शशि रंजन ने इन मिनरल्स की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने और भारत के ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने में राज्य की खनन क्षमताओं और बुनियादी ढांचे को इस लिहाज से उचित एवं प्रासंगिक बताया. उद्योग विभाग के निदेशक सुशांत गौरव ने स्वच्छ औद्योगिक ढांचे को व्यापक बनाने में अनुसंधान एवं विकास आवश्यकता पर बल दिया.

टास्क फोर्स-सस्टेनेबल ट्रांजिशन के अध्यक्ष एके रस्तोगी ने कहा कि कम कार्बन आधारित अर्थव्यवस्था व एनर्जी ट्रांज़िशन की सफलता मिनरल्स पर निर्भर करती है. झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स एवं औद्योगिक संरचना है, इस क्रम में यह रिपोर्ट भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और मजबूत सप्लाई नेटवर्क के संदर्भ में राज्य के योगदान को नए सिरे से रेखांकित करती है.

सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि रिपोर्ट झारखंड को फ्यूचर-रेडी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शोध-अध्ययन है. कार्यक्रम में इंद्रदेव नारायण सीएमडी, केके वर्मा निदेशक जेरेडा, अच्युत घटक निदेशक, डॉ. निहारिका टैगोत्रा, चरिथ कोंडा, डॉ. मनीष राम, अश्विनी अशोक निदेशक, सीड), सिद्धार्थ गोयल (प्रमुख, ऊर्जा कार्यक्रम, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट) और अपूर्व कुलकर्णी, अनुसंधान प्रमुख, ओएमआई फाउंडेशन ने भी विचार रखे.

न्यूज अपडेट

एकरा मस्जिद से कर्बला चौक तक चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

रांची। नगर निगम ने गुरुवार को एकरा मस्जिद से कर्बला चौक तक अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया. जिसके तहत अवैध रूप से लगाई गई दुकानों और अस्थाई संरचनाओं पर बुल्डोजर चला कर उसे हटाया गया. मौके पर निगम ने 1 टेबल, बास-बल्ली, 10 एडवरटाइजिंग बोर्ड को भी जब्त किया. रांची शहर के सड़कों को जाम मुक्त और अतिक्रमण मुक्त करने को लिए निगम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान स्थानीयों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया. लोगों ने कहा कि बिना नोटिस दिए ही निगम की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी. कुछ लोगों ने कहा कि यदि निगम ने कुछ दिन पहले नोटिस दे दिया होता तो हम सब अपनी दुकानों में पहले से व्यवस्था कर लेते. कम से कम इस तरह से तोड़फोड़ तो नहीं की जाती है और हमारा इतना नुकसान भी नहीं होता.

नए आपराधिक कानून पर 163 मास्टर ट्रेनर को मिला प्रशिक्षण

रांची। नए आपराधिक कानून को लेकर 163 मास्टर ट्रेनर को ई-एसएकेएचवाईए एप का प्रशिक्षण दिया गया. यह प्रशिक्षण गुरुवार को अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय होटवार में दिया गया. जिसमें झारखंड पुलिस की पूर्व से चयनित प्रशिक्षण 163 मास्टर ट्रेनरों ने हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम का संचालन राज्य सूचना विभाग पदाधिकारी एनआईसी झारखंड द्वारा किया गया. इस कार्यक्रम में एडीजी आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण सुमन गुप्ता सहित प्रशिक्षण गृह विभाग द्वारा गठित कमेटी के सभी सदस्य शामिल हुए.

ब्रह्माकुमारी संस्थान में साधकों ने किया योगाभ्यास

रांची। ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने योगाभ्यास किया. आसन और प्राणायाम की विविध प्रविधियों से अवगत हुए. मौके पर आशीर्वचन प्रदान करते हुए संस्थान की संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने योग की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि यह शरीर और मन दोनो के लिए फायदेमंद है. बुद्धि को परमपिता परमात्मा से जोड़ना ही योग है. आज मनुष्य की बुद्धि अनेकों समस्याओं से जुड़ी हुई है. अतः भटकती रहती है. बुद्धि को अनेक से तोड़ कर एक से जोड़ने वाला मनुष्य ही योगी कहलाता है.

शिव मंदिर से सटे भवन में बार चलाने से धार्मिक आस्था को ठेस

रांची। एजी कॉलोनी, कडरू स्थित शिव मंदिर से सटे भवन में चल रहे ओना बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस रद्द करने की मांग की गई है. संयोजक गौतम सिंह और वेदांत कौस्तव के नेतृत्व में युवा आजसू ने बार संचालन के खिलाफ आवाज उठाई है. आयुक्त, उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग और डीसी के नामित ज्ञापन सौंप अविलंब ओना बार को बंद कराने का आग्रह किया है. युवा आजसू ने संबंधित पदाधिकारियों को सूचित कराया है कि ओना बार और रेस्टोरेंट में मदिरा परोसे जाने की वजह से धार्मिक स्थल का पवित्र वातावरण बाधित हो रहा है और स्थानीय श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है.

नये क्रिमिनल लॉ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम कल

रांची। झारखंड पुलिस के डीजी से लेकर एसपी रैंक अधिकारी नये क्रिमिनल लॉ को लेकर प्रशिक्षण लेंगे. प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय होटवार में दिन के 11 बजे से ऑफलाइन आयोजित किया जा रहा है. गौरतलब है, कि नये क्रिमिनल लॉ को लेकर 18 जून को गृह सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी. बैठक में गृह सचिव ने आदेश दिया था कि एसपी और उसके ऊपर रैंक के अधिकारियों के लिए नये क्रिमिनल लॉ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाये. इस आदेश के बाद एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.

विद्यार्थियों के लिए अनुशासन जरूरी : मधुर प्रज्ञा

रांची। विद्यार्थियों के लिए अनुशासन जरूरी है. यह लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होता है. आप समय से शिक्षा कार्यों को पूरा करें, गुरुजनों के सद्गुणों को आदर के साथ धारण करें, तभी जीवन सार्थक होगा. यह उपदेश जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ की समणी मधुर प्रज्ञा ने गुरुवार को कन्या पाठशाला,डोरंडा के बच्चों को दिया. प्रवचन के बीच उन्होंने छात्राओं को मोबाइल की लत से दूर रहने की भी हिदायत दी. उन्होंने कहा कि इससे एकाग्रता नष्ट हो जाती है. मोबाइल चलाने लग जाते हैं, इससे उनका ध्यान भी भटकता है और वापस पढाई में एकाग्रता बनाने में समय लग जाता है.

डीसी ने लंबित मामलों के निष्पादन के दिए निर्देश

रांची। डीसी राहुल सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को भू राजस्व मामलों की समीक्षा बैठक हुई. इसमें भूमि सीमांकन, लंबित दाखिल खारिज, लंबित प्रमाण पत्र के मामले,भारत सरकार एवं झारखंड की एजेंसियों को भूमि हस्तांतरण के संबंध में अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई. डीसी ने सभी सीओ से कहा कि भूमि का सीमांकन, दाखिल खारिज, रैयती जमीन पर लगान लगा कर खजाने में लगान जमा कराएं. सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न हो इसके लिए इसे सहेज कर रखना है, जितने भी भू-हस्तान्तरण भारत सरकार या राज्य सरकार की योजनाओं में करना है, उसका भू-हस्तान्तरण कराएं. डीसी ने लंबित दाखिल -खारिज (लंबित 30 दिन बिना आपत्ति एवं लंबित 90 दिन आपत्ति) एवं भूमि सीमांकन के मामलों की सघन समीक्षा की. बैठक में अपर समाहर्ता रांची राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंडू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुनील चंद्र, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं रांची जिला के सभी अंचल के अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे.

सरकारी स्कूलों में करायें पैरेंट्स मीटिंग : रुचि कुजूर

परिचर्चा में शामिल बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य रुचि कुजूर व अन्य.

बसंत मुंडा। रांची

झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य रुचि कुजूर ने कहा कि मानव तस्करी एससी एसटी महिलाओ के साथ ज्यादा हो रही है. सरकार के सभी विंग मानव तस्करी को रोकने के लिए काम कर रही हैं. यह बात गुरुवार को जनविकास केंद्र हजारीबाग द्वारा एसडीसी सभागार में झारखंड में मानव तस्करी विषय पर आयोजित एक दिवसीय परिचर्चा में बोल रही थीं. उन्होंने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों और अभिभावकों के साथ गार्जियन मीटिंग शुरू करनी चाहिए, ताकि मानव तस्करी को जल्द रोका जा सके.

एक्सआईएसएस से प्रोफेसर संत कुमार ने कहा कि मानव तस्करी को रोकने के लिए निगरानी समिति को सशक्त करने की जरूरत है. हजारीबाग कोऑर्डिनेटर सुरेश कुमार ने कहा कि हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, कोडरमा और चतरा के रहने वाले 94 बच्चियों और महिलाओं को अलग-अलग राज्यों से रेस्कयु किया गया है, जिसमें से अभी 11 विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है. मौके पर अधिवक्ता धीरज शर्मा, वाल्टर केरकेट्टा, सुनीता लकडा, रुचि कुमारी आदि मौजूद थे.

सर्वे करने पहुंचे पर्यटन विभाग के अधिकारी, मंदिर विकास समिति से की चर्चा

पहाड़ी मंदिर के सुंदरीकरण की पहल

खास बातें
- पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने तीन घंटे तक किया निरीक्षण
- मंदिर समिति की सहमति से सुंदरीकरण की रूपरेखा तय

संवाददाता। रांची

सीएम के आदेश के बाद एक बार फिर पहाड़ी मंदिर के सौंदर्यीकरण की पहल हुई. गुरुवार को दिन के दस बजे कला संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी सर्वे करने मंदिर पहुंचे.

पर्यटन पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह, जिला पर्यटन विशेषज्ञ रोशन कुमार, आर्किटेक्ट और अर्बन प्लानर गौतम कुमार मोदी ने तीन घंटे तक पहाड़ी का निरीक्षण किया. साथ ही मंदिर विकास समिति के पदाधिकारी और सदस्यों के साथ बैठक कर सुंदरीकरण को लेकर रूपरेखा तय की. सचिव राकेश सिन्हा ने बताया कि जल्द ही मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ नागरिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए विवाह मंडप, आरामशाला, पहाड़ी कॉरिडोर, सेल्फी पॉइंट एवं ध्यान केंद्र के निर्माण की योजना को मूर्त रूप दिया जायेगा. इस अवसर पर राजेश साहू राजू, राजेन्द्र सिंह, बादल सिंह, पुजारी पिंटू बाबा, मनोज बाबा, शेरू, प्रदीप, बेबी, मोहन आदि मौके पर मौजूद थे.

पहाड़ी मंदिर पर पर्यटन विभाग के अफसरों के साथ मंदिर समिति के सदस्य

धूमधाम से मनेगा सावन महोत्सव

पहाड़ी मंदिर विकास समिति इस बार सावन महोत्सव धूमधाम से मनायेगी. इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दी गयी है. समिति के पदाधिकारी और सदस्य भक्तों को हरसंभव सेवा और सहयोग देने के साथ खास कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर रूपरेखा तय कर रहे हैं. बादल सिंह ने बताया कि 22 जुलाई से प्रारंभ हो रहे श्रावण मास के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन को आते हैं. सोमवारी पर तो अत्यधिक भीड़ उमड़ती है, ऐसे में व्यवस्था बनाये रखना बड़ी चुनौती रहती है. इसी बात को ध्यान में रख कर अभी से तैयारी की जा रही है.

स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग की मासिक बैठक का आयोजन

कई जिलों के शिक्षा अधिकारियों को शोकॉज, कई बड़े फैसले हुए

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में गुरुवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मासिक बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह ने की. बैठक में माध्यमिक शिक्षा निदेशक उत्कर्ष गुप्ता, प्राथमिक शिक्षा निदेशक शशि प्रकाश सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना सह झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक आदित्य रंजन शामिल थे.

बैठक में लिए गए निर्णय

- प्रोन्नति हेतु वरीयता सूची का प्रकाशन नहीं करने पर रांची, लातेहार, पलामू, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को शोकॉज जारी करते हुए वेतन रोकने का निर्देश.
- न्यायिक मामलों में शिथिलता बरतने के मामले में रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) के विरुद्ध शोकॉज जारी, विभागीय कार्रवाई का निर्देश.
- मध्याहन भोजन योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही बरतने एवं वृद्धा पेंशन के मामले में पलामू के जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) के विरुद्ध शोकॉज जारी, विभागीय कार्रवाई का निर्देश.
- राज्यस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन कर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों एवं उनमें पदस्थापित प्राचार्यों/शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा.
- राज्य में संचालित सभी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों एवं प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर पदस्थापन एवं प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया अगस्त तक पूरा करने का निर्देश. ई विद्यावाहिनी के माध्यम से शिक्षकों को आवेदन करने का मिलेगा मौका. राज्यस्तरीय चयन समिति करेगी प्रतिनियुक्ति एवं पदस्थापन.
- 15 जुलाई से पहले हर हाल में उत्कृष्ट विद्यालयों में सौ प्रतिशत नामांकन करा लेना है.
- शिक्षकों की उपस्थिति जांचने के लिए एक हफ्ते के भीतर जिले के डीईओ या डीएसई की अध्यक्षता में टीम गठित कर स्कूलों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश. नामांकन में लापरवाही हुई तो टीम की अनुशंसा पर होगी कड़ी कार्रवाई.
- बच्चो को ड्रॉपबॉक्स में जाने से रोकने का निर्देश. इसके लिए टोला टैगिंग और स्कूल टैगिंग अनिवार्य रूप से करें.
- विद्या समीक्षा केंद्र से उपस्थिति का लगातार अनुश्रवण करने का निर्देश.
- सीएम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस और आदर्श विद्यालयों में प्रतिनियुक्त 200 लापरवाह शिक्षकों को जिला शिक्षा समिति की बैठक बुला कर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश.
- नि:शुल्क किताब वितरण का अद्यतन डाटा ई-विद्यावाहिनी में अनिवार्य रूप से अपडेट करें.
- पोशाक वितरण मामले में निम्न प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों (सिमडेगा, रांची, हज़ारीबाग़, खूंटी, लातेहार) के जिला शिक्षा पदाधिकारी को शोकॉज.
- जून माह के अंत तक विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश.
- आईसीटी शिक्षकों का हर महीने होगा मूल्यांकन टेस्ट. आईसीटी शिक्षकों को तीन माह की मिलेगी ट्रेनिंग.
- प्रोजेक्ट इंपैक्ट का लगातार अनुश्रवण होगा. हर माह जिलों का जारी होगा प्रोजेक्ट इंपैक्ट रिपोर्ट कार्ड. 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों और 325 आदर्श विद्यालयों का अलग से जारी होगा प्रोजेक्ट इंपैक्ट रिपोर्ट कार्ड. बढ़ेगी विद्यालयों के बीच प्रतिस्पर्धा.
- स्कूल सर्टिफिकेशन का कार्य शुरू होगा. स्कूलों को तीन श्रेणियों में प्रमाणित किया जाएगा. विद्यालयों को मिलेगा गोल्ड, सिल्वर और ब्रोंज सर्टिफिकेट. शिक्षकों की भी मूल्यांकन व ग्रेडिंग होगी.
- रेल प्रोजेक्ट के तहत होने वाले मूल्यांकन परीक्षा से संबंधित छात्रों की कॉपी को पूरे वर्ष के लिए संरक्षित रखने का निर्देश. इससे बच्चे का अकादमिक रिकॉर्ड ट्रैक किया जा सकेगा. रेल टेस्ट के दिन विद्यालय में उत्सव सा माहौल बने.

265 स्कूलों के 5808 विद्यार्थियों की होगी फाइलेरिया की जांच

टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता करते रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा.

खास बातें
- उपायुक्त ने दिया योजना के अनुरूप कार्य करने का निर्देश
- जिला एवं प्रखंड स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम का भी गठन

संवाददाता। रांची

रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को वेक्टर जनित रोग नियंत्रण के अंतर्गत फाइलेरिया उन्मूलन हेतु ट्रांसमिशन असेस्मेंट सर्वे (टीएएस) को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गयी.

बैठक में पीपीटी के माध्यम से टीएएस संबंधित जानकारी दी गई. जिसमें बताया गया कि रांची जिले के चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अनगड़ा, बेड़ो, बुढमू एवं तमाड़ में 20 जून से 15 जुलाई तक सर्वे किया जाएगा. जिसमें चयनित स्कूलों के कक्षा एक एवं दो के सभी विद्यार्थियों की फाइलेरिया जांच की जायेगी. इसके लिए जिले में कुल 265 स्कूलों के 5808 विद्यार्थी जांच के लिए चयन किया गया है. साथ ही जिला एवं प्रखंड स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम का भी गठन किया गया है. कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति हेतु बैठक एवं अभिभावकों की सहमति प्राप्त की जा रही है. कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला स्तर से सिविल सर्जन, वीवीडी पदाधिकारी, कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, शिक्षा पदाधिकारी, एसीएमओ द्वारा प्रतिदिन संध्याकालीन बैठक भी किया जाना है.

डीसी ने योजना अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा न छूटे और जांच के बाद जल्द रिपोर्ट भेजें. उन्होंने संबंधित एमओआईसी को पूरी गंभीरता से कार्य निष्पादित करने को कहा.

बैठक में सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, आरसीएचओ, कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, जिला वीवीडी सलाहकार, सहयोगी संस्था डब्ल्यूएचओ, पिरामल, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

पर्यावरण दिवस पर लगाये गये सैकड़ों पौधे

रांची स्मार्ट सिटी पौधारोपण करती ज्योति पुष्प.

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 6 से 22 जून तक पर्यावरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है. इस कड़ी में गुरुवार को रांची स्मार्ट सिटी के एबीडी क्षेत्र में पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें दो सौ फलदार व छायादार पौधे लगाये गये. इस मौके पर रांची स्मार्ट सिटी महाप्रबंधक तकनीकी राकेश कुमार नंदकोलियार, मुख्य वित्त पदाधिकारी ज्योति पुष्प, सूडा के सहायक निदेशक सूरज उरांव उपस्थित थे.

सरला बिरला के छात्रों ने सीखी फिल्म की बारीकियां

फिल्म निर्माता मेघनाथ के साथ सरला बिरला स्कूल की प्राचार्य परमजीत कौर.

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'जलतरंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें झारखंड के प्रमुख फिल्म निर्माता और सामाजिक कार्यकर्ता मेघनाथ ने फिल्म निर्माण से संबंधित कई बारीकियां छात्रों और शिक्षकों के बीच साझा की. इस दौरान लोक-कथा पर आधारित छात्रों को दिन-रात तथा पृथ्वी पर जीवन की रचना से संबंधित एक एनीमेटेड फिल्म 'द मुंडारी सृष्टि कथा' दिखाई गई. इसके बाद सतत विकास और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर आधारित एक प्रसिद्ध गीत 'गांव छोड़ब नाहीं' व 'ट्रेन रूट टू लोहरदगा' डोक्युमेंट्री फिल्म दिखाई गई. फिल्म निर्माता मेघनाथ ने 'सत्यजीत रे फिल्म क्लब' तथा 'मीडिया और संचार क्लब' के सदस्यों के साथ फिल्म से संबंधित महत्वपूर्ण बातचीत की. स्कूल की प्रिंसिपल परमजीत कौर ने कहा कि छात्रों को मेघनाथ जैसे अनुभवी फिल्म निर्माता के साथ बातचीत करने का यह अवसर उपयोगी रहा.

डीएवी बरियातू में फ्रेशर्स डे, 11वीं के छात्रों का स्वागत

कार्यक्रम में हवन करते डीएवी बरियातू के शिक्षक एवं छात्र.

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातु में सत्र 2024-2025 के ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्वागत सह फ्रेशर्स डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आरम्भ हवन से हुआ. इसके बाद कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर ग्यारहवीं के विद्यार्थियों का स्वागत किया गया. गीत, संगीत, नृत्य एवं गेम्स द्वारा उन्हें परिवेश में सहज बनाने एवं स्वयं में सम्मिलित करने का प्रयास किया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. तापस घोष ने कहा कि सफलता के लिए निरन्तर सीखते रहना जरूरी है.

बकरी बाजार दुर्गा मंदिर का 25वां स्थापना दिवस मना

स्थापना दिवस में भाग ले रहे पूर्व उपमहापौर व नवयुवक संघ के पदाधिकारी.

रांची। भारतीय युवक संघ के दुर्गा मंदिर, बकरी बाजार का 25वां स्थापना दिवस गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया. मौके पर माता रानी की नयनाभिराम झांकी सजायी गयी. सुबह पूजा-अर्चना कार्यक्रम की शुरुआत हुई. रोमी झुनझुनवाला ने सपत्नीक यजमान के रूप में हिस्सा लिया. पूजन-अनुष्ठान के बाद वृहत भंडारा चलाया गया. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता का प्रसाद ग्रहण किया. साथ ही मारवाड़ी युवा मंच के सहयोग से लगाये गये रक्तदान शिविर में 23 लोगो ने रक्तदान किया. पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, मुनचुन राय, अशोक पुरोहित आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया. अशोक चौधरी, निर्मल मोदी, सतेंद्र जालान, दीपक चौधरी, संजय चौधरी, अरविंद चौधरी, विनोद छापरिया, आदि ने सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

स्वदेशिता व भूमि अधिकार पर पैनल चर्चा का आयोजन

एक्सआईएसएस में पैनल चर्चा में भाग ले रहे पैनलिस्ट.

रांची । जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) में शुक्रवार को महिला अध्ययन केंद्र (डब्ल्यूसीएस) अर्थशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय के तत्वावधान में लिंग, स्वदेशिता और भूमि अधिकार पर पैनल चर्चा का आयोजन हुआ. चर्चा दो सत्रों में आयोजित की गई. बेदखली और पलायन को लेकर आदिवासियों की वर्तमान अनिश्चित स्थिति को लेकर चर्चा में गहन विचार विमर्श किया गया. इसके अलावा भूमि अधिग्रहण, अवैध खनन गतिविधियों और सिकुड़ते वन क्षेत्र से संबंधित जटिल सवालों पर गहन चिंतन किया गया. इस दौरान छोटानागपुर टेनेंसी अधिनियम (सीएनटी एक्ट) 1908, संथाल परगना अधिनियम (एसपीटी एक्ट) 1949, भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा एवं पारदर्शिता का अधिकार, सुधार तथा एलएआरआर और पेसा कानून के महत्व का पैनलिस्टों ने विश्लेषण किया.

दो दिनों की होगी ज्येष्ठ पूर्णिमा, आचार्यों ने कहा-

व्रत एवं पूजन का विधान आज और स्नान-दान कल

संवाददाता। रांची

सनातनी पूर्णिमा व्रत-पूजन को अति महत्व देते हैं. मान्यता है कि इस व्रत को धारण कर श्रीहरि और श्रीलक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना करने वालों की सारी मनोकामनाएं पूरी होती है. विद्वान बताते हैं कि पूर्णिमा में चंद्रमा 16 कलाओं से परिपूर्ण होते हैं, ऐसे में चंद्र दर्शन से मानसिक लाभ भी प्राप्त होता है. लेकिन इस बार दो तिथि मिलने से संशय की स्थिति है. आचार्य अजय मिश्रा और पंडित सुरेंद्र इंद्र गुरु ने पंचांगों की गणना कर बताया कि 21और 22 जून दोनों दिन पूर्णिमा मान्य है. इन तिथियों में व्रत-पूजन और स्नान, दान-पुण्य किये जा सकते हैं, लेकिन पूर्णिमा में सूर्योदय और चंद्रोदय का ध्यान रखना जरूरी होता है. सुरेंद्र इंद्र गुरु ने बताया कि पूजा-अर्चना कर चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित नहीं करने से व्रत फलीभूत नहीं होते. 21 जून को चंद्रोदय शाम 6.28 बजे के बाद होगा, जबकि 22 जून को चंद्रोदय 7.48 बजे होगा. इससे पहले आषाढ़ मास की शुरुआत हो जायेगी. इस कारण शुक्रवार को व्रत धारण कर पूजा-अर्चना और चंद्र देव को अर्घ्य अर्पित करना शास्त्रसम्मत रहेगा, जबकि स्नान, दान-पुण्य और भगवान सत्यनारायण जी की कथा श्रवण के लिए शिनवार का दिन शुभकारी होगा.

अमिताभ चौधरी रांची महिला फुटबॉल लीग का आगाज

संवाददाता। रांची

छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) की ओर से आयोजित स्व. अमिताभ चौधरी रांची महिला फुटबॉल लीग का शानदार आगाज गुरुवार को खेलगांव में हुआ. पहली बार हो रहे महिला लीग में भाग ले रही महिला फुटबॉलरों में गजब का उत्साह देखने को मिला. वहीं, इस दौरान कई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलरों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया. उद्घाटन मुकाबला स्टार वॉरियर्स एफसी चडरी, कांके और डिबडीह जय जवान क्लब के बीच खेला गया. कांके की ओर से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा ने अपना जलवा दिखाया. लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं. डिबडीह की खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रमक खेल खेला. 11वें मिनट में ही डिबडीह की पूजा टुडे ने शानदार गोलकर टीम को बढ़त दिला दी. यह बढ़त अंत तक बना रहा और डिबडीह जय जवान की टीम 1-0 से अपना पहला मुकाबला जीत लिया. दूसरे मैच में एसबीसी जोरार नामकुम ने कड़े संघर्ष के बाद डीएसएस एकेडमी को 1-0 से पराजित किया. एकमात्र गोल 20वें मिनट में पूजा सारंगा ने किया. दोनों मैचों की वुमेंस ऑफ द मैच क्रमशः पूजा टुडे और रिया कुमारी बनीं. इससे पहले उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर लीग का शुभारंभ किया.

मैच से पूर्व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि अभिषेक चौधरी.

कल के मैच : **स्टेडियम ग्राउंड** : आशा भुसूर-युवा क्लब (2.30 बजे से), राइट टू किक-एसएसएफसी नगड़ी (3.30 बजे से)
प्रैक्टिस ग्राउंड : सशक्त क्लब-सुरूड नामकुम (2.30 बजे से), रांची रिकर्स-तरुण घोष एफसी (3.30 बजे से)

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

उद्घाटन मुकाबले से पहले अंडर-17 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से खेल चुकीं सुधा अंकिता तिर्की को सम्मानित किया गया. सुधा ने कहा कि इस तरह के लीग होने से खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा. उन्होंने कहा कि सीएए धन्यवाद का पात्र है, जिन्होंने भव्य तरीके से लीग की शुरुआत कराई. सुधा के अलावा अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अमिषा बाखला, विकसित बाड़ा, सूरज मुणि कुमारी, अनिता डुंगडुंग, बबिता कुमारी, ललिता बोईपाई, निशिमा कुमारी और अनीसा उरांव को भी शॉल ओढ़ाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया.

श्रद्धा-भक्ति | वृंदावन धाम से पधारे अनिरुद्धाचार्य, संकल्प-पूजन के साथ होगा महोत्सव का श्रीगणेश

बाला जी मंदिर का वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव आज से

संवाददाता। रांची

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बाला जी मंदिर का तीन दिनी वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव शुक्रवार से प्रारंभ होगा. इसमें भाग लेने के लिए वृंदावन धाम से स्वामी अनिरुद्धाचार्य जी खास तौर से पधार चुके हैं.

रंजन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को स्वामी जी के सान्निध्य में संकल्प, पूजन आदि अनुष्ठान से उत्सव की शुरुआत होगी. शनिवार को सुबह से दोपहर बाद तक पूजा-अर्चना का सिलसिला चलेगा. दिन के साढ़े तीन बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी. भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश श्रीमहालक्ष्मी और भूदेवी के साथ पालकी पर विराजमान हो नगर भ्रमण को निकलेंगे. उन्होंने बताया कि रविवार को भगवान का विवाह रचाया जायेगा. इसके लिए श्रीराण सती मंदिर परिस स्थित स्वामी भगवानदास सत्संग हॉल को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है.

वृंदावन से तिरुपति बाला जी मंदिर पधारे स्वामी अनिरुद्धाचार्य एवं पुजारीगण.

पालकी उठाने को पहुंचा दल

शोभायात्रा में पालकी उठाने के लिए कांचीपुरम से दल और भगवान का विवाह संस्कार संपन्न कराने के लिए दक्षिण से विद्वान श्रीवत्स भट्टर की टोली पहुंच चुकी है. भक्तगन भी भगवान के कल्याणोत्सव में भक्ति लुटाने को उत्साहित हैं. उत्सव शुरू होते मंदिर भक्तों से और भी गुलजार हो जायेगा.

हो जाते हैं चट मंगनी पट ब्याह : भक्तों का मानना है कि तिरुपति बाला जी के उत्सव और विवाह संस्कार में भाग लेने वालों की विवाह संबंधी बाधाएं दूर हो जाती है. प्रभु कृपा से चट मंगनी पट व्याह का संयोग बन जाता है. भक्तों की सारी मनोकामनाएं भी भगवान पूरी करते हैं. इसी भाव से विवाह योग्य लड़के-लड़कियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्सव में भाग लेते हैं.

निभायेंगे यजमान की भूमिका : भगवान के विवाह में वर पक्ष की ओर से रामअवतार नारसरिया, पत्नी शारदा नारसरिया, वधू पक्ष - श्रीदेवी लक्ष्मी की ओर से रमेश कुमार धरनीधरका, पत्नी शशि धरनीधरका और भूमिदेवी की ओर से गौरव गुप्ता, पत्नी रचिता गुप्ता विशाखापट्नम वाले यजमान की भूमिका निभायेंगे. साथ ही 251 संपति सह यजमान के रूप में भाग लेंगे.

एक और दो रुपये के सिक्के लेने से दुकानदार कर रहे हैं इनकार

पियूष गौतम। रांची

पिछले कुछ समय से शहर के कई दुकानदार एक और दो रुपए के सिक्के स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं. यह स्थिति ग्राहकों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन रही है. यह समस्या न केवल ग्राहकों को परेशान कर रही है, बल्कि छोटे लेनदेन में भी बाधा उत्पन्न कर रही है. ग्राहकों का कहना है कि दुकानदार अक्सर यह कहते हुए सिक्के लेने से इनकार कर देते हैं कि ये सिक्के बंद हो गए हैं और बैंक में भी इसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है. यह मजबूरी कई बार ग्राहकों को दुकान से खाली हाथ लौटने पर मजबूर करती है. यह समस्या न केवल ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब बन रही है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है.

सिक्के अस्वीकार करना कानूनी अपराध : आरबीआई

एक और दो रुपये के सिक्के स्वीकार न करने के संबंध में दुकानदारों का कहना है कि इन सिक्कों की गिनती करना और उन्हें संभालना मुश्किल होता है. साथ ही, इन सिक्कों को बैंकों में जमा करवाने में भी परेशानी होती है. हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का स्पष्ट कहना है कि एक और दो रुपए के सिक्के वैध मुद्रा हैं और इन्हें किसी भी लेनदेन में स्वीकार करने से इनकार नहीं किया जा सकता, ऐसा करना कानूनी अपराध है.

मगध कोल परियोजना के कोल स्टॉक में लगी आग, करोड़ों का नुकसान

संवाददाता। रांची

चतरा जिले के टंडवा स्थित मगध कोल परियोजना के कोल स्टॉक में भयंकर आग लग गयी है. जिससे कोयला धू-धू कर जल रहा है. कोयला जलने से सरकार को करोड़ों रुपये के नुकसान होने की आशंका है. जानकारी के मुताबिक मगध कोल परियोजना के कोयला स्टॉक 37, 41, 42 व 44 में कई दिनों से आग लगी है. आग से कोल स्टॉक में रखा लगभग दो मिलियन टन कोयला जल रहा है. माना जा रहा है, कि आग पर काबू नहीं पाया गया, तो लगभग दो अरब का कोयला जल कर स्वाहा हो जायेगा. बताया जा रहा है कि पूर्व में डिस्पैच से ज्यादा उत्पादन कर लिया गया था, जिससे स्टॉक बढ़ गया. वर्तमान में प्रतिदिन 65 हजार टन डिस्पैच व 60 हजार टन उत्पादन हो रहा है. लगभग दो मिलियन टन कोयला का स्टॉक है,

टंडवा के कोल स्टॉक से उठतीं आग की लपटें.

जबकि उत्पादन प्रतिदिन हो ही रहा है. ऐसे में उत्पादन जिस हिसाब से हो रहा है, स्टॉक समाप्त होने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है. वर्तमान में उत्पादन के हिसाब से मात्र पांच हजार टन ज्यादा डिस्पैच हो रहा है, जिससे 20 लाख टन कोयला के स्टॉक के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है. हालांकि सीसीएल द्वारा आग बुझाने का सही से प्रयास नहीं किया जा रहा है, इस वजह से आग और ज्यादा बढ़ रही है.

राजधर रेलवे साइडिंग पर ग्रेडर मशीन में लगी आग

संवाददाता। पिपरवार

पिपरवार क्षेत्र के राजधर रेलवे साइडिंग में गुरुवार को सड़क लेबलिंग का काम कर रही एक ग्रेडर मशीन में अचानक आग लग गई. इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया. इसके बाद सीसीएल के वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई. मौके पर दमकल वाहन पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन ग्रेडर मशीन पूरी तरह से जलकर राख हो गई है. जानकारी के अनुसार राजधर रेलवे साइडिंग में ग्रेडर मशीन रोड लेबलिंग का काम कर रही थी. इस दौरान ग्रेडर मशीन साइडिंग में लगे एक लोहे के बैरियर से टकरा गई. बैरियर से टकराने के बाद मशीन को झटका लगने पर अचानक शार्ट सर्किट के कारण उसमें आग लग गई. आग लगने के बाद ग्रेडर मशीन के ऑपरेटर ने किसी तरह से मशीन से कूद कर अपनी जान बचाई. घटना के बाद वहां

कार्य कर रहे सीसीएल सुरक्षाकर्मी रामजतन गंझू सहित अन्य कर्मियों के अलावे सीआईएसफ के जवान मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें लगातार बढ़ती ही जा रही थी. इसके बाद दमकल वाहन ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया. इधर घटना की सूचना पाकर पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक सीबी सहाय, अशोक परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार, स्टाफ ऑफिसर एक्सावेशन जीएसपी शर्मा, स्टाफ ऑफिसर विद्युत एवं यांत्रिक जेएन दत्ता, एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर अरुण कुमार महतो, साइडिंग मैनेजर अनुज कुमार सहित कई अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली.

15 लाख आदिवासियों व वनाश्रित परिवारों को अधिकार दिलाने की पहल

वन पट्टा दावा का रोड मैप तैयार

प्रवीण कुमार। रांची

चंपाई सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है. खास कर वन पट्टा दावों के निपटारे को लेकर रोड मैप तैयार कर लिया गया है. इससे जुड़े सभी अफसरों की जिम्मेवारी भी तय की जा रही है. बताते चलें कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 झारखंड के लिए महत्वपूर्ण रहा है. मगर आज की तारीख में राज्य के 15 लाख आदिवासियों और अन्य पारंपरिक वन-आश्रित परिवारों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है.

अगर आदिवासियों को वन पट्टा मिल जाता, तो काफी हद तक पलायन, मानव तस्करी, बेरोजगारी और अन्य सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक चुनौतियों से निपटा जा सकता था. पूर्व की हेमंत सरकार ने 6 नवंबर 2023 को राज्य की प्रत्येक पंचायत में आदिवासियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों के बीच वन अधिकार पट्टा के वितरण में तेजी लाने के लिए अबुआ वीर दिशोम अभियान की शुरुआत की थी. लेकिन, राज्य में बदले राजनीतिक घटनाक्रम और लोकसभा चुनाव के कारण यह अभियान परवान नहीं चढ़ सका. राज्य के अफसरों ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया. चंपाई सरकार ने तैयार किया रोड मैपः अब चंपाई सोरेन सरकार ने इसका रोड मैप तैयार किया है. जिसमें अफसरों की जिम्मेवारी भी तय की जाएगी. वन अधिकार पट्टे के दावों को पुनः ग्राम सभा को वापस नियम संगत तरीके से भेजना होगा, त्रुटि पूर्ण आवेदनों में सुधार कर फिर से दावे का निपटारा करना होगा. दावे के सही ढंग से निपटारे की पूरी जिम्मेवारी जिला उपायुक्तों की होगी.

दावों के निपटारे को लेकर अफसरों की जिम्मेवारी तय की जाएगी

- काफी हद तक पलायन, मानव तस्करी, बेरोजगारी पर लगेगी रोक
- हेमंत सरकार ने की थी अबुआ वीर दिशोम अभियान की शुरुआत

अबुआ वीर दिशोम अभियान में अब तक क्या-क्या हुआ

- राज्य के सभी जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए.
- राज्य स्तर पर वन पट्टा देने के लिए सभी जिलों को सरकार ने गाइडलाइन बना कर भेजी है.
- दावे को सही रूप से भरने के लिए ग्रामसभा स्तर पर सरकार ने वीर बंधु नियुक्त किए हैं.
- जिला स्तर पर वन अधिकार पट्टा को लेकर काम कर रहे एनजीओ को भी इंपैनल किया गया है.
- काम में तेजी लाने लिए राज्य के सभी जिलों में एफआरए सेल का गठन किया गया है.

20,679 लंबित दावों के निपटारा का लक्ष्य

अबुआ वीर दिशोम अभियान के तहत, सरकार ने 10,000 गांवों को सामुदायिक वन अधिकार (सीएफआर), लगभग एक लाख परिवारों को व्यक्तिगत वन अधिकार (आईएफआर) प्रदान करने और 20,679 लंबित दावों के निपटारा का लक्ष्य रखा है. एक अधिकारी ने बताया कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए), 2006 का कार्यान्वयन वर्ष 2008 में शुरू हुआ था, लेकिन राज्य में अब तक आईएफआर के रूप में लगभग 60,000 टाइटल और सीएफआर के रूप में 2,000 टाइटल वितरित किए गए हैं.

24 जून को अफसरों के लिए कार्यशाला

अभियान को धरातल पर उतारने के लिए झारखंड सरकार ने 24 जून को कार्यशाला का आयोजन किया है. इसका मकसद संबंधित अफसरों को वन अधिकार अधिनियम और संबंधित प्रक्रियाओं के मूल और सार को समझाना है. साथ ही बेहतर वन प्रशासन और सामुदायिक सशक्तीकरण के लिए सभी समूह के बीच सहयोग व नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है.

कृषकों को समय पर उर्वरक और बीज उपलब्ध कराने का निर्देश

संवाददाता। रांची

रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को डिस्ट्रिक को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी (डीसीडीसी) की बैठक आयोजित हुई. नेशनल को-ऑपरेटिव डेटाबेस अपडेशन की समीक्षा के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि जिला में निबंधित सभी 306 लैम्पस एवं 1893 विशेष प्रकार की सहकारी समितियों का अद्यतन डाटा अपलोड किया जा चुका है, जिसमें से सभी 306 लैम्पस एवं 374 विशेष प्रकार की सहकारी समितियां कार्यरत हैं. नई बहुउद्देशीय लैम्पस, डेयरी, मत्स्यजीवी सहकारी समितियों की स्थापना पर विचार करते हुए डीसी द्वारा अधिक से अधिक मत्स्यजीवी सहयोग समिति का निबंधन करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि बड़े तालाबों के लिए भी मत्स्यजीवी सहयोग समिति का गठन करने की कार्यवाही करें.

आगामी खरीफ मौसम को देखते हुए जिला के कृषकों को ससमय उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराने का निर्देश उपायुक्त द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी रांची को दिया गया. साथ ही, जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि उर्वरक एवं बीज अनुज्ञप्ति हेतु प्राप्त आवेदनों का निपटारा यथाशीघ्र करें. साथ ही सहकारी समितियों को गोदाम एवं कार्यालय हेतु जमीन का आवंटन एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर गोदाम निर्माण हेतु चिह्नित भूमि का चेक स्लिप बनवाते हुए अग्रेतर कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया. जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया जिला में सभी 306 लैम्पस द्वारा झारखंड राज्य सहकारी बैंक से संबद्धता प्राप्त कर ली गई है. 17 लैम्पस सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड रांची से संबद्ध हैं. डीसी ने सहकारी बैंक के प्रतिनिधि को बैंक में अधिक से अधिक किसानों का खाता खोलने और केसीसी की सुविधा देने का निर्देश दिया गया.

डीलिस्टिंग बिल सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

कांके। बोड़ेया गांव के पुराना पंचायत भवन बोड़ेया में (शिव मंदिर के समीप) जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक की गई, जिसमें आगामी जनजाति सुरक्षा मंच के दिल्ली चलो कार्यक्रम, पोस्टकार्ड के माध्यम से डीलिस्टिंग बिल पास करने हेतु प्रधानमंत्री को खत लिखना, प्रखंड या जिला स्तरीय एकदिवसीय डीलिस्टिंग बिल पास करने हेतु धरना के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाना व अन्य कई विषयों पर चर्चा की गई. सभी ने एक स्वर से कहा कि ईसाई कभी भी आदिवासी नहीं हो सकता है और आज तक जनजातियों का आरक्षण का लाभ धर्मांतरित ईसाई और मुस्लिम लेते आ रहे हैं और हम सभी संकल्प लेते हैं कि जब तक डीलिस्टिंग का बिल पास नहीं करायेंगे, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे. डीलिस्टिंग बिल पास होने से धर्मांतरित ईसाई एवं मुसलमानों को जनजातियों का आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाएगा. तत्पश्चात मूल जनजातियों को अपना हक और अधिकार और आरक्षण का लाभ सीधे-सीधे मिलेगा. बैठक में मुखिया सोमा उरांव, मुखिया गुरु चरण मुंडा, मुखिया रजनी देवी, जनजाति सुरक्षा मंच के प्रमुख पहान विमल पहान, विश्वकर्मा पहान, कैलाश मुंडा, जय मंगल उरांव, सतीश उरांव, प्रदीप पहन, प्रवीण पहान, विक्रम उरांव, बहादुर पहान, डॉक्टर प्रकाश उरांव व अन्य उपस्थित थे.

दो बाइक में हुई भीषण टक्कर में तीन की मौत, दो घायल हुए

घायल जुलकर नैन को देखने पहुंचे परिजन

- लापुंग के लतरातु डैम की मुख्य सड़क पर हुआ हादसा

संवाददाता। लापुंग

लापुंग थाना क्षेत्र के लतरातु डैम के ऊपर सड़क पर दो बाइकों की भीषण टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए. मृतकों में होंडा बाइक सवार फतेहपुर निवासी 16 वर्षीय साहिल मियां और बिरदा निवासी 15 वर्षीय फैसल आलम एवं पल्सर बाइक सवार भरनो गढ़हा टोली निवासी 22 वर्षीय प्रतिकेश्वर उरांव शामिल हैं. घायलों में सिलमा बिरदा निवासी 18 वर्षीय जुलकर नैन तथा भरनो गुलैची टोली निवासी 20 वर्षीय मंगरा उरांव शामिल हैं. दोनों घायलों को बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में रिम्स भेज दिया गया. घटना की सूचना मिलते ही मुखिया अलका तिर्की एवं विधायक प्रतिनिधि सुजीत तिर्की घटनास्थल पहुंचे. बाद में पुलिस भी वहां पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो भेजा.

सूत्रों के अनुसार होंडा बाइक में सवार होकर साहिल, फैसल और जुलकर नैन लतरातु डैम गए थे. वहीं पल्सर बाइक पर सवार होकर भरनो गढ़हा टोली निवासी 22 वर्षीय प्रतिकेश्वर उरांव एवं भरनो गुलैची टोली निवासी 20 वर्षीय मंगरा उरांव अपने किसी मित्र का बर्थडे मनाने लतरातु डैम गए थे. इसी दौरान लतरातु डैम में बनी चौड़ी सड़क पर तेज गति होने के कारण दोनों बाइकों में भीषण टक्कर हो गई. बाइक सवारों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था. टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही होंडा बाइक पर सवार 16 वर्षीय साहिल मियां एवं फैसल आलम की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं दूसरी बाइक पर सवार 22 वर्षीय प्रतिकेश्वर उरांव ने भी अपनी जान गंवा दी. लतरातु डैम में खुशियां मातम में बदल गई. लापुंग पुलिस तीनों युवकों के शवों का पंचनामा कर थाना ले गई.

ब्रीफ खबरें

बुढ़मू में वज्रपात से महिला की मौत

बुढ़मू। बुढ़मू में हुई जोरदार बारिश व वज्रपात से एक महिला की मृत्यु हो गई. मृतक बुढ़मू पाहन टोली निवासी गीता कुमारी (25) है. परिजनों ने बताया कि महिला अपने पति के साथ सुबह 4 बजे शौच के लिए घर से बाहर गई थी. इसी दौरान वज्रपात हुई और वह वज्रपात की चपेट में आ गई, जिससे मौक़े पर ही उसकी मौत हो गई.

ठाकुरगांव साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी

बुढ़मू। ठाकुरगांव साप्ताहिक बाजार से गुरुवार को अज्ञात चोरों ने एक बाइक चोरी कर ली. जानकारी के अनुसार बरौदी निवासी बचन साहू अपनी बाइक से अपने भाई के श्राद्धकर्म के लिए सब्जी खरीदने ठाकुरगांव बाजार गया था. सब्जी खरीदकर वह जब अपनी बाइक के पास पहुंचा तो बाइक गायब थी. काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल पाया. विदित हो कि थाना क्षेत्र के बाजारों से मोबाइल व बाइक चोरी की घटना इन दिनों काफी बढ़ गई है. थाना प्रभारी विनीत कुमार ने कहा कि जल्द ही चोर गिरोह को पकड़ा जायेगा.

मधुबन में एनआईए की दबिश, खंगाले कागजात

पीरटांड़। जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मधुबन में मजदूर संगठन समिति के कई नेताओं ने घरों पर एनआईए ने दबिश दी है. जानकारी के मुताबिक सुबह पांच बजे ही एनआईए पहुंची थी और देर शाम तक छापेमारी चलती रहीं. समिति के नेताओं के साथ-साथ उनके रिश्तेदारों के यहां भी जांच एजेंसी पहुंची. नेताओं के घरों में कागजातों को खंगाला गया. सूत्रों का कहना है कि मजदूर संगठन समिति के नेता अजीत राय, द्वारिका राय, मनोज महतो, सूरज तुरी, अनिल किस्कु, बसंत कर्मकार आदि के घरों पर एनआईए ने दबिश दी.

मंदिर में असामाजिक तत्वों ने मचाया उत्पात

बुंडू। सूर्य मंदिर परिसर में बुधवार संध्या आरती के पूर्व असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचाया. उक्त आरोप लगाते हुए संस्कृति विहार के संयोजक प्रमोद कुमार ने बुंडू थाने में लिखित सूचना देकर असामाजिक तत्वों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है. आवेदन में प्रमोद कुमार ने कहा कि असामाजिक तत्वों की संख्या तीन-चार थी, वे शराब के नशे में भी थे. उन्हें जब मना किया गया तो वे मारपीट पर उतारु हो गए. परिसर में भास्कर सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रावास में रह रहे बच्चों, जो आइसक्रिम हेतु ठेले के निकट पंक्ति में खड़े थे, उन्हें भी डराया धमकाया गया. जब पुलिस को सूचना दी गई तो वे वहां से फरार हो गए. इस दौरान मंदिर पहुंचे भक्तों में भी अफरा-तफरी का माहौल रहा.

ट्रेन से यात्रा के दौरान गिरने से पैर कटा

सिल्ली/मुरी। एलेप्पी धनबाद ट्रेन से यात्रा के दौरान गिरने से बोकारो बालीडीह की रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती पूजा कुमारी का बाया पैर कट गया एवं दाहिना पैर बुरी तरह से जख्मी हो गया. सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला ट्रेन में बाथरूम की ओर जा रही थी. इसी क्रम में उसका दुपट्टा कहीं फंस गया और वह ट्रेन से नीचे गिर गई एवं दुर्घटनाग्रस्त हो गई. सूचना मिलते ही सहायक मंडल चिकित्सा पदाधिकारी जे कच्छप, रेलवे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी नरेश घासी तथा अन्य कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे और घायल युवती का प्राथमिक उपचार कर एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली लाया गया, जहां से बेहतर इलाज हेतु उसे रांची भेज दिया गया. युवती के पति अर्जुन बाऊरी ने बताया कि वे लोग ट्रेन से मुरी से झालदा की ओर जा रहे थे. मौके पर रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारी भी मौजूद थे.

सड़क दुर्घटना में दो महिलाएं हुईं घायल

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रामपुर के पास बांद्रागाढ़ा के नजदीक मोटरसाइकिल पर सवार दो महिला घायल हो गई. निरला देवी (35) एवं ठुमकी देवी (50) मोटरसाइकिल पर सवार होकर यूनियन बैंक के मुरी शाखा में कुछ काम से आई थी. काम हो जाने के पश्चात अपने घर वापस जाने के क्रम में एक अज्ञात कार ने धक्का मार दिया. उन्हें सिल्ली सामुदायिक अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार कर उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया.

न्यूज अपडेट

सात जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को शो-कॉज

रांची। गुरुवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने बेड़ो प्रखण्ड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान डीएसओ ने सात जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को शो-कॉज जारी किया. औचक निरीक्षण के दौरान सूचना पट में स्टॉक नहीं दर्शाने, गोदाम का दरवाजा बंद रखने, वेट मशीन के साथ बटखरा पाए जाने, दुकान में कार्डधारियों की अनुपस्थिति में राशन कार्ड जमा करने, अंगूठा लेकर दो-तीन दिन बाद दाल वितरण करने एवं दुकान बंद रखने की अनियमितता पायी गयी.

मैन्युअल सिविल इंजीनियरिंग कॉन्ट्रैक्ट पर कार्यशाला

पिपरवार। बचरा ऑफिसर्स क्लब में गुरुवार को मैन्युअल सिविल इंजीनियरिंग कॉन्ट्रैक्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें सीसीएल के पांच क्षेत्रों के अधिकारी शामिल हुए, जिनमें पिपरवार, एनके एरिया, आम्रपाली-चन्द्रगुप्त, मगध-संघमित्रा एवं रजहरा एरिया के सिविल अधिकारी शामिल थे. मुख्य अतिथि के रूप में पिपरवार क्षेत्र के स्टॉफ ऑफिसर सिविल सह मुख्य प्रशिक्षक सुमन कुमार और विशिष्ट अतिथि में स्टॉफ ऑफिसर पीएंडपी दिलिप कुमार शर्मा मौजूद थे. पिपरवार क्षेत्र के सिविल इंजीनियर शुभम कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन पिपरवार क्षेत्र के कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी नागेश गोपालन ने किया.

गुमला व लातेहार में ब्राउन शुगर के साथ पांच पकड़े

बरवाडीह (लातेहार)। पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ वेंकटेश कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि एक बाइक पर सवार होकर दो लोग ब्राउन शुगर की बिक्री के लिए कुटमू मार्ग होते हुए गढ़वा जाने वाले हैं. सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया. टीम के सदस्यों ने दबिश देकर कुटमू के हड़पड़वा के पास दोनो लोगों को बाइक समेत पकड़ा. तालाशी में दोनों के पास से 12 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया. गिरफ्तार आरोपियों में गढ़वा जिले के चौटर का रहनेवाला नीरज कुमार और गुमला जिले के पालकोट निवासी पंकज कुमार साहू शामिल है.

बालक वर्ग में लांधूपडीह और सोनहातू ने जीती ट्रॉफी

सोनाहातू। प्रखंड के थाना मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंडर 17 बालक वर्ग के मुकाबले में प्लस टू विद्यालय लांधुपडीह की टीम ने प्लस टू विद्यालय सोनाहातू को दो गोल से पराजित किया. विजेता प्लस टू लांधूपडीह अब जिला स्तर में खेलेगी. इधर, बालक वर्ग के अंडर 15 का फाइनल मुकाबला मिडिल स्कूल सोनाहातू और मिडिल स्कूल जिंतु के बीच हुआ, जिसमें सोनाहातू एक गोल से विजयी रहा. टूर्नामेंट समापन पर प्रमुख विक्टोरिया देवी, बीडीओ खगेश कुमार, बीईओ विमलकांत झा आजसू प्रखंड अध्यक्ष सुषेन प्रमाणिक, झरिया महतो, विपिन पाल, श्यामल दास, इंद्रजीत बैठा, शिक्षक विंदेश्वर महतो उर्फ डिप्टी महतो आदि मौजूद थे.

मादक पदार्थों के खिलाफ हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

रांची। मारवाड़ी कॉलेज में मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु जागरूकता सप्ताह के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन हुआ. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं उसके रोकथाम से संबंधित प्रश्न पूछे गए. इस अवसर पर एन.सी.सी. केयर टेकर ऑफिसर सह सहायक प्राध्यापक डॉ. अवध बिहारी महतो एवं सहायक प्राध्यापिका सह छात्राओं की केयर टेकर ऑफीसर संगीता तिग्गा ने कैडेटों को नशा से दूर रहकर अपने मंजिल को हासिल करने के लिए प्रेरित किया. एन.सी.सी. के केयर टेकर ऑफिसर सह सहायक प्राध्यापक डॉ. अवध बिहारी महतो एवं सहायक प्राध्यापिका सह छात्राओं की केयर टेकर ऑफीसर संगीता तिग्गा ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम लिखित रूप में आयोजित कराया.

डुमरी और गिरिडीह में आजसू पार्टी की आभार यात्रा

रांची/गिरिडीह। आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ने डुमरी और गिरिडीह विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी की ओर से निकाली गयी आभार यात्रा में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने डुमरी और गिरिडीह विधानसभा की जनता का लोकसभा चुनाव में चंद्र प्रकाश चौधरी के पक्ष में दिए जनादेश के लिए आभार प्रकट किया. उहोंने कहा कि राज्य की उन्नति के प्रति हमारी सोच और हमारा ध्येय व्यापक है. लोकसभा चुनाव में सुदूर गांवों में बसने वाले ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. इससे लोकतंत्र को बल मिला है. शहर हो या गांव हमें सभी जगह के मतदाताओं ने अपना प्यार और आशीर्वाद दिया है. उनकी सेवा और क्षेत्र का विकास हमारा दायित्व. हम इस दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे. उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश लोगों को सकारात्मक धारा से जोड़ने की है. राज्य को विकास के हर मापदंड पर आगे ले जाने की हमारी तैयारी है. जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को दूर करने की दिशा में हम काम करेंगे. राष्ट्रीय स्तर पर विस्थापन और भूमि अधिग्रहण के मुद्दों पर हमारे सांसद मुखरता के साथ जनता की आवाज़ बनेंगे. पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने स्व. बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

पहल विद्यालय के विकास व वातावरण निर्माण में बाल संसद की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रकाश उरांव

मध्य विद्यालय ककरिया में बाल संसद का हुआ गठन

संवाददाता। लापुंग

प्रखंड के ककरिया संकुल अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया में प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश उरांव की देखरेख में बाल संसद का गठन किया गया. बैठक का पर्यवेक्षण संकुल साधन सेवी सुनील कुमार गुप्ता ने किया. सर्वसम्मति से बाल संसद का प्रधानमंत्री के रूप में किशोर उरांव का चयन किया गया. करतल ध्वनि से छात्र-छात्राओं ने उनका समर्थन किया. वहीं बाल संसद के गठन के दौरान जयंती कुमारी को स्वास्थ्य मंत्री, राहुल गोप को शिक्षा मंत्री, नीरज राम को स्वच्छता मंत्री, अनिकेत कुमार लोहरा को सुरक्षा एवं न्याय मंत्री बनाया गया. अनंत कुमार को पोषण मंत्री, अनुष्का कुमारी को उपस्थिति मंत्री, नीरज मुंडा को पर्यावरण मंत्री, सुमन कुमारी को कौशल विकास मंत्री, अंजनी कुमारी को खेलकूद एवं संस्कृति मंत्री तथा लक्ष्मी उरांव को सर्वसम्मति से संचार एवं संपर्क मंत्री बनाया गया. इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने बाल संसद के सभी मंत्रियों को बधाई दी. इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश उरांव ने कहा कि विद्यालय के विकास और वातावरण निर्माण में बाल संसद की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने कहा कि बाल संसद के बच्चों को भी अपनी जिम्मेवारियों को निभाना होगा. वहीं सहायक शिक्षक सूरज प्रसाद सिंह ने कहा कि स्कूल के प्रत्येक गतिविधियों का नेतृत्व बाल संसद के द्वारा की जाती है. वहीं कालीचरण चौधरी ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली से विद्यालय का संचालन कैसे हो और विद्यालय के विकास में बाल संसद कैसे भूमिका निभाएगी यह विद्यालय प्रबंधन समिति और विद्यालय के शिक्षक मिलकर तय करेंगे. वहीं बाल संसद गठन का संचालन करते हुए वरिष्ठ शिक्षक उत्तम कुमार मंडल ने कहा कि विद्यालय की साफ सफाई, विद्यालय में पौधरोपण, पोषण वाटिका निर्माण, विद्यालय में अनुशासन तथा गुणवत्ता युक्त शिक्षा के वातावरण निर्माण के लिए बाल संसद की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. इस मौके पर सहायक अध्यापक मो समीउल्लाह हक, जितेंद्र मुंडा सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे.

प्रभारी शिक्षकों के साथ नवगठित बाल संसद के प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्री.

कतरास में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप, दो युवक गिरफ्तार

संवाददाता। कतरास

कतरास थाना क्षेत्र की जरलाही बस्ती की 12 साल की बच्ची के साथ तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया. पुलिस ने गुरुवार की देर शाम दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के अनुसार तीन युवकों ने नाबालिग के साथ दरिंदगी की. तीनों नाबालिग को बहला-फुसलाकर कर जलराही और अकाश किनारी बस्ती के बीच झाड़ियों में ले गए और उसे अपनी हवश का शिकार बनाया. दरिंदों ने नाबालिग का एक वीडियो भी बनाया है. नाबालिग के विरोध करने पर तीनों युवकों ने वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी. डर से बच्ची अपने घर वालों को कुछ नहीं बता रही थी. लेकिन बार-बार युवकों द्वारा वीडियो वायरल करने की धमकी देने पर देर शाम उसने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी. परिजनों ने तुरंत कतरास थाना पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी. थाना प्रभारी असीत सिंह ने त्वरित कार्रवाई कर अकाश किनारी मैदान के पास दो युवकों को दबोच लिया.

खास बातें

- दरिंदों ने दुष्कर्म के बाद बच्ची का वीडियो भी बनाया
- वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य का साथ मिलेगा. कार्य के प्रभाव से धन प्राप्ति सुगम होगी. वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है. परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा.

वृषभ मानसिक तनाव हो सकता है. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक. पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है. विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगा. इत्र दान करें.

मिथुन लाभ के अवसर मिलेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है. आर्थिक उन्नति होगी. सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे. अन्न का दान करें.

कर्क पेट में कोई कष्ट हो सकता है. लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें. संतान की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी. कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है. वाद-विवाद से दूर रहें.

सिंह यात्रा से मन में प्रसन्नता रहेगी. कर्म के प्रभाव से धनार्जन होगा. सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा. पुरुषार्थ सफल होगा. वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए. व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे.

कन्या शिक्षा में सुधार होगा, पर वाणी पर नियंत्रण रखें. आत्मसम्मान बना रहेगा. सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे. पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी. जोखिम के कार्यों से दूर रहें. अनार का दान करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. मान-सम्मान में कमी होगी. पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. किसी से बहस न करें. काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं.

वृश्चिक किसी परिचित का कोई दुःखद समाचार मिल सकता है. दौड़धूप अधिक होगी. वाणी पर संयम रखें. विरोधियों से सावधान रहें. परिवार की परेशानी का हल संभव है. भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी. शिव मंदिर में पूजा अर्चना करें.

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. कार्य होने से मन में प्रसन्नता रहेगी. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं. नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे. धन का संग्रह होगा. सब्जी का दान करें.

मकर उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. संतान की प्रगति होगी. व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा. पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी. मन प्रफुल्लित रहेगा.

कुंभ खर्च में वृद्धि होगा. दूर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. इसके प्रभाव से प्रसन्नता रहेगी. संतान के संबंध में संतोष रहेगा. व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा. शनि को बल दें.

मीन संतान से लाभ मिलेगा. आय के लिए दिन अच्छा है, पर जोखिम व जमानत के कार्य टालें. खर्च का बोझ बढ़ेगा. किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें. व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है.

झारखंड में पानी की बूंदों ने आग उगलती गर्मी से निजात दिलाई, सात जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

बारिश ने दिलाई लू से राहत, सभी जिलों का पारा 40 डिग्री से नीचे रहा

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में पानी की बूंदों ने आग उगलती गर्मी से निजात दिलाई है. झारखंड में सभी जिलों का पारा 40 डिग्री से. रहा नीचे आ गया है. गुरुवार को दोपहर के बाद बोकारो, गढ़वा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, रांची, सिमडेगा और पलामू में जमकर बारिश हुई. वहीं किसी भी जिले में हीट वेव नहीं रहा. बारिश के बाद झारखंड में मौसम सुहाना हो गया. बारिश के बाद 6 डिग्री तक तापमान में गिरावट दर्ज की गई. झारखंड में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 38.7 डिग्री दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार बारिश के बाद अगले 24 घंटों के दौरान

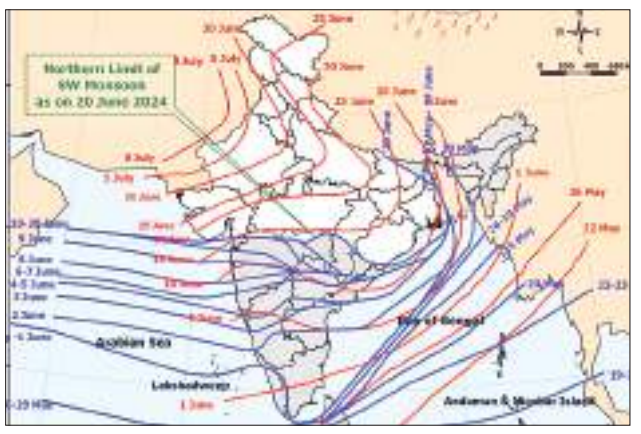

अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री से. की गिरावट की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन व आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई. सबसे अधिक वर्षा 63.5 एमएम खूंटी में दर्ज की गयी.

26 जून तक बारिश के आसार

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 26 जून तक राज्य में कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की प्रबल संभावना है. शुक्रवार को राज्य के सात जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. राज्य के उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, सरायकेला खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश की संभावना है.

तीन दिनों में मॉनसून प्रवेश कर सकता है

3 से 4 दिनों में मानसून झारखंड में प्रवेश करने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर, गुजरात राज्य, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, पश्चिम बंगाल के गंगा के कुछ हिस्सों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों, झारखंड के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ और हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं.

शहर का तापमान

रांची	33.4	21.6	देवघर	35.3	26.1
जमशेदपुर	35.7	27.7	गढ़वा	37.7	26.1
डालटनगंज	37.8	25.5	सरायकेला	37.2	26.7
बोकारो	36.1	26.6	गोड्डा	38.7	28.0
चाईबासा	38	23.6			

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने नीट में गड़बड़ी पर निशाना साधा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री और एनटीए के चेयरमैन को गिरफ्तार किया जाए

विशेष संवाददाता। रांची

शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भ्रष्टाचार हुआ, तो यह भयानक संकट को द्योतक है. इस मामले में प्रधानमंत्री पूरी तरह से मौन हैं. शिक्षा मंत्री की मिलीभगत है. झामुमो की मांग है कि सीबीआई एनटीए चेयरमैन और मानव संसाधन विकास मंत्री को गिरफ्तार करे. प्रधानमंत्री भी मंत्री को बर्खास्त करें. इन दोनों की गिरफ्तारी के बगैर सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी. यह भाजपा की मिलीभगत है. इसे देश कतई बर्दाश्त नहीं करेगा. हमारे राज्य के कई छात्रों को नीट, नेट में है, उनको भी कहीं न कहीं मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया गया है. झामुमो राज्य सरकार से मांग करता है कि जितने कोचिंग संस्थान हैं, सभी की ऑडिट कराते हुए जांच करायी जाए. मोटे-मोटे पैसे लेकर खेल हुआ है, क्योंकि यहां भी मोटे-मोटे लोग हैं, जो पैसे लेकर हमारे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. राष्ट्रपति से आग्रह है कि वह मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, बिहार और यूपी इन राज्यों पर भी अपनी निगाहें खोल कर रखें. आखिर ये राज्य क्यों इस तरह भ्रष्टाचार के सेंटर होते हैं. उक्त बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहीं. वे पार्टी दफ्तर में मीडिया से बात कर रहे थे.

भाजपा शासित राज्यों में हो रही हैं इस तरह की गड़बड़ियां : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सप्ताह दस दिन में ही जिस प्रकार से केंद्र सरकार की नामाकामियां सामने आ रही हैं, जिस प्रकार का भ्रष्टाचार, अनियमितता छात्रों के साथ हो रहा है, 24 लाख नीट अभ्यार्थियों के साथ जैसा हुआ, नौ लाख यूजीसी नेट के जो अभ्यार्थी थे, उनके साथ भी बड़ा असभ्य तरीके से एनटीए ने व्यवहार किया. हमलोगों ने शुरू से इस बात को कहा था एनटीए के गठन के पीछे भाजपा की संघीय सोच थी. उसके भ्रष्टाचार की शुरूवात व्यापम घोटोले से हुई थी, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान थे. कई लोगों की उस घोटाले में हत्याएं भी हुईं. वहीं मॉडल एनटीए में लाया गया. नीट और यूजीसी भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है. संयोग से या प्रयोग से. उसका एपिक सेंटर गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तरप्रदेश है, जहां भाजपा की सरकार है. सारे फर्जी लोग, सारे फर्जीवाड़े में शामिल लोग इन्हीं सरकारों के संरक्षण में पलते-बढ़ते हैं.

- राष्ट्रपति परीक्षा घोटोल के इपिक सेंटर राजस्थान, गुजरात, बिहार, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश पर अपनी निगाहें खोलें
- रांची-झारखंड के कोचिंग संस्थानों की ऑडिट और जांच यहां की सरकार कराए, क्योंकि हमारे राज्य के छात्रों का भविष्य खतरे में है

पीएम मोदी के राज में हो रहे हैं शिक्षा घोटाले

भट्टाचार्य ने कहा कि कल प्रधानमंत्री जी नालंदा आए थे, बहुत बड़ी-बड़ी बातें कह कर गए. ज्ञान का केंद्र बनाना है, विश्व स्तर पर ले जाना है. लगता है अभी भी चुनावी मोड में हैं. उन्हें लग ही नहीं रहा है कि जनता ने उन्हें नकार दिया है. 18 को परीक्षा होती है, 19 को दिन में प्रधानमंत्री का शिक्षा पर बड़ी-बड़ी बातें होती है और रात को परीक्षा रद हो जाता है. यूजीसी सिनेट क्या था. उच्चस्तर शिक्षा का एक प्रवेश द्वार है. जहां लोग शिक्षक बनते हैं, शोध करते हैं. आप ने उस पर कालीख पोतने का काम किया.

अनियमितता से डॉक्टर बनने वालों से देश को खतरा

भट्टाचार्य ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी कंर्सन है. नीट को परीक्षा को लेकर कि कदाचार से छात्र अगर डॉक्टर बनते हैं तो लोगों का जीवन को खतरा है. पहले हमलोगों ने कोरोना वायरस के समय जो टीके लगे, अब खुलासा हुआ कि उससे प्राण नाश होता है. संभावनाएं बढ़ जाती है. अब इस तरह के डॉक्टर आएंगे.

भाजपा नेताओं के संरक्षण में चल रहे हैं कोचिंग सेंटर

उन्होंने कहा कि सरकारी यूनिवर्सिटी तो गया. यहां पर मोटी-मोटी रकम लेकर भाजपा के नेताओं के कोचिंग संस्थान पूरे देश में फल-फूल रहे हैं. पूरा गुजरात लॉबी इसमें समाया हुआ है. राजस्थान के कोटा में व्यापक रूप में यह काम चल रहा है. कौन लेगा एनटीए का गांरटी. उनके चेयरमैन जोशी जी उनका इन्कीलेशन क्या है. इससे पहले वे यूपीएससी में रहे, वहां भी सवाल उठे थे. जब तक आप संस्थानों को पारदर्शी और इमानदार नहीं बनाएंगे.

जातिगत जनगणना के लिए सरकार को दी बधाई

झामुमो ने चंपाई सोरेन सरकार को जातीय जनगणना व सरना धर्म को लेकर लिए गए बहुप्रतीक्षित और पौने चार करोड़ लोगों की आकांक्षा से जुड़ी विषय पर निर्णय लिए जाने के लिए पार्टी की ओर से सरकार को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद दिया है. कहा कि यह झारखंड के पौने चार करोड़ की अस्मिता से जुड़ा मुद्दा रहा है. साथ ही साथ कहा कि जनजातीय भाषा साहित्य अकेडमी के गठन और क्षेत्रीय भाषा साहित्य अकेडमी के गठन की बातों पर निर्णय लिया जाना भी माइल स्टोन है.

डॉ कहकशां परवीन के निधन पर शोकसभा

जमशेदपुर। उर्दू भवन जमशेदपुर, शायकीने शेर-व-अदब जमशेदपुर तथा अदब इस्लामी जमशेदपुर तीनों साहित्यिक संस्थाओं संयुक्त रूप से गुरुवार को डॉ कहकशां परवीन (67) के देहांत पर शोकसभा की. सभा कथाकार डॉ अख्तर आजाद के आवास पर हुई. इसकी अध्यक्षता उर्दू भवन जमशेदपुर के अध्यक्ष डॉ हसन इमाम मलिक ने की. सभा में प्रो अहमद बद्र, डॉ अफसर काजमी, तनवीर अख्तर रूमानी, प्रो गौहर अजीज, डॉ अख्तर आजाद, रिजवान औरंगाबादी व सैयद साजिद परवेज के अलावा शहर के कई साहित्य प्रेमी शामिल हुए. सभा में तनवीर अख्तर रूमानी ने बताया कि डॉ कहकशां परवीन उर्दू की जानी-मानी अदीबा तथा रांची विश्वविद्यालय उर्दू विभाग की भूतपूर्व अध्यक्ष थीं. वे विगत कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं. उनका इलाज मेदांता हॉस्पिटल दिल्ली में चल रहा था. पिछले 17 जून को उनका देहांत हो गया. वे रांची विश्वविद्यालय से 31 जनवरी 2023 को सेवानिवृत हुई थीं. प्रो अहमद बद्र तथा डॉ अख्तर आजाद ने स्व डॉ कहकशां परवीन की साहित्यिक सेवाओं तथा उनके द्वारा लिखित पुस्तकों पर विस्तार से प्रकाश डाला.

पेज एक का शेष

पीएम पेपर लीक रोक....

रूस-यूक्रेन का युद्ध रुकवा दिया, पेपर लीक नहीं रोक पा रहे : कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रायबरेली सांसद सरकार को घेरते हुए कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक हुआ है. कहा जा रहा है नरेंद्र मोदी जी ने रूस यूक्रेन की लड़ाई रुकवा दी थी. इसराइल और गाजा के बीच में चल रही लड़ाई मोदी जी ने रुकवा दिया था, लेकिन किसी न किसी कारण हिंदुस्तान में पेपर लीक हो रहे हैं, उसको नरेंद्र मोदी रोक नहीं पा रहे हैं या रोकना नहीं चाहते हैं.

मोदी को नहीं आता सरकार चलाना : जो नियम एक पेपर में लागू हुआ, वही नियम दूसरे पेपर में भी लागू करना चाहिए. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. अब लोग चुप नहीं रहने वाले, सरकार पंगु है, एक पैर पर टिकी है. प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान स्पीकर चुनाव पर है. वो मनोज्ञानिक रूप से टूट गए हैं. इस तरह की सरकार चलाना उन्हें नहीं आता. बनारस में उनकी कार पर किसी ने चप्पल फेंक दिया. पहले कांग्रेस नहीं डरती थी, अब देश में कोई नहीं डरता. 56 इंच की छाती 30-32 हो गई है. पीएम मोदी के काम करने का तरीका डराने धमकाने वाला है, लेकिन अब कोई नहीं डरता. इनकी पार्टी में, आरएसएस में दिक्कत है.

न परवाह, न ...

अगर हर छात्र को परीक्षा देने में 2000 रुपए भी खर्च करने पड़े होंगे, तो उनके 180 करोड़ रुपए डूब गए. नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला अभी चल ही रहा है. परीक्षा लाने वाली एजेंसी एनटीए ही है, और वो पहले से सवालों के घेरे में है. गलत तरीके से 67 छात्रों को टॉप कराया गया. 1500 से अधिक छात्रों को फिर से परीक्षा देनी होगी. इस बीच बिहार पुलिस का वह बयान सार्वजनिक हो गया है, जिसमें आरोपी ने स्वीकार किया है कि प्रश्न पत्र लीक हुआ था. इस परीक्षा को भी रद्द करने की मांग देश भर में हो रही है. इस परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे. यानी आर्थिक पहलू को देखें तो 400 करोड़ रुपए से ज्यादा स्वाहा हो गए. इतना ही नहीं इससे कई गुणा राशि कोचिंग पर भी खर्च हुए होंगे. केंद्र सरकार को तो चिंता नहीं है, यह स्पष्ट है. सिस्टम को तो न परवाह है, न शर्म ही आती है. अब समाज को भी इसकी चिंता नहीं. आप भी बस गर्व करते रहिए. इसी तरह हम विश्वगुरु बन जाएंगे.

अवध में जाति आई...

वह महाराष्ट्र को छूती हुई राजस्थान और उत्तरप्रदेश पहुंच गयी. इसी बीच बीके सिंह का टिकट कट गया. संजीव बालियान और संगीत सोम में भिडंत हो गयी. अनुप्रिया पटेल और विजय सोनकर ने राजा भैया को चिढ़ा दिया. इस आग में केशव प्रसाद मौर्य ने अपने बयान से घी डाल दिया. ओमप्रकाश राजभर जैसे नेताओं को साथ लाने और माथे पर बैठाने से सवर्ण बिदक गये. मुंबई हमले के लिए संघ को जिम्मेदार ठहरानेवाले वाले कृपाशंकर सिंह को जौनपुर से उतारकर जले पर नमक छिड़क दिया गया. जहां अखिलेश यादव हर हफ्ते समीकरण के हिसाब से उम्मीदवार बदल रहे थे, वहीं अपनी प्रचंड जीत के प्रति आश्वस्त भाजपा ऐरे-गैरे, नत्थू खैरे उम्मीदवारों पर दावं लगा रही थी. वह यह समझने को तैयार ही नहीं थी कि राम भी उसी की मदद करते हैं जो अपनी मदद खुद करता है. उसे अवध में राम आये हैं तो दिख रहा था, लेकिन चुनाव में वहां जाति आई है की भनक तक नहीं लगी.

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह रही कि यह चुनाव राष्ट्रीय स्तर का तो था, पर लड़ा गया प्रदेश स्तर पर. हर प्रदेश में लड़ाई का रंग-ढंग अलग था. झारखंड में सभी एसटी सीटें फिसल गईं. दुमका में सुनील सोरेन ने शिबू सोरेन को हराया था. लेकिन उनकी जगह झामुमो से लाई गई सीता सोरेन को टिकट थमा दिया गया और वह नलिन सोरेन से हार गईं. गीता कोड़ा में कौन सुरखाब के पर थे जो उन्हें टिकट दिया गया. लोहरदगा में समीर उरांव निहायत फिसड्डी प्रत्याशी थे. वह 2005 में सिसई तब जीते थे जब बंदी उरांव कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय लड़ गये थे. आशा लकड़ा को जनजातीय आयोग में एक कुर्सी देकर बैठा दिया गया, जबकि वह लोहरदगा के लिए सुदर्शन भगत का मजबूत विकल्प थीं.

बिहार में भाजपा आलाकमान के चहेते पवन सिंह ने निर्दलीय लड़कर तीन सीटें काराकाट, आरा और औरंगाबाद हरवा दीं. पिछड़ों ने आरा और औरंगाबाद में भाजपा के राजपूत प्रत्याशियों को वोट ही नहीं दिया. बक्सर में आनंद मिश्र ने भाजपा का खेल खराब कर दिया. एक ओडिशा छोड़कर भाजपा ने कहीं भी उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया. दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल में जाति नहीं चली. अरुणाचल अभी उसका गढ़ बना हुआ है. महाराष्ट्र में अजित पवार और अशोक चव्हाण को लेकर वह गाली भी खाई और जीत भी नहीं पाई. यानी जात भी गई और भात भी नहीं मिला. क्या यह फैसला अकेले देवेंद्र फडणनवीस का था ? नहीं, यह ऊपर का निर्णय था. भाजपा का दरवाजा हर आम और खास के लिए खुला था. फिर कार्यकर्ता सुस्त नहीं पड़ते तो क्या करते ? इतना तो पहले ही चरण से साफ हो गया था कि इस बार मुसलमान अभी नहीं तो कभी नहीं के अंदाज में भाजपा के खिलाफ वोट करेंगे. इससे मोदी के पसमांदा प्रेम, राष्ट्रीय मुस्लिम मंच और उत्तरप्रदेश विधानपरिषद् में चार-पांच मुस्लिमों को ठूंसने की रणनीति चकनाचूर हो गयी. मुसलमान किसी एक पार्टी को वोट नहीं करता है. वह उसे वोट करता है, जो भाजपा को हरा रहा होता है.

बहरहाल यह राम की ही कृपा है कि मोदी हारने से बच गये और तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गये. वरना इस बार भाजपा संगठित हो कर लड़ी ही नहीं. वह बिखरी-बिखरी सी थी. न कोई योजना थी, न व्यूह रचना. केवल मोदी का सहारा था और अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता. उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि सिर्फ उनके भरोसे जीत की कामना न करें. फिर भी संगठन के स्तर पर कोई योजनाबद्ध सक्रियता नहीं दिखी. न उत्तरप्रदेश में, न बिहार में और न ही झारखंड में. अयोध्या ने तो सीता जी को कलंकित कर दिया था. तब भी एक दलित ही था और आज भी एक दलित ने ही हराया है. रामभक्त पार्टी को यह बात समझ में क्यों नहीं आई कि स्वयं राम ने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव के माध्यम से देवी निकुंभला को प्रसन्न करने के लिए मेघनाद के अनुष्ठान का ध्वंस कराया था. फिर विपक्ष द्वारा बिछायी गयी जातीय नागफणियों को निष्प्रभावी करने का उपक्रम क्यों नहीं किया गया ? शायद इसका कारण अहंकार था और राम का भोजन भी अहंकार ही है.

(डिस्क्लेमरः यह लेखक के निजी विचार हैं.)

12 वर्षों से अधूरा पड़ा है रेलवे क्वार्टरों का निर्माण कार्य

सतीश गोस्वामी। गोमो

गोमो स्टेशन चौक के पास रेलवे के आठ क्वार्टरों का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है. 12 वर्ष पूर्व न क्वार्टरों का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था, लेकिनकाम पूरा नहीं हो सका. अधूरे पड़े ये क्वार्टर अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुके हैं. गोमो में रेलवे कर्मियों के लिए आवासों की कमी को देखते हुए वर्ष 2010-11 में निर्माण कार्य के लिए निविदा निकाली गई थी. जिस ठेकेदार को क्वार्टर बनाने का ठेका मिला, उसने निर्माण कार्य शुरू तो किया, लेकिन काम पूरा न करा सका. क्वार्टरों के छत की ढलाई तो की गयी, लेकिन बाद में ठेकेदार निर्माण कार्य बंद कर गायब हो गया. 12 वर्ष गुजरने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा रहने से रेलवे को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है. इस संबंध में पूछे जाने पर रेल अधिकारी ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया है. राजस्व रिकवरी के लिए कार्रवाई की गई है. दूसरी तरफ रेलवे अधिकारी ने यह भी बताया कि अधिकारियों के बदलने से क्वार्टर निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है.

- अधूरे क्वार्टर में असामाजिक तत्वों का अड्डा, रेलवे को लाखों का नुकसान

जलवायु परिवर्तन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित, बोले विधायक सीपी सिंह

आदिवासी समाज ने ही जंगल को बचाया है

संवाददाता। रांची

रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि आज जो भी जंगल बचा है, वो सिर्फ आदिवासी समुदाय के लोगों के कारण है. इसकी सुरक्षा में हमें पहल करने की आवश्यकता है. जहां आदिवासी समुदाय है, वहां जंगल है. ये बातें गुरुवार को ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन एवं स्वच्छ ऊर्जा समाधान को लेकर लालपुर में लीड्स द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे. उन्होंने हमारी मानसिकता अभी भी नहीं बदली है. पेड़ लगाने और बचाने का गारंटी लेना होगा, ताकि आने वाले पीढ़ी हमें याद करे. प्लास्टिक का उपयोग कम करना होगा.

लीड्स संस्था के डायरेक्टर एके सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है. ग्लोबल वार्मिंग गंभीर समस्या बन गई है. इसे रोकना होगा. इसके लिए अभी से हजारों पेड़ लगाना शुरू करें. वृक्षारोपण पर पहल शुरू करने की आवश्यकता है.

जनसंख्या वृद्धि ने जलवायु परिवर्तन को बदल रहा है : मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट साइंटिस्ट अभिषेक आनंद ने कहा कि तेजी से मौसम बदल रहा है. गर्मी लगातार बढ़ रही है. तापमान नें गर्म हवा बह रही है. गर्म हवा बादल को बदल दे रहा है. जलवायु परिवर्तन पर कोई पहल नहीं किया गया है.

राज्यस्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन करते विधायक सीपी सिंह व अन्य.

दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में हुआ पौधरोपण : महेंद्र

संस्था के प्रोग्राम मैनेजर महेंद्र कुमार ने कहा कि दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में पौधरोपण किया गया. जल संरक्षण के लिए कुंआ, डोभा, बोरी बांध, और चुंआ का निर्माण किया हुआ है. बायो गैस प्लांट, स्वच्छ ऊर्जा केंद्र, सोलर आधारित सीएसी सेंटर, की स्थापना की गई है. स्वच्छ ऊर्जा आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है. युवकों को ट्रेनिंग दी जा रही है. धुंआ रहित चूल्हा का निर्माण हो रहा है. क्लाइमेट एक्स के नवीन कुमार, धीरज कुमार, नीड्स के मुरारी चौधरी, आईएजी के सुबीर कुमार ने भी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या से निजात के लिए अपने विचार व्यक्त किया. मौके पर महेंद्र कुमार,निर्झरणी रथ, निशा त्रिपाठी, मनीष सिंह आदि मौजूद थे.

प्रदेश कांग्रेस की समीक्षा बैठक स्थगित

रांची। लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर प्रदेश कांग्रेस की होने वाली समीक्षा बैठक स्थगित कर दी गई है. यह समीक्षा बैठक 21, 23 एवं 24 जून को होने वाली थी. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि देश में हुए नीट पेपर लीक के मामले में राज्यव्यापी प्रदर्शन का आयोजन 21 जून को किया गया है, उसे देखते हुए समीक्षा बैठक स्थगित की गई है. वहीं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में झारखंड के लिए बैठक आयोजित की गई है, जिसमें झारखंड से वरीय नेता हिस्सा लेंगे. इसी वजह से 23 एवं 24 जून को विभिन्न लोकसभा के लिए होने वाली समीक्षा समिति की बैठक स्थगित की गई है. प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि अब चुनाव परिणाम की समीक्षा बैठक 29 जून को रांची लोकसभा के लिए की जाएगी. 30 जून को चतरा लोकसभा के लिए चतरा व लातेहार में, 1 जुलाई को लोहरदगा, 2 जुलाई को खूंटी व 3 जुलाई को धनबाद लोकसभा में समीक्षा बैठक होगी.

मुकाम जातिगत जनगणना कराने के निर्णय पर कांग्रेस ने सरकार के प्रति आभार प्रकट किया

राहुल के उठाए मुद्दे को हमारी सरकार मुकाम तक पहुंचा रही है : प्रदीप

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस विधायक दल के उप नेता प्रदीप यादव ने कहा कि जिन मुद्दों को हमारे नेता राहुल गांधी ने जोर-शोर से उठाया. उसे हमारी इंडिया गठबंधन की झारखंड की चंपाई सोरेन सरकार उसे मुकाम तक पहुंचा रही है. झारखंड कैबिनेट द्वारा जातिगत जनगणना के लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिलना उन सभी वर्गों के विकास के लिए दरवाजे खोल देगा जिन्हें उनके भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी नहीं मिली है. इसके लिए मुख्यमंत्री और हमारी सरकार धन्यवाद के पात्र हैं. यादव ने यह बात कांग्रेस भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

राज्य के वंचित समाज को मिलेगा उनका हक : उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि यह निर्णय राज्य के दलितों आदिवासियों पिछड़ों वंचितों अल्पसंख्यक को मूलवासियों को राज्य के विकास में भागीदार बनाएगा. विगत 20 वर्षों से भाजपा ने एक साजिश के तहत जिस तरह एक बड़े हिस्से को अपना अधिकार से वंचित रखा था यह उन्हें उनका अधिकार दिलाएगा.कांग्रेस और राहुल गांधी चाहते थे कि पूरे देश में जातिगत जनगणना हो इसके लिए लंबा संघर्ष आज भी किया जा रहा है.झारखंड सरकार का यह निर्णय इस संघर्ष को भी प्रभावित करेगा और देश में संदेश देगा कि कांग्रेस की सरकार या गठबंधन की सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह गंभीर है.

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस विधायक दल के उपनेता प्रदीप यादव व अन्य.

ओबीसी की भागीदारी बढ़ेगी

यादव ने कहा कि अभी जिस तरह झारखंड में 7 जिलों में ओबीसी आरक्षण शून्य है,जातिगत जनगणना होने से ऐसे जिलों में ओबीसी की भागीदारी बढ़ाई जा सकेगी. जनगणना केंद्र सरकार का काम है लेकिन केंद्र द्वारा नहीं कराए जाने की स्थिति में राज्य सरकार ने रास्ता खोजा और कार्मिक विभाग को इसका जिम्मा सौंपा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा अगर सही में दलितों पिछड़ों, अल्पसंख्यकों का विकास चाहती है तो पूरे देश में जातिगत जनगणना कराए. भाजपा के चेहरे को पूरे देश पूरी दुनिया पहचान चुकी है कि वह पिछड़ा विरोधी और दलित विरोधी है. मौके पर अमूल्य नीरज खलखो, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति भी उपस्थित थे.

झारखंड में जाति जनगणना

सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तथा गैरबराबरी को स्थायी तौर पर खत्म करने की दिशा में जाति जनगणना की अहम् भूमिका है. ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए सामाजिक और आर्थिक अन्याय के कारकों को खत्म करने की दिशा में राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका सहित तमाम अन्य प्रभावी भूमिका निभाने वाले मंचों पर वास्तविक हिस्सेदारी, जो न्याय के सिद्धांत पर आधारित हो, प्रदान किया जाना चाहिए. इस दिशा में जाति जनगणना प्राथमिक सोपान है. देश को दुनिया में एक अग्रणी ताकत बनाने की गति तेज करने के लिए भी यह प्रक्रिया जरूरी है. झारखंड सरकार ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. झारखंड कैबिनेट का फैसला है कि झारखंड में भी जाति जनगणना होगी. यह एक बड़ा कदम है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए. अठाहरवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में इंडिया ब्लाक का एक बड़ा चुनावी मुद्दा था. भाजपा को बहुमत से रोकने में जिन प्रमुख मुद्दों ने बड़ी भूमिका अदा की है, उसमें जाति जनगणना भी एक है. बिहार में जाति जनगणना कराने का लाभ चुनावों में जदयू को मिला. इसके साथ ही बिहार ने आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत तक कर बिहार के राजनीतिक समीकरण को प्रभावित कर दिया है. हालांकि इसे उच्च आदालत ने रद्द कर दिया है. जाति सर्वेक्षण की शुरुआत यूपीए के सरकार ने की थी. सर्वेक्षण के आंकड़े 2013 तक आ गए थे. कुछ ही महीनों बाद यूपीए की सरकार बदल गयी और भाजपा सत्ता में आ गयी. मोदी सरकार ने जाति आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों को पिछले दस सालों में सार्वजनिक नहीं किया, जबकि इसकी मांग उठती रही है. इसके बाद कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में जाति जनगणना की शुरुआत करवायी थी, लेकिन खरीद फरोख्त के कारण उनकी सरकार गिरा दी गयी और जनगणना की प्रक्रिया भाजपा के कार्यकाल में रोक दी गयी. अब फिर से कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार जाति जनगणना करवा रही है, जिसके आकड़े सामने आएंगे. इसके बाद बिहार ने इस दिशा में पहल की और महागठबंधन की सरकार के दौर में इसे अमली जामा पहनाया गया. महागठबंधन वाली नीतीश कुमार सरकार ने ही आरक्षण का दायरा बढ़ाया. इसके बाद तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनते ही वहां भी जाति जनगणना करवाने का फैसला किया. झारखंड चौथा राज्य है, जो अब इस दिशा में निर्णय ले चुका है. झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार है और चंपाई सोरेन की सरकार यदि विधान सभा चुनावों के पहले जाति जनगणना की प्रक्रिया पूरी कर आकड़े सार्वजनिक करेगी तो विधान सभा चुनाव का एजेंडा और चुनावी समीकरण एक नए फलक पर होगा. इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछले दस सालों की तुलना में बेहद ताकतवर है. कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इस समय सामाजिक न्याय के नए योद्धा के तौर पर उभर कर सामने आएं हैं. इसका लाभ उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजों में उनके गठबंधन को भी मिला है. जाति जनगणना के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने के कूनू को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मुग भी इंडिया गठबंधन की है. बिहार में आरक्षण सीमा कानून को रद्द करने के बाद इस मांग की प्रासंगिकता और केंद्र पर दबाव दोनों बढ़ गया है.

> कुछ ही महीनों बाद यूपीए की सरकार बदल गयी और भाजपा सत्ता में आ गयी. मोदी सरकार ने जाति आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों को पिछले दस सालों में सार्वजनिक नहीं किया, जबकि इसकी मांग उठती रही है.

सुभाषित

यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा शास्त्रं तस्य करोति किम् ।
लोचनाभ्यांविहीनस्य दर्पणः किं करिष्यति ॥

जिसके पास अपनी बुद्धि और अपना विवेक नहीं है, उसके लिए शास्त्र का कोई मतलब नहीं है. जिस प्रकार से अन्धे व्यक्ति के लिए दर्पण कुछ नहीं कर सकता, उसी प्रकार से विवेकहीन व्यक्ति के लिए शास्त्र भी कुछ नहीं कर सकते. इसलिए अपनी बुद्धि ओर विवेक ही महत्वपूर्ण हैं.

चौदह बरस बाद निशाने पर अरुंधति

सरकार का दावा है कि अब कश्मीर से आतंकवाद लगभग खत्म हो चुका है. शांति कायम है. कश्मीर में भी प्रगति और विकास की गंगा बह रही है! तब 14 साल पुराने मामले में कार्रवाई का क्या मतलब हो सकता है? यह दिखाना कि संख्या बल में कभी आने के बाद भी हमारे तेवर में कभी नहीं आई है, कि हम उसी तरह से एजेंसियों व कानूनों का दुरुपयोग करते रहेंगे, कि हम असहमति की आवाज को दबाते रहेंगे?एक जानकारी कि एलजी श्री सक्सेना गुजरात में सामाजिक गतिविधियों में लगे रहे हैं. एक एनजीओ से भी जुड़े रहे हैं.

• देश-काल

श्रीनिवास

प्रसिद्ध लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ दिल्ली के उप-राज्यपाल ने जिस मामले में मुकदमा चलाने के अनुमति दी है, वह 2010 में दिल्ली में हुए एक समारोह में दिये उनके भाषण से जुड़ा मामला है. आरोप है कि अरुंधति रॉय उस समारोह में कश्मीर के सवाल पर देश की आम धारणा के खिलाफ कुछ बोली थीं. उन्होंने जो भी कहा, उससे बहुतों को असहमति हो सकती है. उनके इस कथन से मैं भी सहमत नहीं हूं, मगर उस घटना के 14 साल बाद हुए यूएपीए जैसे कठोर (काले) कानून के तहत उन पर मुकदमा चलाने के फैसले का क्या औचित्य है, इसके पीछे क्या नीयत हो सकती है? 2010 के बाद 2014 तक केंद्र में यूपीए सरकार थी. माना जा सकता है- जैसा कि ये लोग कहते हैं कि वह तुष्टीकरण की नीति पर चलती थी, कि कश्मीर के बारे में उसका स्टैंड साफ नहीं था या देशहित के खिलाफ था. इसी कारण सुश्री रॉय पर मुकदमा चलाने की मंजूरी उस समय के एलजी- जो केंद्र के अनुरूप ही काम करते हैं, ने नहीं दी. पर 2014 में तो देश में राष्ट्रवादी सरकार आ गई. 56 इंच का सीना और मजबूत इरादों वाला प्रधानमंत्री आ गया और 'जूनियर' लौह पुरुष गृहमंत्री हैं, तब सरकार ने इस मामले को क्यों ठंडे बस्ते में डाले रखा? कोई खास वजह तो होनी चाहिए. क्यों अचानक सरकार को लगा कि अरुंधति रॉय का बाहर रहना ठीक नहीं है या उनको सबक सिखाना जरूरी है! गौरतलब है कि उन पर जिन धाराओं के तहत मुकदमा चलना है, उनमें समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने और देश में अराजकता फैलाने आदि आरोप हैं-कुल मिला कर राष्ट्रद्रोह. इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि पांच साल पहले धारा 370 हटाई गई. सरकार का दावा है कि अब कश्मीर से आतंकवाद लगभग खत्म हो चुका है. शांति कायम है. कश्मीर में भी प्रगति और विकास की गंगा बह रही है! तब 14 साल पुराने मामले में कार्रवाई का क्या मतलब हो सकता है? यह दिखाना कि संख्या बल में कभी आने के बाद भी हमारे तेवर में कभी नहीं आई है, कि हम उसी तरह से एजेंसियों व कानूनों का दुरुपयोग करते रहेंगे, कि हम असहमति की आवाज को दबाते रहेंगे? एक जानकारी कि एलजी श्री सक्सेना गुजरात में सामाजिक गतिविधियों में लगे रहे हैं. एक एनजीओ से भी जुड़े रहे हैं. जाहिर है कि उसका घोषित उद्देश्य जनहित के काम करना रहा होगा. मगर जानकारों के मुताबिक वे नर्मदा आंदोलन के मुद्दे पर मेधा पाटकर के खिलाफ अभियान चलाते रहे. सरदार सरोवर के निर्माण में हजारों लोग विस्थापन के शिकार हुए हैं. उनमें भी सबसे बड़ी संख्या में आदिवासी और दलित. मगर उनके अधिकार की बात करना संभवतः उनको भी विकास विरोधी कृत्य लगता होगा! 2002 के गुजरात दंगों में तो इन्हें मानवाधिकारों का कोई हनन नहीं ही दिखा होगा! हालांकि इस मामले में श्री सक्सेना पर निशाना साधने का कोई मतलब नहीं है. यह निर्णय तो केंद्र का है. वैसे इस खबर में कहीं यह नहीं कहा गया कि केंद्र सरकार ने मुकदमा चलाने की अनुमति दी. यही कहा गया कि दिल्ली के एलजी ने अनुमति दी! ऐसे या किसी मामले में एलजी या राजपाल क्या अपने विवेक से निर्णय करते हैं? नहीं. तो राज्यपाल का कंधा और बहाना क्यों! इस सवाल पर साक्षी जोशी के चैनल पर वाजिब सवाल पूछा है. अरुंधति रॉय पर इतना सन्नाटा क्यों? ऐसा नहीं है कि कोई नहीं बोल रहा, मगर मुख्य धारा के विपक्षी दलों के मुखर नेताओं की लगभग खामोशी अटपटी जरूर लगती है. अरुंधति राय या किसी के भी बेवजह उत्पीड़न के खिलाफ बोलने का मतलब उनके विचारों से सहमत होना नहीं होता. यह सीधे नागरिक के अधिकारों के पक्ष में खड़ा होना है. वैसे कश्मीर पर खुले मन से चर्चा में करने में हर्ज नहीं है. सरकार लाख दावा करे, कश्मीर के हालात सामान्य हैं, यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है. इस मामले में सोशल मीडिया पर आयी कुछ प्रतिक्रिया को देना चाहिए. अमिताव घोष (लेखक) ने लिखा है : 'अरुंधति रॉय का उत्पीड़न बिल्कुल अनुचित है. वह एक महान लेखिका हैं और उन्हें अपनी राय रखने का अधिकार है. एक दशक पहले कही गई उस बात के लिए उनके खिलाफ जो मामला लाया गया है, उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश होना चाहिए.' डॉ मीना कंदासामी लिखती हैं: '...मैं आशा करती हूं कि अरुंधति रॉय जैसी प्रिय और प्रतिष्ठित व्यक्ति की इस तरह की आलोचना पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के कारण मोदी शासन को पीछे हटना पड़ेगा.'महुआ मोइत्रा (सांसद, तृणमूल कांग्रेस) : 'अगर अरुंधति रॉय पर यूएपीए के तहत मुकदमा चला कर बीजेपी यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि वे वापस आ गए हैं, तो ऐसा नहीं है. और वे कभी भी वैसे वापस नहीं आएंगे जैसे वे थे. इस प्रकार का फासीवाद बिल्कुल वैसा ही है, जिसके खिलाफ भारतीयों ने वोट दिया है.'राजदीप सरदेसाई (पत्रकार) : 'दिल्ली एलजी ने यूएपीए के तहत 2010 के कथित नफरत भरे भाषण मामले में लेखक कार्यकर्ता अरुंधति रॉय के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे दी है. जो लोग नियमित रूप से चुनाव के समय धार्मिक जहर उगलते हैं, वे बच जाएंगे और असहमति की अग्रणी आवाज को 'राष्ट्र-विरोधी' करार दिया जाएगा! ऐसे दिनों में, हम और अधिक गणतंत्र की तरह दिखाई देते हैं!' जो भी हो, विपक्ष के शीर्ष नेताओं को इस मुद्दे पर अपना पक्ष खुल कर रखना ही चाहिए. चुप्पी का मतलब तो यही निकलेगा कि आप सरकार के इस कदम को गलत नहीं मानते!

अंत में : कुछ दिन बाद ही 26 जून को देश में इमरजेंसी को याद करने का सालाना कर्मकांड होगा. उसमें सत्ता पक्ष कांग्रेस और इंदिरा गांधी के उस दागदार अतीत को याद करते हुए लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा का डंका पीटेगा! यह और बात है कि जनता का बड़ा हिस्सा अब इस पाखंड को समझने लगा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

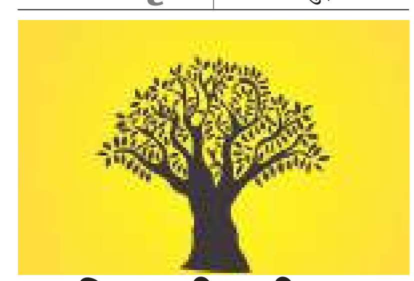

किसकी प्रतीक्षा

एक संत ने अपनी दिनचर्या बना ली थी. वे प्रतिदिन नदी किनारे पहुंच जाते थे और नदी में बह रही जलधारा का निहारते रहते थे. शाम को सूर्यास्त होने के बाद वे अपने आश्रम में चले जाते थे. एक आदमी संत जी को बहुत दिनों से वैसा करते देख रहा था, लेकिन उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये संत यहां नदी के तट पर बैठ कर क्या करते हैं. एक दिन उसने उनसे सवाल कर ही दिया, "आप नदी के किनारे बैठे-बैठे क्या कर रहे हैं?" संत ने कहा, " इंतजार. इस नदी का जल पूरा का पूरा बह जाए इसका ही इंतजार कर रहा हूं." व्यक्ति ने कहा, "मेरी समझ में आपकी यह बात नहीं आयी. इस इंतजार का क्या मतलब है? आप कहते हैं कि आप इंतजार कर रहे हैं और वह भी पूरा पानी बह जाने का. सवाल है कि यह कैसे हो सकता है. नदी का पानी तो बहता ही रहता है और आगे भी बहता ही रहेगा. अगर आपकी बात मान लें कि सारा पानी अगर बह भी जाए तो, आप को क्या करना?" संत ने कहा, "मुझे उस पार जाना है, इसीलिए सारा पानी बह जाने का इंतजार कर रहा हूं. जब सारा जल बह जाएगा तो मैं चल कर उस पार जा पाऊंगा।" उस व्यक्ति ने ताना मारते हुए कहा, "आप मूर्खताभरी नासमझ बात कर रहे हैं, ऐसा तो हो ही नहीं सकता!!" तब संत ने मुस्कराते हुए कहा, ¥यह इंतजार करना मैंने तुम लोगों को देख कर ही सीखा है. तुम लोग भी हमेशा ऐसी मूर्खता भरे हठ पर टिके रहते हो कि यह समस्या खत्म हो जाये तो कोई अच्छा काम शुरू करूंगा. सोचते रहते हो कि जीवन मे थोड़ी बाधाएं कम हो जायें, कुछ समस्याएं ख़त्म हो जायें, अलाना-फलाना काम खत्म हो जाए तो सदाचरण, सेवा, साधना, सत्कार्य करेंगें!" व्यक्ति ने कहा, "बाबा कृपा कर आप स्पष्ट करें कि नदी की जलधारा और जीवन का क्या संबंध है?" संत ने कहा, "जीवन भी तो प्रवाहमान नदी के समान है. यदि जीवन में तुम यह आशा लगाए बैठे हो कि यह समस्या समाप्त हो जाये तो किसी अच्छे कार्य का श्रीगणेश करूं तो मैं इस नदी के पानी के पूरे बह जाने का इंतजार क्यों न करूं..?" अभी भी समय है, तृष्णा का अंत नहीं, जीवन के संतोषकाल या उत्तरकाल की प्रतीक्षा न करो, प्रमाद न करो. बनते सदाचरण, सत्कार्य, परहित, परोपकार को समय और श्रम दो. पता नहीं जीवनघट कब रीत जाए.....

अग्निवीर योजना पर हर पहलू से हो पुनर्विचार

• विमर्श

सी. उदय भास्कर

आम चुनाव-2024 का परिभाषित परिणाम यह है कि भारत का राजकाज सही मायने में गठबंधन सरकार चलाएगी, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, जो दो मुख्य सहयोगियों, जनता दल यूनाइटेड और तेलुगू देशम पार्टी के नाजुक समर्थन पर टिकी है. अतएव, मोदी सरकार-3 में शासन का स्वरूप और अवयव पिछले एक दशक में देखे गए रंग-ढंग जैसा नहीं होगा. राष्ट्रीय सुरक्षा-सैन्य ढांचे के मामले में बदलाव लाने की मांग पहले ही सामने आ चुकी है. जनता दल (यू) ने कहा है कि मोदी सरकार-2 में लागू की गई विवादित अग्निपथ योजना को पुनर्समीक्षा की जरूरत है. इस योजना के तहत सेना में फौजी (अग्निवीर) की भर्ती, छह महीने के प्रशिक्षण सत्र के बाद, चार साल के लिए होती है, इसके सेवा-नियम पूर्व में लागू पेंशन एवं संबंधित लाभों से एकदम अलग हैं, जो विगत में अफसर से निचले स्तर के फौजियों को 15 साल के सेवाकाल के बाद मिला करते थे. शपथ समारोह से पूर्व जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का बयान आया, 'अग्निपथ योजना को लेकर कुछ तबकों में रोष है. हमारी पार्टी चाहती है कि इसमें व्याप्त खामियों को दूर किया जाए'. जब वर्ष 2022 के मध्य में यह योजना लागू की गई थी, तब पेशेवर हलकों में इस बात को लेकर काफी नुक्ताचीनी हुई थी कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय का शायद एकतरफा निर्णय है. नई योजना के सूक्ष्म बिंदुओं पर न तो सेना के आला अफसरों से सलाह-मशविरा किया गया, न ही सांसदों के बीच इस पर विस्तृत विमर्श हुआ. दिसंबर, 2019 से अप्रैल, 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे ने विमोचन की प्रतीक्षा कर रही अपनी किताब में अग्निपथ बाबत मूल्यवान जानकारी दी है. वे कहते हैं कि उन्होंने तो थल सेना में अल्प-कालिक भर्ती के लिए 'टूअर-ऑफ-ड्यूटी' नामक एक प्रयोगात्मक योजना का प्रारूप सुझाया था, लेकिन 2022 में प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी नीति एकदम अलग स्वरूप वाली थी और इसको सेना के तीनों अंगों पर लागू कर दिया गया. यह भी कहा : 'हम थल सेना वालों को तो घटनाक्रम में आए इस मोड़ से सिर्फ हैरानी ही हुई, लेकिन नौसेना एवं वायु सेना के लिए तो यह अचानक चौंकाने वाली बात थी'. नियमानुसार चलने वाले लोकतंत्र की रिवायतों का तकाजा है कि यदि देश का राजनीतिक नेतृत्व कोई नीति संबंधी निर्णय लेता है तो सेना के सर्वोच्च अधिकारियों को उसका पालन करना पड़ता है, अग्निपथ योजना में यही हुआ. हालांकि इसकी पृष्ठभूमि में, प्रमाणित है कि मोदी सरकार-2 का यह फैसला मुख्यतः बजटीय कारणों को ध्यान रखकर लिया गया (पेंशन मद बचाना), और इसका असर सेना की लड़ाकू-दक्षता पर कितना होगा, इस पर विचार गौण था. अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा. जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है. गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है. यह तो बिहार में फौजी बनने के चाहवान युवाओं के बड़े वर्ग के गुस्से और हताशा को शांत करने के वास्ते है, क्योंकि अग्निपथ योजना फौजी वर्दी धारण करने का मौका उनसे छीनने के अलावा सरकारी पेंशन रूपी आर्थिक सुरक्षा से भी वंचित कर रही है. लोकसभा चुनाव से पहले चले प्रचार में, कांग्रेस और सपा के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने नई सैनिक भर्ती योजना पर अपने एतराज खुलकर जाहिर किए. लोकतांत्रिक स्वरूप वाली सरकारें वक्त के साथ अपनी नीतियों के सांचे में क्रमिक सुधार करती रहती हैं. भारत के मामले में, प्रत्येक प्रधानमंत्री- नेहरू और उनके बाद आने वाले-प्रधानमंत्री कार्यालय को और अधिक शक्तिशाली करते गए. लेकिन रिवायत रही कि संसद के भीतर, व विशेषकर विषय संबंधित संसदीय कमेटियों से सलाह-मशविरा किए जाने ने पारदर्शिता लाने और उद्देश्यपूर्ण समीक्षा एवं सर्वसम्मति की अनुमति के लिए मूल्यवान भूमिका निभाई. अब जबकि मोदी सरकार-3 का कार्यकाल शुरू हुआ है, यह सही होगा कि सांसदों और विषय विशेषज्ञों को पिछले दस सालों के दौरान किए गए बड़े बदलावों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा की अनुमति हो और भारत की समग्र सैन्य क्षमताओं की मौजूदा स्थिति के मद्देनज़र आकलन किया जाए. बीसी खंडूरी संसदीय कमेटी रिपोर्ट-2017 में सेना की साजो-सामान संबंधी जिन कमियों को गिनाया गया था, उन पर ध्यान देना अच्छी शुरुआत बन सकता है. अग्निपथ योजना के अलावा, आत्मनिर्भरता बनाकर आयात घटाने पर ध्यान देना एक अन्य प्रमुख आवश्यकता है.

> **अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा. जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है. गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है.**

आसान नहीं है भारत पाकिस्तान संबंधों की राह

• देशांतर

प्रमोद जोशी

विदेशमंत्री एस जयशंकर ने पिछले मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण करते हुए कहा था कि हमारा ध्यान चीन के साथ सीमा-विवाद और पाकिस्तान के साथ बरसों से चले आ रहे सीमा-पार आतंकवाद की समस्याओं को सुलझाने पर रहेगा.उन्होंने कहा कि दुनिया ने देख लिया कि भारत में अब काफी राजनीतिक स्थिरता है. जहां तक चीन और पाकिस्तान का सवाल है, हमारे रिश्ते एक अलग सतह पर हैं और उनसे जुड़ी समस्याएं भी दूसरी तरह की हैं. 15 जून को गलवान की घटना के चार साल पूरे हो गए हैं, पर सीमा-वार्ता जहां की तहां है. उधर हाल में एक के बाद एक हुए आतंकी हमलों की रोशनी में लगता नहीं कि भारत सरकार, पाकिस्तान के साथ बातचीत का कोई कदम उठाएगी. माना जा रहा है कि इन हमलों के मार्फत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने संदेश दिया है कि हम भारत को परेशान करने की स्थिति में अब भी हैं. हाल में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनाव में इंजीनियर रशीद की जीत से भी वे उत्साहित हैं. उन्हें लगता है कि कश्मीर में हालात पर काबू पाने में भारत की सफलता के बावजूद अलगाववादी मनोकामनाएं जीवित हैं. फिलहाल देश की विदेश-नीति के फौरी लक्ष्यों में अमेरिका और यूरोप के देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित करने का काम शामिल है. इसकी शुरुआत इटली में हुई जी-7 बैठक से हो गई है, जहां प्रधानमंत्री की मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अलावा फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, यूक्रेन, ईयू और जापान के नेताओं से हुई है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार पद संभालने के बाद भारतीय पर्यवेक्षक चीन और पाकिस्तान से आए बधाई संदेशों के अर्थ निकालने का प्रयास भी कर रहे हैं. इन बयानों में केवल राजनीतिक सच्चाइयां ही देखी जा सकती हैं, पर रिश्ते केवल बयानों से तय नहीं होते हैं. उनकी भाषा से कुछ बातों के इशारे जरूर मिलते हैं.चीन से राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बधाई संदेश नहीं भेजा, बल्कि उनके स्थान पर प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने मुबारकबाद दी. इससे यह बात भी स्थापित होती है कि मोदी और शी चिनफिंग के बीच वैयक्तिक रिश्ते अब उस धरातल पर नहीं हैं, जो कुछ समय पहले तक होते थे. नवाज शरीफ ने अपने संदेश में 'मोदी जी' के साथ संबोधन की शुरुआत की, जिससे आत्मीयता झलकती है. उन्होंने लिखा, 'मोदी जी, तीसरी बार प्रधानमंत्री को पद संभालने पर मेरी हार्दिक बधाई. हालिया चुनावों में आपकी पार्टी की सफलता आपके नेतृत्व में लोगों के भरोसे को दर्शाती है. आइए हम नफरतों को उम्मीदों में बदलें और इस मौके का लाभ उठाते हुए दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों का भविष्य संवारें.' इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने लिखा,'भारत के लोग हमेशा शांति, सुरक्षा और प्रगतिशील विचारों के पक्ष में खड़े रहे हैं. अपने लोगों का कल्याण और सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी.' मोदी के जवाब में उतनी आत्मीयता नहीं है, पर इतना साफ है कि व्यक्तिगत स्तर पर नवाज़ शरीफ के साथ उनके रिश्ते बेहतर है. इस बात को नवाज़ शरीफ भी समझते होंगे. भारत और पाकिस्तान के बीच घटनाक्रम नाटकीयताओं से बनता-बिगड़ता है. इसके दो उदाहरण हैं. 19 फरवरी, 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उसके कुछ महीनों के भीतर करगिल की घुसपैठ और फिर उसके बाद जनरल परवेज़ मुशर्रफ के साथ आगरा शिखर सम्मेलन. ऐसा ही नाटकीय घटनाक्रम 25 दिसंबर 2015 को हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान अचानक लाहौर में उतरा और उन्होंने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात की थी. जनवरी, 2016 से पाकिस्तान में सेना की मदद से ऐसे संगठन सक्रिय हैं, जिनका घोषित उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाना है. उनपर यदि पाकिस्तान सरकार काबू नहीं रख सकती है, तब उसके साथ रिश्ते सुधारने का मतलब क्या है? माना जाता है कि नवाज शरीफ की पहल इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि सेना उनके साथ नहीं थी. पिछले दो-ढाई दशक में रिश्तों में बड़े मोड़ तभी आए जब पीपीपी या पीएमएल-एन में से कोई पार्टी सत्ता में थी, या फिर मुशर्रफ-सरकार थी. 1997 में कम्पोज़िट डायलॉग की घोषणा हुई और 1999 में लाहौर बस यात्रा. मुशर्रफ के साथ आगरा शिखर-सम्मेलन और उसके बाद चार-सूत्री समझौते की सम्भावनाएं बनीं. दोनों देशों में बात संभव है, पर इस बार की पहल आसान नहीं होगी और उसके आगे-पीछे कई तरह की शर्तें लगी होंगी. अगस्त, 2019 के बाद से यह काम और मुश्किल हो गया है, क्योंकि पाकिस्तान ने बातचीत के लिए जो शर्तें रखी हैं, यकीनन उन्हें भारत की कोई सरकार स्वीकार नहीं कर पाएगी.

> आइए हम नफरतों को उम्मीदों में बदलें और इस मौके का लाभ उठाते हुए दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों का भविष्य संवारें.' इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने लिखा,'भारत के लोग हमेशा शांति, सुरक्षा और प्रगतिशील विचारों के पक्ष में खड़े रहे हैं. अपने लोगों का कल्याण और सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी.'

मीडिया में अन्यत्र

कम हो सरकारी व्यय पर निर्भरता

महामारी के बाद के समय में सरकार का पूंजीगत व्यय वृद्धि का अहम कारक रहा है. यही वजह है कि उद्योग जगत से ऐसे सुझाव प्राप्त हुए हैं कि केंद्र सरकार को चालू वर्ष के आने वाले पूर्ण बजट में आवंटन और अधिक बढ़ाना चाहिए. बहरहाल, सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय की मदद से वृद्धि को गति देने की अपनी सीमाएं हैं. मुख्य तौर पर इसकी दो वजहें हैं. पहली वजह, सरकार को धीरे-धीरे राजकोषीय घाटे को कम करके प्रबंधनयोग्य स्तर पर लाना होगा. दूसरी बात, खपत के मामले में भी व्यवस्थित क्षमता की अपनी सीमा है. अधिक व्यापक तौर पर देखें तो बढ़ता पूंजीगत व्यय अपने आप में एक लक्ष्य नहीं होना चाहिए. पूंजीगत व्यय उत्पादन में इजाफा करेगा, लेकिन लाभ उस स्थिति में अधिक होंगे, जबकि परियोजनाओं का चयन गुणवत्ता और क्षमताओं के आधार पर किया जाए. ऐसे में संतुलन कायम करना जरूरी है. केंद्र सरकार जहां आवंटित राशि खर्च करती रही है, वहीं राज्य इसमें पीछे हैं. इससे खपत क्षमता की सीमाएं उजागर होती हैं. हाल ही में इसी समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा 25 राज्यों के प्रारंभिक आंकड़ों ने यह दिखाया कि 2023-24 में उन्होंने बजट में आवंटित कुल पूंजीगत व्यय में से 84 फीसदी खर्च किया. केवल चार राज्य ही लक्ष्य को पार कर सके. विशेषज्ञों का कहना है कि कमी की एक वजह व्यवहार्य परियोजनाओं की अनुपलब्धता भी हो सकती है. दूसरा कारण यह है कि राज्य वित्त वर्ष के अंत तक राशि जारी करने की प्रतीक्षा करते हैं जिससे परिणाम प्रभावित होते हैं. ऐक्सिस बैंक के अर्थशास्त्रियों के एक हालिया नोट में इस बात को रेखांकित किया गया कि क्रियान्वयन के स्तर पर जोखिम हो सकता है. राज्यों का वास्तविक पूंजीगत व्यय बीते दो वित्त वर्षों के संशोधित अनुमानों की तुलना में लगभग 10-15 प्रतिशत कम था. कमी की एक वजह पूंजीगत व्यय आवंटन में अच्छा खासा इजाफा भी हो सकती है. ऐसे में जरूरत है कि राजकोषीय हस्तक्षेप और अपेक्षाओं में संतुलन कायम किया जा सके. समस्त राजकोषीय नतीजों के संदर्भ में उपरोक्त शोध नोट जिसमें सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 95 फीसदी का योगदान देने वाले 20 बड़े राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गौर किया गया है, उससे पता चलता है कि इन राज्यों ने चालू वर्ष में जीडीपी के 3.2 फीसदी तक के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है. बहरहाल, अतीत में वास्तविक घाटे के संशोधित आंकड़े से कम रहने के रुझान को देखते हुए अंतिम आंकड़ा जीडीपी के 2.8 फीसदी के करीब रह सकता है. इसके अलावा चूंकि राज्यों के घाटे में केंद्र सरकार द्वारा दिया गया ऋण भी शामिल होता है इसलिए सामान्य सरकारी घाटे में जीडीपी के 2.5 फीसदी तक का इजाफा होगा. पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के लिए राजकोषीय प्रबंधन चुनौतीपूर्ण बना रहेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

में/पर

जगन भाई अक्सर यह कहते हुए पाये जाते हैं-मैं कोई लाग-लपेट नहीं रखता. जो भी बात होती है मुंह में कह देता हूं. मगन भाई भी कहते हैं- किसी की पीठ पीछे बात करना ठीक नहीं होता. अगर हिम्मत है तो मुंह में कहिए. भाषा के जानकारों को ऐसे वाक्य खटकते हैं. कोई भी बात मुंह पर कही जा सकती है, न कि मुंह में, लेकिन धीरे से किसी को कोई गोपनीय बात बतानी हो तो उसके कान में बात कही जाती है, कान पर नहीं. में और पर के सही प्रयोग नहीं होने पर वाक्य हास्यास्पद हो जाता है, जैसा कि जगन और मगन भाई के साथ हो रहा है. वैसे किसी भी शब्द का प्रयोग वक्ता के बुद्धि-विवेक पर निर्भर करता है, लेकिन यदि व्याकरण सम्मत प्रयोग होता है तो उस शब्द की सार्थकता और महत्ता और भी बढ़ जाती है. में और पर के सही प्रयोग के लिए इन्हें समझना आवश्यक है. 'में' और 'पर' अधिकरण कारक की विभक्ति हैं. जिस शब्द से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं. जैसे – पानी में मछली रहती है. इस वाक्य में 'पानी में' अधिकरण है, क्योंकि यह मछली के आधार पानी का बोध करा रहा है. अधिकरण के हिन्दी पर्याय 'में', 'पर' हैं. जैसे-भंवरा फूलों पर मंडरा रहा है. कमरे में टीवी रखा है. सड़क पर बस दौड़ रही है. नदी में जल की धारा बह रही है. इन वाक्यों में 'फूलों पर', 'सड़क पर', 'नदी' में और 'कमरे में' अधिकरण है. 'में' और 'पर' को अंग्रेजी के 'इन' और 'ऑन' से भी समझा जा सकता है. 'में' यानी 'इन', 'पर' यानी 'ऑन'. इन शब्दों का प्रयोग किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो किसी विशिष्ट स्थान के अंदर स्थित है. ऑन शब्द का प्रयोग किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो किसी अन्य चीज़ की सतह को छू रही हो.

भाइयो-बहनो, हम चुनाव जीत गया हूं!

• तीर-तुक्का

शैलेंद्र चौहान

भाइयो-बहनो, हम चुनाव जीत गया हूं. आप सब लोग का आभारी हूं. हां, तो हम कह रहा था-दो बार हमको जेल जाने की बात सुनकर लूटाराम बहुत खुश हो गये. चहकते हुए बोले-"बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया ! भाया, तू ये सब सच बोल रहा है न?" "जी झूठ बोलने से फायदा ही क्या है ? फिर आजकल तो ऐसी बहादुरी वाली चीजें प्रेस्टिज बढ़ाती हैं." लूटाराम उठा उसने मुझे गले लगा लिया, बोला "तुम तो बहुत काम के आदमी हो. अब इतनी देर खड़े भी मत रहो कि पैर ही दुखने लगें. आओ बैठो, चुनाव की रणनीति तय करते हैं." "चुनाव की रणनीति!" हां, क्या तुम्हें पता नहीं कि विधान सभा चुनाव होने वाले हैं ? मैंने एक नई क्षेत्रीय पार्टी बनाई है लूटाराम धंधा पार्टी यानी एलडीपी, राजनीति से अच्छा धंधा इस देश में कोई दूसरा है ही नहीं. समझ गए न! हमारा चुनाव चिह्न है "चाकू", जिसके खौफ से सब भोटर डरेंगे. वैसे हमने मांगा तो था पिस्तौल पर चुनाव आयोग ने दिया ही नहीं. तुम सदर क्षेत्र से एलडी पार्टी के उम्मीदवार होओगे." हम तो बड़ा खुश हुआ जी यह सुनकर. कहां तो पनवाड़ी ने भी अपनी दुकान के आगे खड़े होने से मना कर दिया था, कहां मान्यवर लूटाराम जी ने हमें अपनी पार्टी से चुनाव का टिकिट दे दिया. हमारी पार्टी में पूरा लोकतंत्र है. मान्यवर लूटाराम जी इस पार्टी के एकमात्र आजीवन अध्यक्ष हैं. सभी उम्मीदवारों की उनमें घनघोर आस्था है. उनके पास दस हजार लूट सैनिक हैं. हम झूठे वायदे नहीं करते, हम जो कहते हैं, वही करते हैं. न हम देश की भलाई की बात करते हैं, न जनता की. हम मात्र अपनी भलाई की बात करते हैं. हम धर्मनिरपेक्षता की बात नहीं करते क्योंकि हम जानते हैं. धर्मनिरपेक्षता का मतलब, धार्मिक भावनाओं को भड़का कर वोट लेने से होता है. हम अपराध मिटाने की बात नहीं करते क्योंकि जो अपराध मिटाने की बातें करते हैं वे ही अपराधियों को धड़ल्ले से टिकिट देते हैं. उनकी कमाई अपराधियों से ही होती है. हम भ्रष्टाचार मिटाने की भी बात नहीं करते, इससे अच्छा तो दुनिया में कोई कर्म है ही नहीं. इसलिए हे जनता- जनार्दन सुनो! हमारी कर-खुली प्रार्थना है कि जो लोग कदम-कदम पर झूठ बोलते हैं, छल करते हैं, काले को सफेद और सफेद को काला कहते हैं, यदि उन्हें आप लोग वोट दे सकते हैं तो हम जो सच बोलते हैं, सफेद को सफेद और काले को काला कहते हैं, उन्हें आप वोट क्यों नहीं देंगे? तो अब जब आपने हमें जिताया है तो हम जी जान से देश सेवा करेंगे आखिर हम सच्चे देश प्रेमी जो हैं. अब देखिये कितना फायदा वाला बात हुआ. बताते हैं कि हैंग असिम्बली हो गया. अब हम पक्का मंत्री बनूंगा और आप लोगन का पूरा बंटाधार करूंगा. जय जनता, जय नेता.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था. योग दिवस को मनाए जाने का प्रस्ताव सबसे पहले भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधन में किया था. इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इस बारे में एक प्रस्ताव लाकर 21 जून को इंटरनेशनल योग डे मनाने की घोषणा की. इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ है.

अरविंद जयतिलक

एक अनुमान के मुताबिक आज तकरीबन 25 करोड़ लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से प्रत्यक्ष-परोक्ष रुप से जुड़ेंगे. यह भारत के लिए गौरव का क्षण है. इसलिए कि योग के विज्ञान की उत्पत्ति भारत में हुई है. हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि योग भारत की देन है.

कर्मसु कौशलम्

भारतीय ग्रंथों में योग परंपरा का विस्तृत उल्लेख है. योग विद्या में भगवान शिव को आदि योगी कहा गया है. योग शब्द की उत्पत्ति जन्म संस्कृत शब्द युज से हुआ है. इसका अर्थ है स्वयं के साथ मिलन. महर्षि पतंजलि को योग का प्रणेता कहा जाता है. सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष एवं प्रकृति के पार्थक्य को स्थापित कर पुरुष का स्व स्वरुप में अवस्थित होना ही योग है. विष्णु पुराण् में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिल नही योग है. भगवद्गीता के अनुसार दुख-सुख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र और शीत-उष्ण इत्यादि द्वंदों में समभाव रखना ही योग है. आचार्य हरिभद्र के अनुसार मोक्ष से जोड़ने वाले सभी व्यवहार योग हैं. गार्गी द्वारा छांदोग्य उपनिषद में भी योगासन के बारे में कहा गया है. महाभारत के शांतिपर्व में भी योग का विस्तृत उलेख है. भारत में उपलब्ध उपषिदों और योग वशिष्ठ में भी योग के बारे में जानकारी मिलती है. योगऋषि पतंजलि के उपरांत अन्य-अनेक भारतीय ऋषियों एवं योगाचार्यों ने योग की परंपरा को आगे बढ़ाया. स्वामी विवेकानंद ने शिकागो के धर्म संसद सम्मेलन में अपने ऐतिहासिक भाषण के जरिए संपूर्ण विश्व को योग की महत्ता से सुपरिचित कराया. महर्षि महेश योगी, परमहंस योगानंद और रमण महर्षि जैसे अनेक पुरोधाओं ने भी योग से पश्चिमी दुनिया को प्रभावित किया.

स्वीकारोक्ति सभी की

यह योग की बड़ी उपलब्धि है कि उसके शास्त्रीय स्वरुप, दार्शनिक आधार और सम्यक स्वरुप को किसी अन्य धर्म ने नकारा नहीं है. गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने एक स्थान पर कहा है कि योगः कर्मसु कौशलम्' अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है. गीता में कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग की विशद् मीमांसा की गयी है. बौद्ध धर्म में कहा गया है कि कुशल चितैकग्गता योगः अर्थात कुशल चित् की एकाग्रता ही योग है. दूसरी शताब्दी के जैन पाठ तत्वार्थसूत्र के अनुसार योग मन, वाणी और शरीर सभी गतिविधियों का कुलयोग है. भारतीय दर्शन में, षड् दर्शनों में से एक का नाम योग है. भारत में योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का काम होता है. योग शब्द भारत से बौद्ध धर्म के साथ चीन, जापान, तिब्बत, दक्षिण-पूर्व एशिया और श्रीलंका में फैला. सूफी संगीत के विकास में भारतीय योग अभ्यास का काफी प्रभाव है, जहां वे दोनों शारीरिक मुद्राओं आसन व प्राणायाम को अनुकूलित किया है. प्राचीन काल में योग की इतनी अधिक महत्ता थी कि 11 वीं शताब्दी में भारतीय योगपाठ अमृतकुंड का अरबी व फारसी भाषाओं में अनुवाद किया गया. आज दुनिया के सभी देशों में योग की स्वीकार्यता बढ़ी है. चीन, सिंगापुर से लेकर अमेरिका तक में लाखों की संख्या में लोग योगासन कर रहे हैं. चीन में हाल के वर्षों में योग बड़े पैमाने पर लोकप्रिय हुआ है.

तन-मन की शांति

चिकित्सकों की मानें तो योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर हो रहा है बल्कि मन व मस्तिष्क को शांति भी पहुंच रही है. योग के जरिए दिमाग और शरीर की एकता का समन्वय होता है. योग संयम से विचार व व्यवहार अनुशासित होता है. योग की सुंदरताओं में से एक खूबी यह भी है कि बूढे.या युवा, स्वस्थ या कमजोर सभी के लिए योग का शारीरिक अभ्यास लाभप्रद है. योगाभ्यास से रोगों से लड़ने की शक्ति में वृद्धि होती है. त्वचा पर चमक बनी रहती है और शरीर स्वस्थ, निरोग व बलवान रहता है तथा अंतश में शांति का उद्भव होता है. भारतीय योग और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है. सच कहें तो आध्यामिक उन्नति या शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता एवं महत्व को प्रायः सभी दर्शनों एवं भारतीय धार्मिक संप्रदायों ने एकमत से स्वीकार किया है. चूंकि योग एक वैज्ञानिक व प्रमाणिक पद्धति है इसलिए न तो अत्यधिक साधनों की जरुरत पड़ती है और न ही अत्यधिक धन खर्च करना पड़ता है. इसके अलावा आधुनिक युग में योग की बढ़ती स्वीकार्यता का एक कारण यह भी है कि लोगों के जीवन में व्यस्तता एवं व्यग्रता का विस्तार हुआ है. अंग्रेजी दवाओं के इस्तेमाल से शरीर में कई किस्म की बीमारियां फैल रही हैं. जबकि दूसरी ओर योगाभ्यास से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना नगण्य है.

यूनेस्को की धरोहर

भारत के लिए गर्व की बात है कि योग को संयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन 'यूनेस्को' ने भी अपनी प्रतिष्ठित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल कर लिया है. उल्लेखनीय है कि यूनेस्को के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के दायरे में मौखिक परंपराओं और अभिव्यक्तियों, प्रदर्शन कलाओं, सामाजिक रीतियों-रिवाजों और ज्ञान इत्यादि को रखा जाता है. चूंकि अभी तक योग को खेल की विधा माना जाता था, इसलिए इसे अब तक इस सूची में शामिल होने का मौका नहीं मिला था. लेकिन जब भारत सरकार द्वारा योग को दुनिया भर में स्थापित करने का प्रयास तेज हुआ और संयुक्त राष्ट्र को योग की सार्वभौमिक महत्ता से जुड़े प्रमाणिक दस्तावेज भेजा गया तो इथियोपिया के अदिस अबाबा में हुई संयुक्त राष्ट्र की इंटरगर्वनमेंटल समिति ने भारत के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी. उल्लेखनीय है कि योग से पहले भारत की 12 धरोहरें यूनेस्कों की सूची में शामिल हो चुकी हैं-जैसे छऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध भिक्षुओं का मंत्रोच्चारण, संकीर्तन-मणिपुर में गाने-नाचने की परंपरा, पंजाब में ठठेरों द्वारा तांब व पीतल के बर्तन बनाने का तरीका और रामलीला इत्यादि.

वर्ष 2024 की थीम

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम है "स्वयं और समाज के लिए योग.

योग के आसन कब करें?

सुबह या शाम कभी भी योग के आसन किए जा सकते हैं, लेकिन इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि भरपेट खाना खाने के 3-4 घंटे बाद ही योग करें. हल्का स्नैक्स लिया है या जलपान किया है, तो भी घंटे भर बाद ही योग आसन करें. चाय, छाछ या तरल चीजें लेने के आधे घंटे का विश्राम लें. केवल पानी पिया है तो पीने के 10-15 मिनट बाद आसन करें.

कौन कर सकता है योग?

योग करने की न्यूनतम आयु 3 साल है. 12 साल तक के बच्चों को हल्के योगासन और प्राणायाम करना चाहिए. इस उम्र तक के बच्चे को कठिन आसन और क्रियाएं नहीं करने की सलाह दी जाती है. गर्भावस्था में भी मुश्किल आसन, कपालभाति आदि नहीं करने की चेतावनी दी जाती है. इसी तरह महिलाएं पीरियड्स के दौरान योग न करें तो बेहतर. अगर नॉर्मल डिलिवरी से बच्चे को जन्म दिया है तो 3 महीने बाद तक योग नहीं करें. अगर ऑपरेशन से बच्चे को जन्म दिया है तो ऑपरेशन के 6 महीने बाद तक योग न करें. इसके अलावा कमर दर्द हो तो आगे न झुकें. हालांकि इस अवस्था में विशेषज्ञ की सलाह से पीछे झुका जा सकता है. अगर हर्निया हो तो पीछे न झुकें. अगर आप दिल से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं तो योगासन शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें.

कहां और कैसे करें

योग करने की सबसे बेहतर जगह है खुले में ताजी हवा के बीच योग करना. पर हमेशा ऐसा संभव नहीं हो पाता. ऐसे में योग आप कहीं भी कर सकते हैं, पर कोशिश करें कि वहां जरा शांत माहौल हो. चाहें तो मन को शांत करने वाला संगीत हल्की आवाज में चला सकते हैं.

यह तैयारी जरूरी

जमीन पर योग मैट, दरी या कालीन बिछाएं और तब योग करें. योग करते समय थोड़े ढीले सूती के कपड़े पहनें. टी-शर्ट व ट्रैक पैंट आदि में भी योग किया जा सकता है.

ये बातें भी काम की

- जब हम आंखें बंद कर योगासन करते हैं तो इससे योग और भी प्रभावशाली हो जाता है. ध्यान शरीर के उन हिस्सों पर लगाना चाहिए, जहां आसन का असर हो रहा है, जहां दबाव पड़ रहा है. याद रखिए कि जब भाव के साथ हम योग करेंगे तो प्रभाव जल्दी और ज्यादा महसूस होगा.
- योग में सांस लेने और छोड़ने की बहुत अहमियत है. इसका सीधा फंडा है: जब भी शरीर फैलाएं, पीछे की तरफ जाएं, सांस भरते हुए करें और जब भी शरीर सिकुड़े या आगे की ओर झुकें, सांस छोड़ते हुए झुकें. सांस नाक से लें, मुंह से नहीं.
- योग करते हुए शरीर को शिथिल रखें और झटके से बचाएं. झटके से आसन न करें. उतना ही करें, जितना आसानी से कर पाएं. धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं.
- योग को हमेशा ध्यान और मौन से करना. थकावट, बीमारी और जल्दबाजी में योग न करें. योग के 30 मिनट बाद स्नान करना चाहिए और 30 मिनट बाद ही कुछ खाना चाहिए, उससे पहले नहीं. योग का नतीजा आने में वक्त लगता है. ऐसे में नतीजे को लेकर जल्दबाजी न करें.

अष्टांग योग : ये हैं मुक्ति के आठ द्वार

योग का अर्थ है जुड़ना. मन को वश में करना और वृत्तियों से मुक्त होना योग है. सदियों पहले महर्षि पतंजलि ने मुक्ति के आठ द्वार बताए, जिन्हें हम 'अष्टांग योग' कहते हैं. मौजूदा दौर में हम अष्टांग योग के कुछ अंगों जैसे आसन, प्राणायाम और ध्यान को ही जान पाए हैं. आइए, आज हम जानें कि क्या हैं योग के ये आठ अंग-

1. **यम :** यम शब्द से ही बना है संयम यानी मर्यादित आचरण-व्यवहार. यम के पांच अंग हैं. प्रथम है अहिंसा. अर्थात मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न पहुंचाना. द्वितीय अंग है सत्य यानी भ्रम से परे सच का ज्ञान. तृतीय है अस्तेय यानी नकल या चोरी का अभाव. चतुर्थ है ब्रह्मचर्य. इसका तात्पर्य है चेतना को ब्रह्म तत्व से एकाकार रखना. यम का पंचम और आखिरी अंग अपरिग्रह है जिसका मतलब है संग्रह या संचय का अभाव.

2. **नियम :** योग का प्रमुख अंग है नियम. नियम के पांच अंग हैं. प्रथम शौच यानी आंतरिक और बाहरी सफ़ाई. द्वितीय संतोष यानी जो है उसे ही पर्याप्त मानना. तृतीय तप जिसका मतलब है स्वयं को तपाकर असत को जलाना. नियम का चौथा अंग स्वाध्याय माना गया है जिसका तात्पर्य है आत्मा-परमात्मा को समझने के लिए अध्ययन. पांचवा व अंतिम अंग है ईश्वर प्रणिधान यानी अंह का त्याग कर ईश्वर के प्रति समर्पण.

3. **आसन :** इन दिनों योग के इस अंग से हम सबसे अधिक वाकिफ हो रहे हैं. ध्यान देने वाली बात यह है कि आसन महज शारीरिक कसरत या लचीलापन नहीं है. महर्षि पतंजलि इसकी अवस्था को बताते हुए कहा था- स्थिरं सुखम् आसन. म्यानी शरीर की स्थिरता और मन के तल पर आनंद और सहजता ही आसन है. अगर आप इन दो स्थिति को नहीं पाते, तो आप आसन में नहीं हैं.

4. **प्राणायाम :** प्राणायाम का मतलब है शरीर में सूक्ष्म प्राण शक्ति को विस्तार देने की साधना.योग याज्ञवल्क्य संहिता में प्राण (आती सांस) और अपान (जाती सांस) के प्रति सजगता के संयोग को प्राणायाम बताया है. सांस की डोर से हम तन-मन दोनों को साध सकते हैं. हठयोग ग्रंथ कहता है "चले वाते, चलं चित्तं यानी तेज़ सांस होने से हमारा चित्त-मन तेज़ होता है और सांस को लयबद्ध करने से चित्त में शांति आती है." सांस के प्रति सजगता से सिद्धार्थ गौतम ने बुद्धत्व को साधा. वहीं, गुरु नानक ने एक-एक सांस की पहरेदारी को परमात्मा से जुड़ने की कुंजी बताया.

5. **प्रत्याहार :** प्रत्याहार शब्द प्रति और आहार से बना है यानी इंद्रियां जिन विषयों को भोग रही हैं यानी उनका इंद्रियों की निरंतर दौड़ हमें ऊर्जाहीन करती है. इंद्रियों की दौड़ को त्याग कर मगन रहना प्रत्याहार है.

6. **धारणा :** चित्त का एक जगह टिक जाना ही धारणा है. धारणा मन को एकाग्र करने की साधना है.
इसके कई स्वरुप हैं जैसे प्राण-धारणा यानी सांस पर ध्यान केंद्रित करना, ज्योति या बिंदु त्राटक आदि. धारणा दरअसल ध्यान से पहले की स्थिति है.

7. **ध्यान :** ध्यान वो अवस्था है जहां कर्ता, विधि या प्रक्रिया सब कुछ समाप्त हो जाती है, बस एक शून्यता होती है. जब धारणा लगातर बनी रह जाती है तो ध्यान घटित होता है.

8. **समाधि :** योग याज्ञवल्क्य संहिता में जीवात्मा और परमात्मा की समता की अवस्था को समाधि कहा गया है. वहीं महर्षि पतंजलि कहते हैं कि जब योगी स्वयं के वास्तविक स्वरुप (सत चित् आनंद स्वरुप) में लीन हो जाता है तब साधक की वह अवस्था समाधि कहलाती है.

सच्ची शांति और आनंद दिलाता है क्रिया योग

यद्यपि "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" समारोह वैश्विक कैलेंडर का एक अभिन्न अंग बन गया है- विशेष रूप से भारत में- तथापि इसका वास्तविक महत्व हमारी आत्माओं में निहित है.

योग का सहज अर्थ है "ईश्वर के साथ मिलन" अर्थात् वह सच्चा मिलन है जो सभी आत्माएं स्वाभाविक ढंग से खोज रही हैं. सम्पूर्ण विश्व के अधिकांश लोगों ने "योग" के बारे में सुना है, परन्तु उनमें से अधिकांश लोग अभी भी योग को शारीरिक व्यायाम या योगासन, अर्थात् हठयोग, के रूप में ही जानते हैं. वस्तुतः योग और भी बहुत कुछ है, जिसे समझने और अभ्यास करने की आवश्यकता है.

प्रसिद्ध आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थ "योगी कथामृत" के लेखक परमहंस योगानन्द एक अग्रणी भारतीय गुरु थे, जिन्होंने योग के सही अर्थ के बारे में सत्य की खोज करने वालों को शिक्षा प्रदान करने के लिए पश्चिमी जगत की यात्रा की. जो लोग जीवन का सच्चा अर्थ खोज रहे हैं, उन सभी व्यक्तियों के लिए "कार्य योजना" के एक अभिन्न अंग के रूप में परमहंसजी द्वारा ध्यान के अभ्यास पर बल देना सामयिक के साथ-साथ कालातीत भी था. योगानन्द ने जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य, आत्म-साक्षात्कार अर्थात् ईश्वर के साथ एकता, की प्राप्ति के लिए आध्यात्मिक प्रयास को एकमात्र उपाय बताया. स्वयं उनके गुरु, स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि की यह प्रसिद्ध उक्ति है, "यदि आप अभी आध्यात्मिक प्रयास कर रहे हैं तो भविष्य में सब कुछ सुधर जाएगा!"

योगानन्द द्वारा उनकी पुस्तक "योगी कथामृत" में वर्णित परम सत्य की प्राप्ति की दिशा में प्रगति करने के लिए ईश्वर के प्रत्येक साधक को चरणबद्ध वैज्ञानिक प्रविधि का अभ्यास करना आवश्यक है.

क्रियायोग योग का उच्चतम स्वरूप है. योगानन्द ने ईश्वर-सम्पर्क की प्राप्ति के लिए मानव जाति को ज्ञात सर्वाधिक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में इसी विशिष्ट वैज्ञानिक मार्ग का अनुसरण करने पर बल दिया है. क्रियायोग में कुछ विशिष्ट वैज्ञानिक प्रविधियों का समावेश है, जो अभ्यासकर्ता को न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में सक्षम

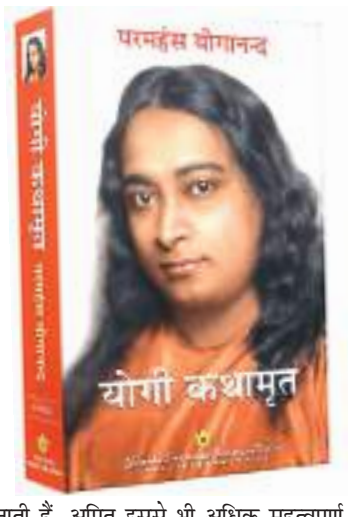

बनाती हैं, अपितु इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह "योगी" को अन्ततः सच्ची शान्ति और आनन्द प्राप्त करने में भी सक्षम बनाती है, जो हमारे अन्तर में ईश्वर की विद्यमानता का स्पष्ट संकेत हैं.

योगानन्द ने अपने पौर्वात्य और पाश्चात्य अनुयायियों को यह बताया कि प्रत्येक व्यक्ति क्रियायोग मार्ग का अभ्यास कर सकता है और यह मार्ग निश्चित रूप से अस्तित्व के उच्चतम जगतों का एक प्रवेशद्वार है. उन्होंने कुछ प्रारम्भिक प्रविधियों के साथ-साथ "आदर्श-जीवन" दर्शन के बारे में भी विस्तार से बताया है जो क्रियायोग ध्यान के उच्चतम द्वार की ओर ले जाने वाले के लिए आवश्यक उपाय हैं. भगवान श्रीकृष्ण ने भी श्रीमद्भगवद्गीता में दो बार क्रियायोग का अत्यंत सुन्दर शब्दों में उल्लेख किया है. लाखों लोग क्रियायोग को उसकी सभी अभिव्यक्तियों के साथ अपनी जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं. तथापि, जैसा कि स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि के गुरु लाहिड़ी महाशय ने बल दिया था, क्रियायोग का वास्तविक लाभ इसके सच्चे अभ्यास में निहित है. हमारे अस्तित्व के उच्चतर स्तरों का स्वर्णिम प्रवेशद्वार क्रियायोग प्रविधि के सार्थक और नियमित अभ्यास के द्वारा संचालित होता है.

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) योगानन्द द्वारा सन् 1917 में स्थापित एक आध्यात्मिक संस्था है. वाईएसएस द्वारा योगानन्द की विशाल शिक्षाओं की गहन अन्तर्दृष्टि का प्रसार पुस्तकों, मुद्रित पाठमाला और अन्य माध्यमों से जारी है. हाल के दशकों में भारत और सम्पूर्ण विश्व में क्रियायोग मार्ग का अनुसरण करने वाले साधकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है.

जैसा कि हाल ही में वाईएसएस के रांची आश्रम में आयोजित "'साधना संगम" में एक युवा साधक ने कहा, "योगानन्द की शिक्षाओं और क्रियायोग मार्ग की खोज से मेरा जीवन परिवर्तित हो गया है."

- विवेक अत्रे

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

टी-20 वर्ल्ड कप : बारबाडोस में बूम-बूम बुमराह, सूर्या का ताप नहीं झेल सकी अफगानिस्तान की टीम

भारत ने 47 रन से जीता पहला सुपर 8 मैच

एजेंसी। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

भारतीय टीम आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में सीना ताने आगे बढ़ रही है. उसने सुपर-8 में अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड जैसी टीम को हराकर आई अफगानिस्तान को 47 रनों से रौंद डाला. इसके साथ ही न केवल उसका खाता खुला, बल्कि सेमीफाइनल से वह सिर्फ अब एक जीत दूर है. सूर्यकुमार यादव (28 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्के के दम पर 53 रन) के अर्धशतक से भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ 8 विकेट पर 181 रन बनाए. जवाब में बैटिंग करने उतरी अफगान टीम ने जसप्रीत बुमराह (7/3) और अर्शदीप सिंह (36/3) की कातिलाना गेंदबाजी के आगे घुटने टेक दिए. यह टी20 इंटरनेशनल में 8वां मौका था जब भारत ने उसे हराया, जबकि दोनों के बीच 9 भिड़ंत में से एक मैच का रिजल्ट नहीं निकला. अब भारत अगला मैच 22 जून को बांग्लादेश से खेलेगा.

मैच में सूर्यकुमार ने 28 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के से 53 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (32 रन, 24 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 गेंद में 60 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. विराट कोहली (24) और ऋषभ पंत (20) ने भी उपयोगी पारियां खेली. भारत अंतिम छह ओवर में 66 रन जुटाने में सफल रहा. अफगानिस्तान की ओर से कप्तान राशिद खान ने 26 जबकि फजलहक फारूकी ने 33 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए. जवाब में बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही. उसके लिए अजमतउल्लाह ने सबसे अधिक 26 रन बनाए.

सूर्या की फिफ्टी, बुमराह-अर्शदीप को 3-3 विकेट

सूर्यकुमार यादव ने जड़ी तूफानी फिफ्टी, हार्दिक पंड्या भी छाए

सूर्यकुमार ने अजमतुल्लाह ओमरजई पर दो चौके के साथ 13वें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया. हार्दिक पंड्या ने भी नवीन और राशिद पर चौके जड़कर अपने तेवर दिखाए. उन्होंने 16वें ओवर में नूर की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का भी मारा. सूर्यकुमार ने अगले ओवर में फारूकी की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ सिर्फ 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर नबी को कैच दे बैठे. भारत के 150 रन भी इसी ओवर में पूरे हुए. पंड्या ने अगले ओवर में नवीन पर छक्का जड़ा लेकिन फिर बाउंड्री पर ओमरजई को कैच दे बैठे. रविंद्र जडेजा ने भी सात रन बनाने के बाद फारूकी गेंद की गेंद पर गुलबदिन नैब को कैच थमाया. अक्षर पटेल ने पारी की अंतिम गेंद पर रन आउट होने से पहले नवीन के ओवर में दो चौके से 14 रन जुटाए.

181
रन का स्कोर बनाया भारत ने 8 विकेट के नुकसान पर

134
रन पर ऑलआउट हो गई अफगानी टीम 20 ओवर में

- सुपर 8 में भारत का अगला मुकाबला बांग्लादेश से 22 जून को होगा

सूर्यकुमार
रन : 53
गेंद : 28
चौका : 05
छक्का : 03

ब्रीफ खबरें

युगांडा के कप्तान ने कप्तानी छोड़ी

कम्पाला। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के ग्रुप चरण में अभियान खत्म होने के बाद स्वदेश लौटने पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया. युगांडा की टीम टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ महज एक जीत दर्ज कर सकी थी जिससे टीम दो अंक लेकर ग्रुप सी में चौथे स्थान पर रही. मसाबा पिछले पांच साल से टीम के कप्तान थे जिसमें टी20 विश्व कप में टीम की अगुआई करना भी शामिल था.

वेसाले सेरेवी रग्बी के मुख्य कोच बने

नयी दिल्ली। विश्व रग्बी हाल ऑफ फेम में शामिल वेसाले सेरेवी को भारत की पुरुष और महिला रग्बी 7 टीमों का मुख्य कोच बनाया गया है. फीजी के सेरेवी क्लब और राष्ट्रीय स्तर पर 15 प्रति टीम रग्बी खेल चुके हैं. किंग आफ सेवंस कहलाये जाने वाले सेरेवी ओलंपिक में रग्बी सेवंस को शामिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समक्ष विश्व रग्बी के सलाहकार भी रह चुके हैं. रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, रग्बी इंडिया में हमारा लक्ष्य अतीत से बेहतर प्रदर्शन करना है.

27 खिलाड़ियों का चयन किया गया

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 21 जून से 8 जुलाई तक यहां भारतीय खेल प्राधिकारण (साइ) परिसर में लगाए जाने वाले ओलंपिक पूर्व राष्ट्रीय शिविर के लिए गुरुवार को 27 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की. भारत को ओलंपिक में पूल बी में रखा गया है, जहां उसका सामना बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड से होगा. तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी. प्रो लीग में भारत 16 मैच में 24 अंक के साथ अभी चौथे स्थान पर है.

सुपर-8 : फिल साल्ट ने 47 गेंद खेलकर 87 रन बनाए

साल्ट की आक्रामक पारी से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया

भाषा। ग्रोस आइलेट

फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से गत चैंपियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के अपने पहले मैच में सह मेजबान वेस्टइंडीज को गुरुवार को आठ विकेट से हराया. अफगानिस्तान को आखिरी ग्रुप मैच में हराने वाली वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर चार विकेट पर 180 रन बनाये, लेकिन जवाब में इंग्लैंड की टीम ने ग्रुप दो के मैच में 17.3 ओवर में ही दो विकेट पर 181 रन बना लिये. साल्ट ने अपनी आक्रामक पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाये. वहीं जॉनी बेयरस्टो ने 26 गेंद में नाबाद 48 रन जोड़े जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे. इंग्लैंड के गेंदबाजों को भी जीत का श्रेय जाता है जिन्होंने 51 डॉट गेंदें डाली. जोफ्रा आर्चर ने 34 रन देकर और आदिल रशीद ने 21 रन देकर एक एक विकेट लिया और किफायती गेंदबाजी की. साल्ट को सात के स्कोर पर निकोलस पूरन ने जीवनदान दिया जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया. उन्होंने बेयरस्टो के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद में 97 रन की साझेदारी की. दोनों के बीच के ओवरों में मेजबान स्पिन आक्रमण का बखूबी सामना किया. धीमी शुरुआत के बाद इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में खुलकर खेलना शुरू किया, जब कप्तान जोस बटलर ने रोमारियो शेपर्ड को दो चौके लगाये. वहीं साल्ट ने अगले ओवर में आंद्रे रसेल को छक्का जड़ा. दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए पावरप्ले के छह ओवर में स्कोर बिना किसी नुकसान के 58 रन तक पहुंचाया. ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस ने मेजबान को पहली सफलता दिलाई

जब बटलर 108.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली उनकी गेंद पर चकमा खाकर पगबाधा आउट हो गए. इसके बाद हालांकि साल्ट और बेयरस्टो ने टीम को आसानी से जीत तक पहुंचाया.

इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही, जब ब्रेंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने पांचवें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 40 रन बना लिये थे. किंग को सैम कुरेन की गेंद बाजू में लगी और चोटिल होने के कारण उन्हें मैदान से जाना पड़ा. शानदार फॉर्म में चल रहे पूरन इसके बाद क्रीज पर आये और उन्होंने चार्ल्स के साथ पावरप्ले में 54 रन तक स्कोर पहुंचाया. पूरन ने आठवें ओवर में मार्क वुडको छक्का लगाया लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने वापसी की. चार्ल्स ने रशीद को छक्का लगाया लेकिन अगले ओवर में मोईन अली ने उन्हें लांग आन पर हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया. चार्ल्स ने 34 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाये. कप्तान रोवमैन पॉवेल ने आफ स्पिनर अली को छक्का लगाया और लियाम लिविंगस्टोन को पांच गेंद में तीन छक्के जड़े. लिविंगस्टोन ने हालांकि अपनी आखिरी गेंद पर उन्हें आउट किया. पॉवेल ने 17 गेंद में 36 रन बनाये. आर्चर ने पूरन (32 गेंद में 36 रन) को पवेलियन भेजा. शेरफेन रदरफोर्ड ने आखिरी ओवरों में 15 गेंद में नाबाद 28 रन बनाये.

वेस्टइंडीज पर मिली जीत से आत्मविश्वास बढ़ा व लय भी मिली : साल्ट

ग्रोस आइलेट। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कहा है कि टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मैच में वेस्टइंडीज पर आठ विकेट से मिली जीत से सही समय पर उनकी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और लय मिल गई है. साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से इंग्लैंड ने 181 रन का लक्ष्य 17.3 ओवर में ही हासिल कर लिया. साल्ट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारे लिये टूर्नामेंट अभी तक उतार चढ़ाव भरा रहा था. ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए और स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में बारिश आ गई. हमने अभी तक बहुत क्रिकेट खेला ही नहीं. टूर्नामेंट क्रिकेट में आपको सही समय पर आत्मविश्वास और लय चाहिए होती है. मेजबान टीम को हराकर हमें वही मिला है. उन्होंने कहा कि वह सही समय पर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर दबाव बनाने का इंतजार कर रहे थे. जोस के आउट होने के बाद मुझे पारी के सूत्रधार की भूमिका निभानी थी. मैं सही गेंदों का इंतजार कर रहा था. उनके पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं और मैं हाथ आये किसी मौके को गंवाना नहीं चाहता था.

जिम्बाब्वे पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने जस्टिन सैमंस

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने दक्षिण अफ्रीका के जस्टिन सैमंस को पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया है. सैमंस दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच रह चुके हैं. अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिये जिम्बाब्वे के क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद डेव हॉटन ने कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था. सैमंस का कार्यकाल छह जुलाई से हरारे में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच से शुरू होगा. जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज डियोन इब्राहिम सहायक कोच होंगे. वह न्यूजीलैंड की सीनियर पुरुष टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा हैं. जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तावेंग्वा मुकुहलानी ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जस्टिन जिम्बाब्वे की सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच होंगे. उनके पास कोचिंग का अपार अनुभव है और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में कई युवा प्रतिभाओं को तलाशा और तराशा है.

आज का मैच : बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगा ऑस्ट्रेलिया

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

कागजों पर भले ही यह मुकाबला एकतरफा नजर आता हो लेकिन ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर-8 के ग्रुप एक में शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना ऑलराउंड खेल दिखाना होगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को इस मुकाबले में उतरने से पहले यह बात अच्छी तरह गांठ बांध लेनी चाहिए कि बांग्लादेश को हल्के से लेना टीम पर भारी पड़ सकता है. बांग्लादेश ने 2021 में अपनी घरेलू धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था. यहां की परिस्थितियां भी काफी हद तक उपमहाद्वीप से मिलती हैं और ऐसे में किसी भी तरह की ढिलाई ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ सकती है. ऑस्ट्रेलिया के लिए इस तरह की परिस्थितियों में लेग स्पिनर एडम जंपा और ग्लेन मैक्सवेल तथा कामचलाऊ स्पिनर ट्रैविस हेड की भूमिका अहम होगी. यहां की पिच धीमी हैं और ऑस्ट्रेलिया बाएं हाथ के स्पिनर एस्टन एगर को भी अंतिम एकादश में बनाए रख सकता है.

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा। रिजर्व : जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट.

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदॉय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। रिजर्व : अफीफ हुसैन, हसन महमूद.

मैच : सुबह 6 बजे शुरू होगा.

आज का मैच : सुपर-8 में दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगा इंग्लैंड

भाषा। ग्रोस आइलेट

सह मेजबान वेस्टइंडीज को हराकर फॉर्म में लौटे इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के दमदार गेंदबाजी आक्रमण की कठिन चुनौती होगी. इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को सुपर आठ चरण के पहले मैच में आठ विकेट से हराया. अब वह ग्रुप में नेट रनरेट (प्लस 1.34) के आधार पर शीर्ष पर है. चूंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रनरेट उससे कम (प्लस 0 . 90) है. अब दक्षिण अफ्रीका को हराने पर सेमीफाइनल में उसका प्रवेश लगभग तय हो जाएगा.

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को सुपर आठ चरण के पहले मैच में अमेरिका ने कड़ी चुनौती दी. हालांकि उसने 18 रन से जीत दर्ज की इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के लिए 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से 17.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया.

साल्ट एक बार फिर कप्तान जोस बटलर के साथ इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाना चाहेंगे.

टीमें

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड.

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स.

मैच का समय : रात आठ बजे से.

20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे भारतीय रोवर बलराज पंवार

कोलकाता। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय रोवर (नौकायन खिलाड़ी) बलराज पंवार ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए 20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि इसका उन्हें फायदा मिलेगा. पुरुष सिंगल स्कल्स रोइंग स्पर्धा में भाग लेने वाले पंवार पहले बैच के उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल होंगे, जो परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के लिए प्रतियोगिता से काफी पहले पेरिस पहुंच जाएंगे. पंवार ने संवाददाताओं से वर्चुअल बात करते हुए कहा, हम 20 दिन पहले वहां पहुंच जाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि हमें यह अजीब नहीं लगेगा. इससे हमें परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में मदद मिलेगी. भारतीय डबल्स स्कल्स रोवर सलमान खान प्रशिक्षण साथी के रूप में उनके साथ पेरिस जाएंगे. पंवार ने कहा, पुरुष सिंगल स्कल्स में आप पानी में अकेले होते हैं और इसके लिए मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण की जरूरत होती है.

यूरो फुटबॉल 2024 — जेरदान शाकिरी के शानदार गोल से मैच बराबरी पर

स्विटरजलैंड ने स्कॉटलैंड के साथ ड्रॉ खेला

एजेंसी। कोलोन (जर्मनी)

जेरदान शाकिरी के शानदार गोल की मदद से स्विटजरलैंड ने यूरो फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 में स्कॉटलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला. 32 वर्ष के शाकिरी ने लगातार छठे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल दागा है, जिसमें तीन विश्व कप और तीन यूरो चैंपियनशिप शामिल है. स्कॉटलैंड के लिए 13वें मिनट में स्कॉट मैक टोमिने के पास पर फेबियन शार ने पहला गोल दागा. शाकिरी ने 26वें मिनट में बराबरी का गोल किया. इस ड्रॉ के बाद स्विटजरलैंड के चार अंक हैं और वह ग्रुप ए में जर्मनी के बाद दूसरे स्थान पर है. जर्मनी ने हंगरी को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली है.

ब्राजीली मिडफील्डर लुकास से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सत्र से पहले गुरुवार को ब्राजील के मिडफील्डर लुका ब्रैम्बिला से एक साल का करार किया. ब्रैम्बिला इससे पहले साइप्रस के शीर्ष टीयर क्लब ओथेलोस एथियनोऊ से जुड़े थे. इस तरह चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले नौवें खिलाड़ी से अनुबंध किया और यह उनका चौथा विदेशी खिलाड़ी भी है. इससे पहले एल्सिन्हो डायस, चीमा चुक्वु और विल्मर जोर्डन गिल क्लब से जुड़ने वाले विदेशी खिलाड़ी थे.

भारतीय तीरंदाज विश्व कप में पदक से चूके

अंताल्या (तुर्की)। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिससे दोनों गुरुवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में पदक से चूक गयीं. लेकिन अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने के करीब हैं. विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम अंतिम 16 तक पहुंची. अब दोनों टीमों को सोमवार तक का इंतजार करना होगा जब विश्व तीरंदाजी द्वारा रैंकिंग के आधार पर आधिकारिक सूची की घोषणा की जायेगी. नये नियम के अनुसार रैंकिंग से उन दो शीर्ष देशों को ओलंपिक कोटा दिया जाता है जो ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये कोटा हासिल नहीं कर सके.

अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने से हुई मौत

तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन का निधन

भाषा। बेंगलुरु

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन की अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई और यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या यह आत्महत्या का मामला है. एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं. जॉनसन अपने घर के पास में ही क्रिकेट अकादमी चला रहे थे लेकिन पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे. कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, हमें बताया गया कि वह अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिर गए थे. उन्हें अस्पताल

ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनकी मौत के कारणों की जांच की जा रही है. पुलिस अधिकारी ने कहा, ऐसा माना जा रहा है कि 52 वर्षीय डेविड जूड जॉनसन कोथनूर के कनक श्री लेआउट में अपने अपार्टमेंट से गिर गए, जिससे आत्महत्या का संदेह पैदा हो रहा है. जॉनसन ने भारत की तरफ से दो टेस्ट मैच खेले. उन्होंने कुल 39 प्रथम श्रेणी मैच खेले. वह कर्नाटक की उस मजबूत गेंदबाजी इकाई का हिस्सा थे जिसमें अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, वेंकटेश प्रसाद और डोडा गणेश शामिल थे. भारत के पूर्व गेंदबाज और जॉनसन के लंबे समय तक साथी रहे गणेश ने कहा, यह बेहद दुखद खबर है क्योंकि हम टेनिस क्रिकेट के दिनों से ही एक क्लब जय कर्नाटक की तरफ से खेला करते थे. दिग्गज लेकर स्पिनर अनिल कुंबले ने भी जॉनसन के निधन पर शोक व्यक्त किया. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी जॉनसन के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की.

ब्रीफ खबरें

सांसद के खिलाफ परिवाद दायर

मुजफ्फरपुर । मुस्लिम, यादव और कुशवाहा जाति के लोगों का काम नहीं करने वाला बयान देने वाले जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ मुजफ्फरपुर की सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर हो गया है. इतना ही नहीं कोर्ट ने इस मामले में आगामी दो जुलाई को सुनवाई की तिथि भी मुकर्रर किया गया है. मामले की जानकारी अधिवक्ता हरिओम कुमार ने दिया है. परिवादी दिलीप कुशवाहा ने बताया है कि बीते दिनों सीतामढ़ी जिला के डुमरा और परिहार में सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा जाति को लेकर टिप्पणी की गई थी.

जमीन विवाद में पुत्र ने की पिता की हत्या

पूर्वी चंपारण । जिले में आपसी विवाद में एक पुत्र पक अपने पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी. घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शंभू चक पंचायत के वार्ड नंबर 10 राई टोला की है. बताया जा रहा है कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शम्भूचक पंचायत निवासी अरुण सिंह और उसके छोटे भाई रत्नेश सिंह के बीच घरारी के जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था, जिसको लेकर फिर से दोनो के बीच विवाद शुरू हुआ तो पिता वशिष्ठ सिंह बीच में आ गए. फिर दोनों के बीच पहले गाली-गलौज फिर मारपीट शुरू हो गया. इसी दौरान अरुण सिंह ने अपने बेटे, पत्नी के साथ पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गयी.

अपहृत बालक सकुशल बरामद किया गया

नालंदा । नूरसराय थाना इलाके के पपरनौसा गांव से अपहृत बालक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है . किशोर रामजतन पासवान का 10 वर्षीय पुत्र विक्रांत उर्फ विक्रांता हैं. किशोर ने बताया कि गांव के ही कारू पासवान समेत दो व्यक्ति उसे मोबाइल दिलाने का झांसा देकर गांव से लेकर चला गया . वहां से पटना ले गया. मामला दर्ज होते ही पुलिस आरोपियों पर दबाव बनाना शुरू किया गया तो बच्चे को छोड़ दिया. पुलिस ने बच्चे को एक गोदाम के पास से सकुशल बरामद किया है. बच्चों का कोर्ट में बयान दर्ज कराया गया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खरीफ महाभियान का किया शुभारंभ

किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 1 अणे मार्ग से खरीफ महाभियान-2024 का शुभारंभ किया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2024 के तहत सभी जिलों के लिए किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जाय. इन किसान जागरूकता वाहन के माध्यम से किसानों को खरीफ फसलों की तकनीकी जानकारी एवं खरीफ मौसम में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. साथ ही खरीफ में अनुदानित दर पर उपादान वितरण की जानकारी, फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूकता, जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम से संबंधित जानकारी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, फसल विविधिकरण पर विशेष जानकारी, चतुर्थ कृषि रोड मैप के विभिन्न आयामों की जानकारी सहित अन्य कार्यक्रमों का भी प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक किया जाएगा.

किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीएम व अन्य.

कार्यक्रम की शुरूआत में कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

बिहार विमं का मानसून सत्र 22-26 जुलाई तक

पटना । बिहार विधानमंडल का सत्र आगामी 22 से 26 जुलाई तक चलेगा. सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी. बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के लिए सरकार ने अपनी स्वीकृति दे दी है. कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब विस सचिवालय जल्द ही पूरा शेड्यूल जारी करेगा. 22 जुलाई को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही मानसून सत्र की शुरुआत होगी. सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार तक चलने वाले मानसून सत्र के दौरान विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा.

नीतीश कैबिनेट में प्रस्ताव पारित

मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा व भागलपुर में भी चलेगी मेट्रो ट्रेन

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई. शुक्रवार को मुख्य सचिवालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित इस बैठक में कुल 22 प्रस्ताव स्वीकृत कर लिए गए. इसमें सबसे प्रमुख प्रस्ताव मेट्रो परियोजना से संबंधित है. पटना के बाद अब बिहार के गया, भागलपुर, दरभंगा और मुजफ्फरपुर शहर में भी मेट्रो रेल का परिचालन होगा. सीएम नीतीश कुमार के मेट्रो परिचालन के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है.

बिहार उच्च न्यायिक सेवा के 140 पदों के सृजन की स्वीकृति : वहीं बिहार व्यवहार न्यायालय अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्ति प्रोन्नति स्थानांतरण एवं अन्य सेवा संशोधन नियमावली 2024 के प्रस्ताव पर भी सीएम नीतीश कुमार ने अपना मुहर लगा दिया. इतना ही नहीं बिहार वाहन चालक भर्ती एवं सेवा शर्त संशोधन नियमावली 2024 के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी गई है. वहीं नौकरी की बात करें तो बिहार उच्च न्यायिक सेवा के 140 पदों के सृजन की स्वीकृति सीएम नीतीश कुमार ने दे दी. साथ ही जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिकोष आयोग के लिए अनुबंधन के आधार पर निबंधक के कुल 20 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई.

नीट पेपर लीक : डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का दावा, कहा-

मास्टरमाइंड के लिए तेजस्वी के पीएस ने बुक कराया था रूम

बोले- बुकिंग कराने के दौरान तेजस्वी यादव के लिए मंत्री शब्द का इस्तेमाल किया गया

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

नीट-यूजी परीक्षा में धांधली के मसले पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है. इस मामले में पेपर लीक के आरोप भी लग रहे हैं. कई लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी भी की जा चुकी है. इस बीच, बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम का नाम इससे जोड़ कर सनसनी फैला दी है.

उन्होंने आरोप लगाया है कि नीट-यूजी का पेपर लीक करने वाली गैंग के सदस्य पटना के गेस्ट हाउस में रुके थे और इसकी बुकिंग तेजस्वी यादव के निजी सचिव ने कराई थी. यही नहीं बुकिंग कराने के दौरान तेजस्वी यादव के लिए मंत्री शब्द का इस्तेमाल किया गया. इस पर विजय सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की है और विस्तार से आरोप लगाए हैं. सिन्हा ने कॉल डिटेल समेत कई दस्तावेज दिखाते हुए कहा, एक मई को तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार के मोबाइल नंबर से रात को 9 बजकर 7 मिनट पर पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार को फोन किया गया. यह फोन सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए कमरे की बुकिंग के मकसद से किया गया था. इस पर प्रदीप कुमार ने कोई संज्ञान नहीं लिया. फिर 4 मई को सुबह 8 बजे फिर से प्रीतम कुमार ने फिर से फोन किया गया. इस बार प्रदीप कुमार ने पथ निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता को वॉट्सऐप पर मेसेज भेजा था.

विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से पेपर लीक के आरोपों की जांच की जा रही है. इस मामले में जांच में अब तक पेपर लीक का शक बढ़ा ही है. उन्होंने कहा, हम जानकारी जुटा रहे हैं. गेस्ट हाउस से जिन लोगों को पकड़ा गया, उनका जिन लोगों से संबंध है, उनमें से एक प्रीतम है. लोगों का कहना है कि वह तेजस्वी यादव से जुड़ा है. हम इस पूरे मामले में जानकारी जुटा रहे हैं. चुनाव की वजह से हम अब तक पूरी जानकारी नहीं हासिल कर पाए थे. इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ सख्त ऐक्शन होगा. उन्हें बताना होगा कि गेस्ट हाउस का किस मंत्री और किन लोगों ने इस्तेमाल किया.

इधर, बिहार पुलिस के सामने परीक्षार्थी ने कबूला, कहा-

फूफा ने सेटिंग की, पेपर देकर रात भर रटवाया

नीट यूजी पेपर केस लीक केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं. बिहार पुलिस ने जिस अनुराग यादव नाम के परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया था, उसका कबूलनामा सामने आया है. उसने स्पष्ट कहा कि उसके फूफा सिकंदर प्रसाद यादवेंदु ने ही उसे कोटा से पटना बुलाया था. कहा था कि परीक्षा में सब सेटिंग हो चुकी है. इसके बाद चार मई की रात पटना के एक रेस्ट हाउस में अमित आनंद और नीतीश कुमार के पास मुझे छोड़ दिया. इनलोगों ने मुझे नीट के परीक्षा का प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका दी. रात भर में पेपर रटवाया गया. अनुराग ने यह भी खुलासा किया कि अगले दिन जब मैं परीक्षा देने सेंटर पर पहुंचा, तो प्रश्न देखकर दंग रह गया. सभी प्रश्न वही थे जो रात में मैंने पढ़ा था. इसके बाद पुलिस ने अनुराग को गिरफ्तार कर लिया था. अनुराग के कबूलनामे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बिहार में पेपर लीक हुआ था. बता दें कि नीट पेपरलीक केस में जूनियर इंजीनियर सिकंदर प्रसाद यादवेंदु को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गेस्ट हाउस की इंट्री रजिस्टर में जिस अनुराग यादव का नाम दर्ज है, ये वही शख्स है.

महानंदा नदी का जलस्तर तीन दिन में 4 सेंटीमीटर बढ़ा

जिले के कई हिस्सों में घुसा बाढ़ का पानी

संवाददाता ।किशनगंज

जिले में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से महानंदा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है. साथ ही डोंक नदी का भी जलस्तर काफी बढ़ गया है. इसको लेकर सीओ मोहित राज ने भी नदियों का जायजा लिया है. पोठिया प्रखंड क्षेत्र होकर बहने वाली महानंदा व डोंक नदी का जलस्तर पिछले तीन दिनों से बढ़ रहा है. लगातार वर्षा होने के कारण दोनों नदी उफान पर है. महानंदा नदी का जलस्तर बढ़कर 4 सेंटीमीटर हो गया है. नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से गोरिहाट, डाक बंगला, कलियागंज आदि स्थानों पर नदी किनारे बसने वाले गिल्हाबाड़ी, बारापोखर, आदिवासी टोला मुस्लिम टोला, बारापोखर प्राथमिक विद्यालय, तैयबपुर, कलियागंज, गोरिहाट, इंदरपुर सहित दर्जनों गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर जाता है. फिलहाल, बहादुरगंज के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस चुका है.

नदी की उफान को लेकर लोग इस आशंका को लेकर परेशान हैं, कि यदि रात तक पानी की बढ़ती रफ्तार नहीं रुका तो मुश्किलें बढ़ जायेगी. इसी प्रकार डोंक नदी का भी जल स्तर बढ़ने से लोग बाढ़ की आशंका को लेकर चिंतित हैं. पोठिया के मो. आदिल, बिरजू सहित कई स्थानीय लोगो ने बताया कि गांव में अब तक पानी प्रवेश नहीं किया है. लेकिन, माल मवेशियों को दिक्कत जरूर है.

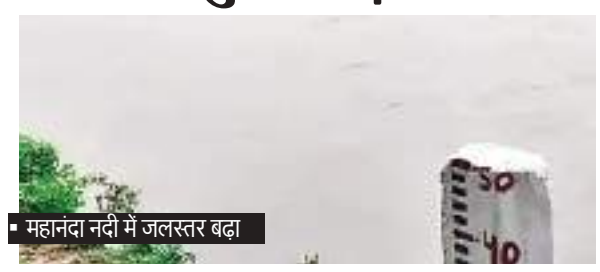
महानंदा नदी में जलस्तर बढ़ा

नवादा में एक ही परिवार की तीन महिलाओं के शव मिले, हड़कंप

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव में गुरुवार को एक घर से तीन महिलाओं का शव बरामद हुई है. इस दर्दनाक घटना के प्रकाश में आने से इलाके में हड़कंप मचा है. एक ही परिवार के तीन महिला सदस्यों की मिली लाश की तरह की शंकाओं को जन्म दे रही है. मृतकों में माता एवं उनकी दो पुत्रियां शामिल है. जिसमें एक पुत्री शिक्षिका बताई जाती हैं. जो प्रखण्ड के केवाली पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा में पदस्थापित थीं. घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार भलुआही बाजार में अवस्थित सेवानिवृत्त इंजीनियर स्वर्गीय नियाज अहमद के मकान में रह रहे उनकी पत्नी आमना खातून, उनकी शिक्षिका पुत्री शबाना खान एवं एक अन्य पुत्री मंजू खातून की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई.

सीतामढ़ी: जमीन विवाद में भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या कर दी

सीतामढ़ी । जिले के महिंद्रावाडा में एक भाजपा नेता की बीती देर रात जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी. घटना जिले के महिंदवारा थाना क्षेत्र के मौना गांव की है. मृतक की पहचान मौना गांव निवासी भरत साह के पुत्र राजेश कुमार साह के रूप में की गयी है. बताया जाता है कि राजेश भाजपा युवा मोर्चा के कोआही मंडल का पूर्व में अध्यक्ष रह चुका है. फिलहाल वह अपने दरवाजे पर ही सीएसपी व कैफे का संचालन करता था.

कारोबार

राजेश द्विवेदी ने निदेशक का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि राजेश कुमार द्विवेदी ने कंपनी के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण कर लिया है. बीएचईएल ने बयान में कहा कि इससे पहले द्विवेदी कंपनी में कॉरपोरेट वित्त के महाप्रबंधक और प्रमुख रह चुके हैं. द्विवेदी (56) भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के प्रतिष्ठित फेलो सदस्य हैं और उनके पास एमबीए डिग्री है. बयान के अनुसार, द्विवेदी 1992 में बीएचईएल में कार्यकारी प्रशिक्षु (वित्त) के रूप में शामिल हुए.

रॉयल ऑर्किड ने अर्जुन को अध्यक्ष बनाया

नयी दिल्ली । रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड ने सह-प्रवर्तक अर्जुन बालजी को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया है. आरओएचएल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि बालजी के पास रियल एस्टेट, प्रौद्योगिकी, स्टार्ट-अप और होटल जैसे क्षेत्रों में 20 वर्षों से अधिक अनुभव है. कंपनी ने कहा कि वे 2001 में पहले रॉयल ऑर्किड होटल के विकास में शामिल थे और परियोजना कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे समूह सिर्फ छह साल में दो से 10 होटलों तक बढ़ गया.

वारी एनर्जीज को मिला आपूर्ति का ठेका

नयी दिल्ली । वारी एनर्जीज को महिंद्रा सस्टेन को 280 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिला है. वारी एनर्जी ने गुरुवार को बयान में कहा कि इन मॉड्यूल की आपूर्ति दिसंबर, 2024 से की जाएगी. इन्हें महिंद्रा सस्टेन की महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डिजायन किया गया है. वारी एनर्जीज ने राजस्थान के बीकानेर में 280 मेगावाट (डीसी) उन्नत सौर मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए अक्षय ऊर्जा स्वतंत्र उत्पादक महिंद्रा सस्टेन के साथ एक समझौते की घोषणा की. वारी एनर्जीज के बिक्री निदेशक सुनील राठी ने बयान में कहा कि महिंद्रा सस्टेन के साथ साझेदारी हमारी कंपनी के लिए बहुत गर्व की बात है.

प्रमोशन
मुंबई में अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी के प्रमोशन के दौरान बात करती हुईं अभिनेत्री दीपिका पादुकोण.

डीजीसीए ने नियमों को आसान बनाया

मुंबई। विमानन नियामक डीजीसीए ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गुरुवार को कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे. इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा. संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी. उन्होंने कहा, डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं. नए मानदंडों के तहत, वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर 'सीप्लेन-रेटेड' पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं. इसके अलावा, सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी.

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा-

असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई न होना चिंताजनक

- असुरक्षित कर्ज में वृद्धि के कारण इस बाजार में संभावित समस्या हो सकती है.
- असुरक्षित ऋण में वृद्धि वास्तव में धीमी हो गई है

एजेंसी ।मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बड़ी समस्या पैदा हो सकती है. उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर आरबीआई की कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि धीमी होने का वांछित प्रभाव पड़ा है.

यहां आरबीआई के कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स में वित्तीय मजबूती पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि असुरक्षित ऋण पर प्रतिबंध इस दृष्टिकोण का परिणाम है कि असुरक्षित कर्ज में वृद्धि के कारण इस बाजार में संभावित समस्या हो सकती है. उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं, लेकिन मानकों में ढील, उचित मूल्यांकन का अभाव और कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित ऋण को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के 'स्पष्ट सबूत' हैं. दास ने कहा, हमने सोचा कि अगर इन कमज़ोरियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो ये एक बड़ी समस्या बन सकती हैं. इसलिए, हमने सोचा कि पहले से ही कार्रवाई करना और ऋण वृद्धि को धीमा करना बेहतर है.

गवर्नर शक्तिकांत दास.

उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि आरबीआई की कार्रवाई का वांछित प्रभाव पड़ा है, क्योंकि असुरक्षित ऋण में वृद्धि वास्तव में धीमी हो गई है. दास ने कहा कि क्रेडिट कार्ड खंड में वृद्धि आरबीआई की कार्रवाई से पहले के 30 प्रतिशत से घटकर अब 23 प्रतिशत हो गई है, जबकि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंक ऋण देने की वृद्धि पहले के 29 प्रतिशत से घटकर अब 18 प्रतिशत हो गई है. पिछले वर्ष 16 नवंबर को आरबीआई ने गैर-जमानती ऋण और एनबीएफसी को दिए जाने वाले ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया था, जिससे बैंकों को ऐसी परिसंपत्तियों पर अधिक मात्रा में पूंजी रखनी होगी. आरबीआई गवर्नर ने कहा, भारत का घरेलू वित्तीय तंत्र अब कोविड संकट के दौर में प्रवेश करने से पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है. भारतीय वित्तीय तंत्र अब बहुत मजबूत स्थिति में है, जिसकी विशेषता मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का निम्न स्तर और बैंकों व गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं की स्वस्थ लाभप्रदता है.

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नयी दिल्ली : ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा. कंपनी ने गुरुवार को इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया. कंपनी ने घोषणा करते हुए कहा कि आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा. एंकर (बड़े) निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे. ब्रोकिंग कंपनियों ने निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,860 करोड़ रुपये आंका है. आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है. इसके अलावा, प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है.

सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है. हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है. मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है.

सेबी ने ओला इलेक्ट्रिक, एमक्योर को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक और दवा कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स को वित्त जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, इन दोनों ही कंपनियों के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को 10 जून को स्वीकृति मिल गई है. इसका मतलब है कि अब दोनों ही कंपनियां अपने-अपने आईपीओ लाने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं. ओला इलेक्ट्रिक के प्रस्तावित आईपीओ में 5,500 करोड़ के नए शेयर जारी करने के अलावा प्रवर्तकों एवं निवेशकों के पास मौजूद 9.52 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी.

शेयर बाजार बैंकिंग-मेटल्स व मिडकैप स्टॉक्स ने बाजार में भरा जोश, बाजार हरे निशान पर बंद

सेंसेक्स 200 अंक चढ़ा, निफ्टी 23550 के पार

- गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक में शानदार उछाल देखने को मिला है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

एक दिन की सुस्ती के बाद अगले ही दिन शेयर बाजार में रौनक लौट आई. गुरुवार को कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली है. गुरुवार के सेशन में एक बार फिर बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है. मेटल्स स्टॉक्स में भी खरीदारी रही. तो मिड कैप और स्मॉल कैप सेक्टर के शेयरों में फिर से चमक देखने को मिली है.

गुरुवार को कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 141 अंकों के उछाल के साथ 77,479 अंकों पर क्लोज हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 51 अंकों के उछाल के साथ 23,567 अंकों पर क्लोज हुआ है. गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक में शानदार उछाल देखने को मिला है. इसके अलावा मेटल्स, एनर्जी, रियल एस्टेट, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि ऑटो, फार्मा स्टॉक्स में गिरावट रही. गुरुवार के सेशन में फिर से मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है.

बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. बीएसई पर कुल 3976 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2295 स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि 1554 गिरकर क्लोज हुए. 291 स्टॉक्स में अपर सर्किट लगा है.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला : शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 435.91 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 433.95 लाख करोड़ रुपये रहा था. गुरुवार के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.96 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स : गुरुवार के ट्रेड में जेएसडब्ल्यू 1.67 फीसदी, टाटा स्टील 1.28 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.05 फीसदी, रिलायंस 1 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.96 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.95 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.88 फीसदी का उछाल रहा है. जबकि सन फार्मा 2.24 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.10 फीसदी, एनटीपीसी 1.26 फीसदी, एसबीआई 1.03 फीसदी, विप्रो 1.03 फीसदी, पावर ग्रिड 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

पीएम आज डल झील के किनारे योग दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल, कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी का पहला जम्मू-कश्मीर दौरा

एजेंसी। श्रीनगर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को श्रीनगर पहुंचेंगे. तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह मोदी का पहला जम्मू-कश्मीर दौरा है. प्रधानमंत्री दिन में श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में ''युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव'' कार्यक्रम में भाग लेंगे. इसके साथ ही वह 1500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. वह 1800 करोड़ रुपये की लागत वाली कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की सुधार परियोजना का भी शुभारंभ करेंगे. यहां जारी की गई एक अधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रधानमंत्री मोदी 21 जून को सुबह करीब साढ़े छह बजे श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. वह लोगों को संबोधित करेंगे और उसके बाद योग सत्र में भी भाग लेंगे." शुक्रवार को होने वाले मुख्य योग समारोह से पहले घाटी और शहर में पिछले तीन दिन से कई योग सत्र का आयोजन किया गया. बुधवार को यहां लाल चौक स्थित ऐतिहासिक घंटाघर के निकट योग कार्यक्रम आयोजित किया गया.

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरोग्य मंदिरों में योग दिवस मनाने के लिए राज्यों को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से 21 जून को सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का आग्रह किया है. मंत्रालय ने प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए योग 'एंबेस्डर' के रूप में प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित करने का भी सुझाव दिया. केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने हाल ही में राज्यों को लिखे एक पत्र में कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में योग व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियमित रूप से सत्र आयोजित किए जा रहे हैं. हर साल 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य कल्याण और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में इसकी व्यापक क्षमता को लेकर जागरूकता पैदा करना और नागरिकों के बीच योग के अभ्यास को बढ़ावा देना है. आयुष मंत्रालय के अनुसार इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'खुद और समाज के लिए योग' है.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक दिन पहले गुरुवार को कोयंबटूर में हवाई अड्डे के सीआईएसएफ कर्मियों ने ईशा फाउंडेशन के एक योग सत्र में भाग लिया.

▼ ब्रीफ खबरें

इमरान के राजनीतिक सलाहकार का अपहरण

लाहौर। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया है. मीडिया में आई खबरों में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई. 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने खबर दी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता शाहबाज गिल के बड़े भाई गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों ने उस समय अपरहण कर लिया जब वह इस्लामाबाद जा रहे थे. इस बाबत कान्हा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. प्राथमिकी उनके बेटे बिलाल ने दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने घर से निकले और इस्लामाबाद की ओर चल दिए.

उप्र के अयोध्या में शुरू हुआ सरयू महोत्सव

अयोध्या (उप्र)। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में बृहस्पतिवार को सरयू महोत्सव शुरू हुआ और इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर दर्शन-पूजन कर रहे हैं. ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा को सरयू का जन्मोत्सव मनाया जाता है उससे पहले आज से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो जाएगा और पूजन तथा अर्चन का कार्य विशेष रूप से किया जाएगा. नित्य आरती के दरमियान भी मां सरयू के जन्मोत्सव को लेकर के विशेष आरती की जाएगी और इतना ही नहीं रामचरितमानस एवं रामायण के पाठों का परायण होगा तथा धूमधाम से सरयू का जन्मोत्सव 22 जून को ज्येष्ठ की पूर्णिमा के दिन मनाया जाएगा.

हैती में हिंसा बढ़ने से 6 लाख लोग विस्थापित

पोर्ट ऑ प्रिंस। कैरेबियाई देश हैती में सशस्त्र गिरोहों के साथ टकराव के कारण मार्च से हिंसा बढ़ी है, जिसके चलते लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित हुए हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी की एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. लाखों की संख्या में विस्थापित हुए लोगों का यह आंकड़ा चिंताजनक है, जो कैरेबियाई राष्ट्र के संकट की गंभीरता को दर्शाता है. हैती में लंबे समय से अशांति रही है, लेकिन फरवरी के अंत में सशस्त्र गिरोहों ने कई बड़े हमले किए हैं. बंदूकधारियों ने पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया, मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोलीबारी की और हैती की दो सबसे बड़ी जेलों पर भी हमला किया. गोलीबारी के कारण हवाई अड्डा तीन महीने तक बंद रहा.

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से मास्को व प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा ताकतवर समझौता

युद्ध की स्थिति में सहयोग का संकल्प

एजेंसी। सियोल

रूस और उत्तर कोरिया के नेताओं के बीच हुए नये समझौते के तहत दोनों देशों में से किसी पर भी हमला होने की सूरत में दोनों देश एक दूसरे को तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल करेंगे. उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गयी. उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बृहस्पतिवार को अपनी एक खबर में देश के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्योंगयांग में बुधवार को हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की जानकारी दी.

खबर में कहा गया है कि समझौते के अनुच्छेद चार के अनुसार अगर दोनों में से किसी भी देश पर हमला होता है या फिर युद्ध की स्थिति पैदा होती है तो दूसरे देश को बिना किसी विलंब के सैन्य व अन्य सभी प्रकार की सहायता प्रदान करनी होगी. इस समझौते को शीत युद्ध की समाप्ति की बाद से मास्को और प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा ताकतवर समझौता माना जा रहा है. किम और पुतिन ने ही इस समझौते को दोनों देशों के लिए एक बड़ी उपलब्धि करार किया दिया है. रूस और उत्तर कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और उसके सहयोगी देश मास्को और प्योंगयांग के बीच संभावित हथियार समझौते को लेकर चिंता जता रहे हैं. इस समझौते के तहत प्योंगयांग आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में मास्को को यूक्रेन में युद्ध के लिए अत्यंत आवश्यक हथियार उपलब्ध कराएगा.

किम ने समझौते के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच 'घनिष्ठ मित्रता' है और यह अब तक का उनका सबसे शक्तिशाली समझौता है. किम ने यूक्रेन में युद्ध के लिए रूस के समर्थन का संकल्प लिया. वहीं पुतिन ने इसे 'सफल समझौता' करार दिया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की साझा इच्छाओं को दर्शाता है.

दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधों को मजबूत करने के प्रयास में वियतनाम पहुंचे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

हनोई। यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुके रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने बरसों पुराने साझेदार वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां राजकीय दौरे पर पहुंचे. पुतिन के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत गणमान्य व्यक्तियों ने किया. पुतिन के स्वागत में सफेद पोशाक पहने सैनिक सावधान मुद्रा में खड़े हुए दिखाई दिये. पुतिन उत्तर कोरिया से यहां पहुंचे.

हनोई में रूसी नेता वियतनाम के सबसे शक्तिशाली राजनेता और कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फू ट्रोंग, नये राष्ट्रपति टो लैम और अन्य अधिकारियों से मिलेंगे. देश में अमेरिकी दूतावास ने पुतिन की इस यात्रा की तीखी आलोचना की है. पुतिन के वर्ष 2017 में वियतनाम के पिछले दौरे के बाद से बहुत कुछ बदल गया है. यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है. द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने वर्ष 2023 में युद्ध अपराधों के लिए पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था. हालांकि क्रेमलिन ने इसे अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया था और इस बात पर जोर दिया था कि मास्को न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है. सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट के विश्लेषक गुयेन खाक जियांग ने कहा कि पुतिन का हालिया चीन, उत्तर कोरिया व वियतनाम दौरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग रूस को नयी दिशा देने का प्रयास है.

वियतनाम के राष्ट्रपति टू लैम व उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को हनोई में राष्ट्रपति महल में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए. **प्रेट्र**

दक्षिण कोरिया ने रूस-उत्तर कोरिया समझौते की तीखी आलोचना की

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए उस समझौते की निंदा की जिसमें युद्ध की स्थिति में आपसी रक्षा सहयोग की बात कही गई है. इसके साथ ही राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह यूक्रेन को आपूर्ति को सीमित करने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करेगा. राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह टिप्पणी की. इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को प्योंगयांग में अपने शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच हुए समझौते की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया. कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि यह समझौता दक्षिण कोरिया की सुरक्षा के लिए खतरा है और इसका रूस-दक्षिण कोरिया संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि दक्षिण कोरिया इसके जवाब में यूक्रेन को रूसी हमले से लड़ने में मदद के लिए हथियार मुहैया कराने के मुद्दे पर पुनर्विचार करेगा. दक्षिण कोरिया एक उभरता हथियार निर्यातक है और उसके पास अमेरिका समर्थित एक सुसज्जित सेना है.

ठाणे और पालघर में हुई भारी बारिश, सूर्या नदी उफान पर

एजेंसी। ठाणे/पालघर

महाराष्ट्र के ठाणे और पड़ोसी पालघर जिले में रातभर भारी बारिश हुई और अधिकारियों ने भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए बृहस्पतिवार सुबह पालघर के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया.जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पालघर में सूर्या नदी में बाढ़ आने के कारण मनोर में एक पुल डूब गया और वाडा एवं मनोर के बीच आवागमन प्रभावित रहा. उन्होंने कहा कि ऊंची लहरों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई.

कदम ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह 10 बजे पालघर के लिए 'रेड अलर्ट' जारी कर अगले तीन घंटे में बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया. उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण पालघर के सासुन नवघर में खुदाई के काम आने वाली एक मशीन और उसके लापता संचालक की तलाश के लिये विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे तलाशी अभियान को फिलहाल रोक दिया गया है. एक जल परियोजना की सुरंग में मिट्टी धंसने के कारण 29 मई को खुदाई के काम आने वाली मशीन और उसका संचालक मलबे में दब गए थे.

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी ठाणे शहर और जिले में भी रातभर भारी बारिश हुई. ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि शहर में बृहस्पतिवार की सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटे की अवधि में 35.51 मिमी बारिश हुई. अधिकारियों के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढे आठ बजे से साढ़े नौ बजे के बीच शहर में 26.42 मिमी बारिश हुई.

दिल्ली में गर्मी की वजह से 24 घंटे में 17 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) और सफदरजंग अस्पतालों में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 17 लोगों की मौत हो गई है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. दिल्ली में बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है. हालांकि बृहस्पतिवार को सुबह हल्की बारिश होने से शहरवासियों को कुछ राहत मिली है. दिल्ली के अस्पतालों में भीषण गर्मी की वजह से बीमार पड़े मरीज़ों की संख्या बढ़ रही है. सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, गर्मी की वजह से बीमार पड़े 33 मरीज़ों को भर्ती कराया गया है. उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटे में 33 में से 13 रोगियों की मौत हो गई है. आरएमएल अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि अस्पताल में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 22 लोगों को भर्ती कराया गया जिनमें से चार की मौत हो गई है.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी : शरद पवार

- कहा-महाराष्ट्र में लोगों का पीएम नरेंद्र मोदी पर से भरोसा उठा, उनकी गारंटी फर्जी साबित हुई

एजेंसी। पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी, क्योंकि सदन में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के विभिन्न घटकों में सबसे ज्यादा सांसद कांग्रेस के पास हैं. यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष के किसी सदस्य को लोकसभा का उपाध्यक्ष बनाए जाने के प्रयास किए जाएंगे, पवार ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पिछली सरकार में इस "नियम" का पालन नहीं किया था. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा होगी, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि इसका कोई सार्थक नतीजा निकलेगा. पवार महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, "पहले हम इस बात पर सहमत थे कि यह पद सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी को मिलेगा. आज, कांग्रेस के पास लोकसभा में (विपक्षी दलों के बीच) सबसे अधिक सीट हैं, इसलिए वे तय करेंगे कि इस पद पर किसे नियुक्त किया जाना चाहिए." महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी की सफलता को लेकर पवार ने दावा किया कि लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर से भरोसा उठ गया है और "मोदी की गारंटी" फर्जी साबित हुई. उन्होंने कहा, "राज्य के लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि पिछले पांच साल में उन्होंने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए." कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) के गठबंधन एमवीए ने आम चुनाव में राज्य की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की है.

जन्मदिन : मुर्मू ने दिन की शुरुआत दिल्ली में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ की

राष्ट्रपति को उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर बृहस्पतिवार को उन्हें बधाई दी और उनकी अच्छी सेहत व लंबे जीवन की कामना की. राष्ट्रपति मुर्मू 66 वर्ष की हो गईं. मुर्मू ने अपने दिन की शुरुआत दिल्ली में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ की और सभी नागरिकों के कल्याण के लिए प्रार्थना की.

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंदिर की कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'जय जगन्नाथ! आज दिल्ली में स्थित जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए तथा प्रार्थना की कि सभी देशवासियों का कल्याण हो तथा हमारा देश प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करता रहे.' मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाली आदिवासी परिवार में हुआ था. उन्होंने 25 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुर्मू को जन्मदिन की बधाई दी. राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, 'भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं.' मोदी ने 'एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. राष्ट्र के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवा और समर्पण हम सभी को प्रेरित करता है. गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा करने पर उनका ज्ञान और जोर एक मजबूत मार्गदर्शक शक्ति है.' प्रधानमंत्री ने कहा, 'उनकी जीवन यात्रा करोड़ों लोगों को उम्मीद देती है. उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा. उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं.'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अपने जन्मदिन के मौके पर नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान के दौरे के दौरान बच्चों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित भी किया. **प्रेट्र**

पहल भारत ने निर्माण के लिए दिया है 60 लाख डॉलर का अनुदान

समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की औपचारिक शुरुआत

एजेंसी। कोलंबो

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की संयुक्त रूप से शुरुआत की. इसके निर्माण के लिए भारत ने 60 लाख डॉलर का अनुदान दिया है. जयशंकर सुबह श्रीलंका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति से मुलाकात की. जयशंकर ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं और बिजली, ऊर्जा, संपर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. जयशंकर ने पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मार्गदर्शन में भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई, विशेष रूप से बिजली, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में। हमारे पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के निरंतर विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध.' राष्ट्रपति के मीडिया विभाग (पीएमडी) ने बताया कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और जयशंकर ने श्रीलंका में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) की पट्टिका का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया और औपचारिक तौर पर केंद्र की शुरुआत की. इसमें कोलंबो स्थित नौसेना मुख्यालय में एक केंद्र, हंबनटोटा में एक उप-केंद्र तथा गैले, अरुगम्बे, बट्टिकलोवा, त्रिंकोमाली, कल्लारावा, प्वाइंट पेड्रो और मोलिकुलम में मानवरहित प्रतिष्ठान शामिल हैं. पट्टिका के अनावरण के पश्चात जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की डिजिटल शुरुआत की. साथ ही जीओआई आवासीय योजना के तहत 154 से अधिक मकान सौंपे.' राष्ट्रपति के मीडिया विभाग ने भी पोस्ट पर पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी.

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मिलते विदेश मंत्री एस जयशंकर.

रास सदस्य संजय सिंह के विरुद्ध जमानती वारंट जारी

सुलतानपुर (उप्र)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ यहां की एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने जमानती वारंट जारी किया है. यह वर्ष 2021 के महामारी अधिनियम के उल्लंघन से जुड़ा मामला है, जिसमें सिंह वारंट के बावजूद अदालत में पेश नहीं हुए थे. विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय ने बताया कि 13 अप्रैल 2021 को बन्धुआकला के थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार सिंह ने संजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि दिन में साढ़े तीन बजे हसनपुर गांव में संजय सिंह अपनी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य सलमा बेगम के पक्ष में सभा कर रहे थे, जिसकी अनुमति उनके पास नहीं थी. सिंह के साथ 50-60 लोग और थे तथा उनके इस कृत्य से महामारी अधिनियम व अन्य कानूनों का उल्लंघन हुआ.

अमेरिकियों ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई

भारत व्यापार करने को एक बेहतरीन देश

एजेंसी। वाशिंगटन

लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ लेने के कुछ दिनों बाद अमेरिकी सांसदों, व्यापार जगत के दिग्गजों और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नयी दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई. यहां 'यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में उन्होंने पिछले दशक में भारत में हुए विकास की भी सराहना की. कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी के सह संस्थापक और सह कार्यकारी अध्यक्ष हेनरी आर. क्रेविस ने कहा, 'भारत व्यापार करने के लिए एक बेहतरीन देश है. वहां 86 करोड़ लोगों के पास इंटरनेट है और नये विचार वाले उद्यमियों के साथ ढेरों अवसर हैं.' यूएसआईएसपीएफ ने अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता दिखाने वाले क्राविस को 2024 ग्लोबल लीडरशीप अवॉर्ड से सम्मानित किया है. क्राविस के नेतृत्व में कंपनी भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक के रूप में उभरी है और पिछले दो दशकों में विभिन्न क्षेत्रों में उसने 11 अरब अमेरीकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है. इस निवेश से हजारों नौकरियों का सृजन हुआ और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिला है. उन्होंने कहा, 'भारत लंबे समय से कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार रहा है, क्योंकि देश का विकास प्रभावशाली है, जनसंख्या गतिशील है और नये विचार वाले उद्यमी व व्यापारिक समुदाय मौजूद हैं.' इस दौरान यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स और रिपब्लिकिन सीनेटर स्टीव डैनेस और डेन सुलिवन मौजूद थे. सीनेटर डैनेस ने कहा, ''हम शुल्क कम करने को लेकर भारत सरकार के साथ काम कर रहे हैं. भारत दालों की फसलों का नंबर एक उपभोक्ता है और मोंटाना नंबर एक उत्पादक। इसलिए, यह एक स्वाभाविक संबंध है.' सुलिवन ने कहा, 'भारत की कहानी वैश्विक पटल पर सामने नहीं आई है. हमें भारत को दुनिया के सामने लाने की जरूरत है. भारत की अपनी यात्राओं में मैंने जबरदस्त नवाचार देखा है. दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए रणनीतिक रूप से बहुत कुछ करने का दृष्टिकोण है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)